विदेह VIDEHA

UGC NET/JRF मैथिली

UGC NET-JRF Maithili

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ६ / ९ · Volume 6 of 9

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. मैथिली भाषाक इतिहास आ ओकर विकास — विदेह क्विज १००० प्रश्न

२. विदेह क्विज — मैथिली भाषामे अनुसंधानक रुझान आ समकालीन लेखन १००० प्रश्न

३. मध्यकालीन मैथिली साहित्य: भक्ति कविता, अनुवाद, कथात्मक परम्परा — विदेह क्विज ५०० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : मैथिली भाषाक इतिहास आ ओकर विकास — विदेह क्विज

१. ‘मिथिला’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

२. जँ प्रश्न हो—‘मिथिला’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

३. ‘मिथिला’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मिथिला’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

५. ‘मिथिला’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल
(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल
(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मिथिला’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

७. ‘मिथिला’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मिथिला’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

९. निम्नमे सँ ‘मिथिला’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

१०. विद्यार्थी जँ ‘मिथिला’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक
(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(D) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

११. ‘तिरहुत’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक
(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

१२. जँ प्रश्न हो—‘तिरहुत’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

१३. ‘तिरहुत’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘तिरहुत’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

१५. ‘तिरहुत’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘तिरहुत’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

१७. ‘तिरहुत’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘तिरहुत’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

१९. निम्नमे सँ ‘तिरहुत’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

२०. विद्यार्थी जँ ‘तिरहुत’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

२१. ‘मैथिली नाम’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

२२. जँ प्रश्न हो—‘मैथिली नाम’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

२३. ‘मैथिली नाम’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मैथिली नाम’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

२५. ‘मैथिली नाम’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक
(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मैथिली नाम’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

२७. ‘मैथिली नाम’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मैथिली नाम’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

२९. निम्नमे सँ ‘मैथिली नाम’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल
(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

३०. विद्यार्थी जँ ‘मैथिली नाम’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

३१. ‘जनभाषा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक
(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

३२. जँ प्रश्न हो—‘जनभाषा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

३३. ‘जनभाषा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘जनभाषा’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

३५. ‘जनभाषा’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘जनभाषा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

३७. ‘जनभाषा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘जनभाषा’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

३९. निम्नमे सँ ‘जनभाषा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

४०. विद्यार्थी जँ ‘जनभाषा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

४१. ‘गृहभाषा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

४२. जँ प्रश्न हो—‘गृहभाषा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

४३. ‘गृहभाषा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘गृहभाषा’क महत्त्व की अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

४५. ‘गृहभाषा’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘गृहभाषा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

४७. ‘गृहभाषा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘गृहभाषा’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

४९. निम्नमे सँ ‘गृहभाषा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

५०. विद्यार्थी जँ ‘गृहभाषा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

५१. ‘लोक-संवाद’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

५२. जँ प्रश्न हो—‘लोक-संवाद’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

५३. ‘लोक-संवाद’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘लोक-संवाद’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

५५. ‘लोक-संवाद’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘लोक-संवाद’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

५७. ‘लोक-संवाद’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोक-संवाद’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

५९. निम्नमे सँ ‘लोक-संवाद’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

६०. विद्यार्थी जँ ‘लोक-संवाद’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

६१. ‘दरबारी प्रयोग’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

६२. जँ प्रश्न हो—‘दरबारी प्रयोग’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(D) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

६३. ‘दरबारी प्रयोग’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘दरबारी प्रयोग’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

६५. ‘दरबारी प्रयोग’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘दरबारी प्रयोग’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

६७. ‘दरबारी प्रयोग’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘दरबारी प्रयोग’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

६९. निम्नमे सँ ‘दरबारी प्रयोग’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७०. विद्यार्थी जँ ‘दरबारी प्रयोग’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

७१. ‘शास्त्रीय संपर्क’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७२. जँ प्रश्न हो—‘शास्त्रीय संपर्क’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७३. ‘शास्त्रीय संपर्क’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘शास्त्रीय संपर्क’क महत्त्व की अछि?

(A) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

७५. ‘शास्त्रीय संपर्क’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘शास्त्रीय संपर्क’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७७. ‘शास्त्रीय संपर्क’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘शास्त्रीय संपर्क’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७९. निम्नमे सँ ‘शास्त्रीय संपर्क’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

८०. विद्यार्थी जँ ‘शास्त्रीय संपर्क’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

८१. 'भाषिक सीमा' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

८२. जँ प्रश्न हो—'भाषिक सीमा'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

८३. 'भाषिक सीमा'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'भाषिक सीमा'क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

८५. 'भाषिक सीमा' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'भाषिक सीमा' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

८७. 'भाषिक सीमा' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'भाषिक सीमा' केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

८९. निम्नमे सँ ‘भाषिक सीमा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

९०. विद्यार्थी जँ ‘भाषिक सीमा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

९१. ‘क्षेत्रीय विस्तार’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

९२. जँ प्रश्न हो—‘क्षेत्रीय विस्तार’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

९३. ‘क्षेत्रीय विस्तार’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘क्षेत्रीय विस्तार’क महत्त्व की अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

९५. ‘क्षेत्रीय विस्तार’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘क्षेत्रीय विस्तार’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

९७. ‘क्षेत्रीय विस्तार’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘क्षेत्रीय विस्तार’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

९९. निम्नमे सँ ‘क्षेत्रीय विस्तार’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

१००. विद्यार्थी जँ ‘क्षेत्रीय विस्तार’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

१०१. ‘भारोपीय परिवार’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१०२. जँ प्रश्न हो—‘भारोपीय परिवार’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१०३. ‘भारोपीय परिवार’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘भारोपीय परिवार’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१०५. ‘भारोपीय परिवार’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘भारोपीय परिवार’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१०७. ‘भारोपीय परिवार’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘भारोपीय परिवार’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१०९. निम्नमे सँ ‘भारोपीय परिवार’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

११०. विद्यार्थी जँ ‘भारोपीय परिवार’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१११. ‘भारत-आर्य शाखा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

११२. जँ प्रश्न हो—‘भारत-आर्य शाखा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

११३. ‘भारत-आर्य शाखा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

११४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘भारत-आर्य शाखा’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

११५. ‘भारत-आर्य शाखा’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

११६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘भारत-आर्य शाखा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

११७. ‘भारत-आर्य शाखा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

११८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘भारत-आर्य शाखा’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

११९. निम्नमे सँ ‘भारत-आर्य शाखा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१२०. विद्यार्थी जँ ‘भारत-आर्य शाखा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१२१. 'पूर्वी आर्य आधार' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१२२. जँ प्रश्न हो—'पूर्वी आर्य आधार'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१२३. 'पूर्वी आर्य आधार'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'पूर्वी आर्य आधार'क महत्त्व की अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१२५. 'पूर्वी आर्य आधार' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

१२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'पूर्वी आर्य आधार' ककर संकेत करैत अछि?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१२७. 'पूर्वी आर्य आधार' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'पूर्वी आर्य आधार' कैँ कोना समझल जाय?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१२९. निम्नमे सँ 'पूर्वी आर्य आधार'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१३०. विद्यार्थी जँ 'पूर्वी आर्य आधार' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१३१. 'मागधी प्राकृत' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१३२. जँ प्रश्न हो—'मागधी प्राकृत'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१३३. 'मागधी प्राकृत'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'मागधी प्राकृत'क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१३५. 'मागधी प्राकृत' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

१३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'मागधी प्राकृत' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१३७. ‘मागधी प्राकृत’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मागधी प्राकृत’ केँ कोना समझल जाय?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१३९. निम्नमे सँ ‘मागधी प्राकृत’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१४०. विद्यार्थी जँ ‘मागधी प्राकृत’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१४१. ‘अपभ्रंश’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१४२. जँ प्रश्न हो—‘अपभ्रंश’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

१४३. ‘अपभ्रंश’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘अपभ्रंश’क महत्त्व की अछि?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१४५. ‘अपभ्रंश’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘अपभ्रंश’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१४७. ‘अपभ्रंश’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘अपभ्रंश’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१४९. निम्नमे सँ ‘अपभ्रंश’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१५०. विद्यार्थी जँ ‘अपभ्रंश’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१५१. ‘अवहट्ठ’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१५२. जँ प्रश्न हो—‘अवहट्ठ’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१५३. ‘अवहट्ठ’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘अवहट्ठ’क महत्त्व की अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१५५. ‘अवहट्ठ’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘अवहट्ठ’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१५७. ‘अवहट्ठ’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(C) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘अवहट्ठ’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१५९. निम्नमे सँ ‘अवहट्ठ’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१६०. विद्यार्थी जँ ‘अवहट्ठ’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१६१. ‘देशज आधार’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१६२. जँ प्रश्न हो—‘देशज आधार’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१६३. ‘देशज आधार’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘देशज आधार’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१६५. ‘देशज आधार’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘देशज आधार’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१६७. ‘देशज आधार’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘देशज आधार’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१६९. निम्नमे सँ 'देशज आधार'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१७०. विद्यार्थी जँ 'देशज आधार' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१७१. 'संस्कृत-संपर्क' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१७२. जँ प्रश्न हो—'संस्कृत-संपर्क'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१७३. 'संस्कृत-संपर्क'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'संस्कृत-संपर्क'क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१७५. 'संस्कृत-संपर्क' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'संस्कृत-संपर्क' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१७७. ‘संस्कृत-संपर्क’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘संस्कृत-संपर्क’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१७९. निम्नमे सँ ‘संस्कृत-संपर्क’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१८०. विद्यार्थी जँ ‘संस्कृत-संपर्क’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१८१. ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१८२. जँ प्रश्न हो—‘लोकभाषा सम्बन्ध’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१८३. ‘लोकभाषा सम्बन्ध’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘लोकभाषा सम्बन्ध’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१८५. ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१८७. ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१८९. निम्नमे सँ ‘लोकभाषा सम्बन्ध’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१९०. विद्यार्थी जँ ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१९१. ‘ध्वनि-परिवर्तन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१९२. जँ प्रश्न हो—‘ध्वनि-परिवर्तन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१९३. ‘ध्वनि-परिवर्तन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

१९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘ध्वनि-परिवर्तन’क महत्त्व की अछि?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१९५. ‘ध्वनि-परिवर्तन’ कैं मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘ध्वनि-परिवर्तन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

१९७. ‘ध्वनि-परिवर्तन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘ध्वनि-परिवर्तन’ कैं कोना समझल जाय?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१९९. निम्नमे सँ ‘ध्वनि-परिवर्तन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

२००. विद्यार्थी जँ ‘ध्वनि-परिवर्तन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

२०१. ‘पाण्डुलिपि’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२०२. जँ प्रश्न हो—‘पाण्डुलिपि’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२०३. ‘पाण्डुलिपि’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पाण्डुलिपि’क महत्त्व की अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२०५. ‘पाण्डुलिपि’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पाण्डुलिपि’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२०७. ‘पाण्डुलिपि’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पाण्डुलिपि’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२०९. निम्नमे सँ 'पाण्डुलिपि'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२१०. विद्यार्थी जँ 'पाण्डुलिपि' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२११. 'अभिलेख' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२१२. जँ प्रश्न हो—'अभिलेख'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२१३. 'अभिलेख'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'अभिलेख'क महत्त्व की अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२१५. 'अभिलेख' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'अभिलेख' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२१७. ‘अभिलेख’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘अभिलेख’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२१९. निम्नमे सँ ‘अभिलेख’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२२०. विद्यार्थी जँ ‘अभिलेख’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२२१. ‘वर्णरत्नाकर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२२२. जँ प्रश्न हो—‘वर्णरत्नाकर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२२३. ‘वर्णरत्नाकर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘वर्णरत्नाकर’क महत्त्व की अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२२५. ‘वर्णरत्नाकर’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘वर्णरत्नाकर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२२७. ‘वर्णरत्नाकर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘वर्णरत्नाकर’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२२९. निम्नमे सँ ‘वर्णरत्नाकर’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२३०. विद्यार्थी जँ ‘वर्णरत्नाकर’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२३१. ‘ज्योतिरीश्वर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२३२. जँ प्रश्न हो—‘ज्योतिरीश्वर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२३३. ‘ज्योतिरीश्वर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘ज्योतिरीश्वर’क महत्त्व की अछि?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२३५. ‘ज्योतिरीश्वर’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘ज्योतिरीश्वर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२३७. ‘ज्योतिरीश्वर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘ज्योतिरीश्वर’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२३९. निम्नमे सँ ‘ज्योतिरीश्वर’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२४०. विद्यार्थी जँ ‘ज्योतिरीश्वर’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२४१. ‘आरम्भिक गद्य’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२४२. जँ प्रश्न हो—‘आरम्भिक गद्य’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२४३. ‘आरम्भिक गद्य’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘आरम्भिक गद्य’क महत्त्व की अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२४५. ‘आरम्भिक गद्य’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘आरम्भिक गद्य’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२४७. ‘आरम्भिक गद्य’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘आरम्भिक गद्य’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२४९. निम्नमे सँ 'आरम्भिक गद्य'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२५०. विद्यार्थी जँ 'आरम्भिक गद्य' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२५१. 'लोकगीत' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२५२. जँ प्रश्न हो—'लोकगीत'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२५३. 'लोकगीत'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'लोकगीत'क महत्त्व की अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२५५. 'लोकगीत' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'लोकगीत' ककर संकेत करैत अछि?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२५७. ‘लोकगीत’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोकगीत’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२५९. निम्नमे सँ ‘लोकगीत’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२६०. विद्यार्थी जँ ‘लोकगीत’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२६१. ‘तिरहुता लिपि’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२६२. जँ प्रश्न हो—‘तिरहुता लिपि’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२६३. ‘तिरहुता लिपि’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘तिरहुता लिपि’क महत्त्व की अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२६५. ‘तिरहुता लिपि’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘तिरहुता लिपि’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२६७. ‘तिरहुता लिपि’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘तिरहुता लिपि’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२६९. निम्नमे सँ ‘तिरहुता लिपि’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२७०. विद्यार्थी जँ ‘तिरहुता लिपि’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२७१. ‘पञ्जी’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२७२. जँ प्रश्न हो—‘पञ्जी’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२७३. ‘पञ्जी’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पञ्जी’क महत्त्व की अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२७५. ‘पञ्जी’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पञ्जी’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२७७. ‘पञ्जी’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पञ्जी’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२७९. निम्नमे सँ ‘पञ्जी’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२८०. विद्यार्थी जँ ‘पञ्जी’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२८१. ‘दानपत्र’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२८२. जँ प्रश्न हो—‘दानपत्र’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२८३. ‘दानपत्र’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘दानपत्र’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२८५. ‘दानपत्र’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘दानपत्र’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२८७. ‘दानपत्र’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘दानपत्र’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२८९. निम्नमे सँ 'दानपत्र'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२९०. विद्यार्थी जँ 'दानपत्र' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२९१. 'मौखिक परम्परा' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२९२. जँ प्रश्न हो—'मौखिक परम्परा'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२९३. 'मौखिक परम्परा'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'मौखिक परम्परा'क महत्त्व की अछि?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२९५. 'मौखिक परम्परा' कैं मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'मौखिक परम्परा' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२९७. ‘मौखिक परम्परा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मौखिक परम्परा’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२९९. निम्नमे सँ ‘मौखिक परम्परा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

३००. विद्यार्थी जँ ‘मौखिक परम्परा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

३०१. ‘विद्यापति’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकैँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३०२. जँ प्रश्न हो—‘विद्यापति’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकैँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३०३. ‘विद्यापति’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकैँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘विद्यापति’क महत्त्व की अछि?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकैँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३०५. ‘विद्यापति’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘विद्यापति’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३०७. ‘विद्यापति’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘विद्यापति’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३०९. निम्नमे सँ ‘विद्यापति’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३१०. विद्यार्थी जँ ‘विद्यापति’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३११. ‘पदावली’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३१२. जँ प्रश्न हो—‘पदावली’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३१३. ‘पदावली’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पदावली’क महत्त्व की अछि?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३१५. ‘पदावली’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पदावली’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३१७. ‘पदावली’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पदावली’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३१९. निम्नमे सँ ‘पदावली’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३२०. विद्यार्थी जँ ‘पदावली’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३२१. ‘दरबारी संरक्षण’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३२२. जँ प्रश्न हो—‘दरबारी संरक्षण’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३२३. ‘दरबारी संरक्षण’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘दरबारी संरक्षण’क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३२५. ‘दरबारी संरक्षण’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘दरबारी संरक्षण’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३२७. ‘दरबारी संरक्षण’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘दरबारी संरक्षण’ केँ कोना समझल जाय?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

३२९. निम्नमे सँ ‘दरबारी संरक्षण’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३३०. विद्यार्थी जँ ‘दरबारी संरक्षण’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३३१. ‘भक्ति-शृङ्गार’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३३२. जँ प्रश्न हो—‘भक्ति-शृङ्गार’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३३३. ‘भक्ति-शृङ्गार’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘भक्ति-शृङ्गार’क महत्त्व की अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३३५. ‘भक्ति-शृङ्गार’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘भक्ति-शृङ्गार’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३३७. 'भक्ति-शृङ्गार' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'भक्ति-शृङ्गार' केँ कोना समझल जाय?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३३९. निम्नमे सँ 'भक्ति-शृङ्गार'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३४०. विद्यार्थी जँ 'भक्ति-शृङ्गार' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३४१. 'नेपालक मल्ल दरबार' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३४२. जँ प्रश्न हो—'नेपालक मल्ल दरबार'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३४३. 'नेपालक मल्ल दरबार'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'नेपालक मल्ल दरबार'क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३४५. 'नेपालक मल्ल दरबार' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'नेपालक मल्ल दरबार' ककर संकेत करैत अछि?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३४७. 'नेपालक मल्ल दरबार' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

३४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'नेपालक मल्ल दरबार' कैँ कोना समझल जाय?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३४९. निम्नमे सँ 'नेपालक मल्ल दरबार'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३५०. विद्यार्थी जँ 'नेपालक मल्ल दरबार' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३५१. 'कीर्तनिया नाटक' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३५२. जँ प्रश्न हो—'कीर्तनिया नाटक'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३५३. 'कीर्तनिया नाटक'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'कीर्तनिया नाटक'क महत्त्व की अछि?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३५५. 'कीर्तनिया नाटक' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'कीर्तनिया नाटक' ककर संकेत करैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३५७. 'कीर्तनिया नाटक' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'कीर्तनिया नाटक' केँ कोना समझल जाय?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३५९. निम्नमे सँ 'कीर्तनिया नाटक'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३६०. विद्यार्थी जँ 'कीर्तनिया नाटक' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३६१. ‘गीतिनाट्य’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३६२. जँ प्रश्न हो—‘गीतिनाट्य’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३६३. ‘गीतिनाट्य’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘गीतिनाट्य’क महत्त्व की अछि?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३६५. ‘गीतिनाट्य’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘गीतिनाट्य’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

३६७. ‘गीतिनाट्य’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘गीतिनाट्य’ केँ कोना समझल जाय?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३६९. निम्नमे सँ 'गीतिनाट्य'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३७०. विद्यार्थी जँ 'गीतिनाट्य' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३७१. 'पाण्डित्य-वर्ग' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३७२. जँ प्रश्न हो—'पाण्डित्य-वर्ग'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३७३. 'पाण्डित्य-वर्ग'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'पाण्डित्य-वर्ग'क महत्त्व की अछि?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३७५. 'पाण्डित्य-वर्ग' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'पाण्डित्य-वर्ग' ककर संकेत करैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३७७. ‘पाण्डित्य-वर्ग’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

३७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पाण्डित्य-वर्ग’ कैं कोना समझल जाय?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३७९. निम्नमे सँ ‘पाण्डित्य-वर्ग’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३८०. विद्यार्थी जँ ‘पाण्डित्य-वर्ग’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३८१. ‘लोक-अभिव्यक्ति’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३८२. जँ प्रश्न हो—‘लोक-अभिव्यक्ति’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३८३. ‘लोक-अभिव्यक्ति’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘लोक-अभिव्यक्ति’क महत्त्व की अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३८५. 'लोक-अभिव्यक्ति' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'लोक-अभिव्यक्ति' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३८७. 'लोक-अभिव्यक्ति' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'लोक-अभिव्यक्ति' कैँ कोना समझल जाय?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३८९. निम्नमे सँ 'लोक-अभिव्यक्ति'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३९०. विद्यार्थी जँ 'लोक-अभिव्यक्ति' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३९१. 'भाषा-संपर्क' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३९२. जँ प्रश्न हो—'भाषा-संपर्क'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३९३. ‘भाषा-संपर्क’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘भाषा-संपर्क’क महत्त्व की अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३९५. ‘भाषा-संपर्क’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘भाषा-संपर्क’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३९७. ‘भाषा-संपर्क’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘भाषा-संपर्क’ केँ कोना समझल जाय?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३९९. निम्नमे सँ ‘भाषा-संपर्क’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

४००. विद्यार्थी जँ ‘भाषा-संपर्क’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

४०१. ‘सर्वनाम-आदर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४०२. जँ प्रश्न हो—‘सर्वनाम-आदर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४०३. ‘सर्वनाम-आदर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘सर्वनाम-आदर’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४०५. ‘सर्वनाम-आदर’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘सर्वनाम-आदर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४०७. ‘सर्वनाम-आदर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘सर्वनाम-आदर’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४०९. निम्नमे सँ 'सर्वनाम-आदर'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४१०. विद्यार्थी जँ 'सर्वनाम-आदर' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४११. 'क्रिया-आदर' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४१२. जँ प्रश्न हो—'क्रिया-आदर'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४१३. 'क्रिया-आदर'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'क्रिया-आदर'क महत्त्व की अछि?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४१५. 'क्रिया-आदर' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'क्रिया-आदर' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४१७. 'क्रिया-आदर' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'क्रिया-आदर' कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकैँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४१९. निम्नमे सँ 'क्रिया-आदर'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४२०. विद्यार्थी जँ 'क्रिया-आदर' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४२१. 'काल-रूप' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४२२. जँ प्रश्न हो—'काल-रूप'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकैँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४२३. 'काल-रूप'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'काल-रूप'क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकैँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४२५. ‘काल-रूप’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘काल-रूप’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४२७. ‘काल-रूप’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘काल-रूप’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४२९. निम्नमे सँ ‘काल-रूप’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४३०. विद्यार्थी जँ ‘काल-रूप’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४३१. ‘कारक-चिह्न’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४३२. जँ प्रश्न हो—‘कारक-चिह्न’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४३३. ‘कारक-चिह्न’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘कारक-चिह्न’क महत्त्व की अछि?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४३५. ‘कारक-चिह्न’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘कारक-चिह्न’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४३७. ‘कारक-चिह्न’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘कारक-चिह्न’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४३९. निम्नमे सँ ‘कारक-चिह्न’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४४०. विद्यार्थी जँ ‘कारक-चिह्न’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४४१. ‘नकार’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४४२. जँ प्रश्न हो—‘नकार’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४४३. ‘नकार’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘नकार’क महत्त्व की अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४४५. ‘नकार’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘नकार’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४४७. ‘नकार’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘नकार’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४४९. निम्नमे सँ ‘नकार’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४५०. विद्यार्थी जँ ‘नकार’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४५१. ‘बहुवचन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४५२. जँ प्रश्न हो—‘बहुवचन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४५३. ‘बहुवचन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘बहुवचन’क महत्त्व की अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४५५. ‘बहुवचन’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘बहुवचन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४५७. 'बहुवचन' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'बहुवचन' कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४५९. निम्नमे सँ 'बहुवचन'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४६०. विद्यार्थी जँ 'बहुवचन' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४६१. 'प्रत्यय' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४६२. जँ प्रश्न हो—'प्रत्यय'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४६३. 'प्रत्यय'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'प्रत्यय'क महत्त्व की अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४६५. ‘प्रत्यय’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘प्रत्यय’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४६७. ‘प्रत्यय’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘प्रत्यय’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४६९. निम्नमे सँ ‘प्रत्यय’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४७०. विद्यार्थी जँ ‘प्रत्यय’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४७१. ‘ध्वनि-संयोग’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४७२. जँ प्रश्न हो—‘ध्वनि-संयोग’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४७३. ‘ध्वनि-संयोग’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘ध्वनि-संयोग’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४७५. ‘ध्वनि-संयोग’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘ध्वनि-संयोग’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४७७. ‘ध्वनि-संयोग’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘ध्वनि-संयोग’ केँ कोना समझल जाय?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४७९. निम्नमे सँ ‘ध्वनि-संयोग’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४८०. विद्यार्थी जँ ‘ध्वनि-संयोग’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४८१. ‘वाक्यक्रम’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४८२. जँ प्रश्न हो—‘वाक्यक्रम’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४८३. ‘वाक्यक्रम’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘वाक्यक्रम’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४८५. ‘वाक्यक्रम’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘वाक्यक्रम’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४८७. ‘वाक्यक्रम’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘वाक्यक्रम’ केँ कोना समझल जाय?

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४८९. निम्नमे सँ 'वाक्यक्रम'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४९०. विद्यार्थी जँ 'वाक्यक्रम' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४९१. 'लोक-उच्चारण' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४९२. जँ प्रश्न हो—'लोक-उच्चारण'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४९३. 'लोक-उच्चारण'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'लोक-उच्चारण'क महत्त्व की अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४९५. 'लोक-उच्चारण' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'लोक-उच्चारण' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४९७. ‘लोक-उच्चारण’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोक-उच्चारण’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४९९. निम्नमे सँ ‘लोक-उच्चारण’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

५००. विद्यार्थी जँ ‘लोक-उच्चारण’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

५०१. ‘तिरहुता’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५०२. जँ प्रश्न हो—‘तिरहुता’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५०३. ‘तिरहुता’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘तिरहुता’क महत्त्व की अछि?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

५०५. ‘तिरहुता’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘तिरहुता’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

५०७. ‘तिरहुता’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘तिरहुता’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५०९. निम्नमे सँ ‘तिरहुता’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५१०. विद्यार्थी जँ ‘तिरहुता’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

५११. ‘मिथिलाक्षर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५१२. जँ प्रश्न हो—‘मिथिलाक्षर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५१३. ‘मिथिलाक्षर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मिथिलाक्षर’क महत्त्व की अछि?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५१५. ‘मिथिलाक्षर’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मिथिलाक्षर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५१७. ‘मिथिलाक्षर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मिथिलाक्षर’ केँ कोना समझल जाय?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५१९. निम्नमे सँ ‘मिथिलाक्षर’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५२०. विद्यार्थी जँ ‘मिथिलाक्षर’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५२१. ‘देवनागरी’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५२२. जँ प्रश्न हो—‘देवनागरी’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५२३. ‘देवनागरी’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘देवनागरी’क महत्त्व की अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

५२५. ‘देवनागरी’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘देवनागरी’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५२७. ‘देवनागरी’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘देवनागरी’ केँ कोना समझल जाय?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५२९. निम्नमे सँ 'देवनागरी'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५३०. विद्यार्थी जँ 'देवनागरी' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५३१. 'कैथी' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५३२. जँ प्रश्न हो—'कैथी'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५३३. 'कैथी'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'कैथी'क महत्त्व की अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५३५. 'कैथी' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'कैथी' ककर संकेत करैत अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५३७. ‘कैथी’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘कैथी’ केँ कोना समझल जाय?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५३९. निम्नमे सँ ‘कैथी’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५४०. विद्यार्थी जँ ‘कैथी’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५४१. ‘पत्र-लेखन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५४२. जँ प्रश्न हो—‘पत्र-लेखन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५४३. ‘पत्र-लेखन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पत्र-लेखन’क महत्त्व की अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५४५. ‘पत्र-लेखन’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पत्र-लेखन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५४७. ‘पत्र-लेखन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पत्र-लेखन’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५४९. निम्नमे सँ ‘पत्र-लेखन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५५०. विद्यार्थी जँ ‘पत्र-लेखन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५५१. ‘मुद्रण’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५५२. जँ प्रश्न हो—‘मुद्रण’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५५३. 'मुद्रण'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'मुद्रण'क महत्त्व की अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५५५. 'मुद्रण' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'मुद्रण' ककर संकेत करैत अछि?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५५७. 'मुद्रण' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'मुद्रण' केँ कोना समझल जाय?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५५९. निम्नमे सँ 'मुद्रण'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५६०. विद्यार्थी जँ 'मुद्रण' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५६१. ‘टंकण’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५६२. जँ प्रश्न हो—‘टंकण’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५६३. ‘टंकण’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘टंकण’क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५६५. ‘टंकण’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘टंकण’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५६७. ‘टंकण’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘टंकण’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५६९. निम्नमे सँ 'टंकण'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५७०. विद्यार्थी जँ 'टंकण' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५७१. 'यूनिकोड' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५७२. जँ प्रश्न हो—'यूनिकोड'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५७३. 'यूनिकोड'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'यूनिकोड'क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५७५. 'यूनिकोड' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'यूनिकोड' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५७७. 'यूनिकोड' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'यूनिकोड' केँ कोना समझल जाय?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५७९. निम्नमे सँ 'यूनिकोड'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५८०. विद्यार्थी जँ 'यूनिकोड' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५८१. 'हस्तलिखित धरोहर' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५८२. जँ प्रश्न हो—'हस्तलिखित धरोहर'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५८३. 'हस्तलिखित धरोहर'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'हस्तलिखित धरोहर'क महत्त्व की अछि?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५८५. ‘हस्तलिखित धरोहर’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘हस्तलिखित धरोहर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५८७. ‘हस्तलिखित धरोहर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘हस्तलिखित धरोहर’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५८९. निम्नमे सँ ‘हस्तलिखित धरोहर’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५९०. विद्यार्थी जँ ‘हस्तलिखित धरोहर’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५९१. ‘अक्षर-शिक्षा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५९२. जँ प्रश्न हो—‘अक्षर-शिक्षा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५९३. ‘अक्षर-शिक्षा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘अक्षर-शिक्षा’क महत्त्व की अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५९५. ‘अक्षर-शिक्षा’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

५९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘अक्षर-शिक्षा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५९७. ‘अक्षर-शिक्षा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘अक्षर-शिक्षा’ केँ कोना समझल जाय?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५९९. निम्नमे सँ ‘अक्षर-शिक्षा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

६००. विद्यार्थी जँ ‘अक्षर-शिक्षा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

६०१. ‘मुद्रणालय’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६०२. जँ प्रश्न हो—‘मुद्रणालय’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६०३. ‘मुद्रणालय’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मुद्रणालय’क महत्त्व की अछि?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६०५. ‘मुद्रणालय’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मुद्रणालय’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६०७. ‘मुद्रणालय’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मुद्रणालय’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६०९. निम्नमे सँ 'मुद्रणालय'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६१०. विद्यार्थी जँ 'मुद्रणालय' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६११. 'पत्र-पत्रिका' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

६१२. जँ प्रश्न हो—'पत्र-पत्रिका'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६१३. 'पत्र-पत्रिका'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'पत्र-पत्रिका'क महत्त्व की अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६१५. 'पत्र-पत्रिका' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'पत्र-पत्रिका' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

६१७. ‘पत्र-पत्रिका’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पत्र-पत्रिका’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

६१९. निम्नमे सँ ‘पत्र-पत्रिका’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

६२०. विद्यार्थी जँ ‘पत्र-पत्रिका’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

६२१. ‘मैथिल हित साधन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६२२. जँ प्रश्न हो—‘मैथिल हित साधन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६२३. ‘मैथिल हित साधन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

६२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मैथिल हित साधन’क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६२५. ‘मैथिल हित साधन’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मैथिल हित साधन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६२७. ‘मैथिल हित साधन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मैथिल हित साधन’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६२९. निम्नमे सँ ‘मैथिल हित साधन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६३०. विद्यार्थी जँ ‘मैथिल हित साधन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६३१. ‘मिथिला मिहिर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६३२. जँ प्रश्न हो—‘मिथिला मिहिर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६३३. ‘मिथिला मिहिर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मिथिला मिहिर’क महत्त्व की अछि?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६३५. ‘मिथिला मिहिर’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मिथिला मिहिर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६३७. ‘मिथिला मिहिर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मिथिला मिहिर’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६३९. निम्नमे सँ ‘मिथिला मिहिर’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६४०. विद्यार्थी जँ ‘मिथिला मिहिर’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६४१. ‘मिथिला मोद’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६४२. जँ प्रश्न हो—‘मिथिला मोद’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

६४३. ‘मिथिला मोद’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मिथिला मोद’क महत्त्व की अछि?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६४५. ‘मिथिला मोद’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मिथिला मोद’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६४७. ‘मिथिला मोद’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

६४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मिथिला मोद’ केँ कोना समझल जाय?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६४९. निम्नमे सँ 'मिथिला मोद'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६५०. विद्यार्थी जँ 'मिथिला मोद' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६५१. 'साहित्यिक संस्था' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६५२. जँ प्रश्न हो—'साहित्यिक संस्था'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

६५३. 'साहित्यिक संस्था'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'साहित्यिक संस्था'क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६५५. 'साहित्यिक संस्था' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'साहित्यिक संस्था' ककर संकेत करैत अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६५७. ‘साहित्यिक संस्था’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘साहित्यिक संस्था’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६५९. निम्नमे सँ ‘साहित्यिक संस्था’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६६०. विद्यार्थी जँ ‘साहित्यिक संस्था’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६६१. ‘शब्दकोश’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६६२. जँ प्रश्न हो—‘शब्दकोश’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६६३. ‘शब्दकोश’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘शब्दकोश’क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६६५. ‘शब्दकोश’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘शब्दकोश’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६६७. ‘शब्दकोश’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘शब्दकोश’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६६९. निम्नमे सँ ‘शब्दकोश’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६७०. विद्यार्थी जँ ‘शब्दकोश’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६७१. ‘व्याकरण-रचना’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६७२. जँ प्रश्न हो—‘व्याकरण-रचना’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६७३. 'व्याकरण-रचना'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'व्याकरण-रचना'क महत्त्व की अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६७५. 'व्याकरण-रचना' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकैँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'व्याकरण-रचना' ककर संकेत करैत अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकैँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६७७. 'व्याकरण-रचना' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'व्याकरण-रचना' कैँ कोना समझल जाय?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकैँ संस्थागत आधार दैत अछि

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६७९. निम्नमे सँ 'व्याकरण-रचना'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकैँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

६८०. विद्यार्थी जँ 'व्याकरण-रचना' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६८१. ‘पाठ्यक्रम’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६८२. जँ प्रश्न हो—‘पाठ्यक्रम’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६८३. ‘पाठ्यक्रम’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पाठ्यक्रम’क महत्त्व की अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६८५. ‘पाठ्यक्रम’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पाठ्यक्रम’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६८७. ‘पाठ्यक्रम’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पाठ्यक्रम’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६८९. निम्नमे सँ 'पाठ्यक्रम'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६९०. विद्यार्थी जँ 'पाठ्यक्रम' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६९१. 'भाषा-आन्दोलन' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६९२. जँ प्रश्न हो—'भाषा-आन्दोलन'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६९३. 'भाषा-आन्दोलन'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'भाषा-आन्दोलन'क महत्त्व की अछि?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६९५. 'भाषा-आन्दोलन' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'भाषा-आन्दोलन' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६९७. ‘भाषा-आन्दोलन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘भाषा-आन्दोलन’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकैँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) संस्था सभ मैथिलीकैँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६९९. निम्नमे सँ ‘भाषा-आन्दोलन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

७००. विद्यार्थी जँ ‘भाषा-आन्दोलन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

७०१. ‘संस्कार गीत’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकैँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकैँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७०२. जँ प्रश्न हो—‘संस्कार गीत’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकैँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकैँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७०३. ‘संस्कार गीत’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकैँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकैँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘संस्कार गीत’क महत्त्व की अछि?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकैँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७०५. ‘संस्कार गीत’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘संस्कार गीत’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७०७. ‘संस्कार गीत’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘संस्कार गीत’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७०९. निम्नमे सँ ‘संस्कार गीत’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७१०. विद्यार्थी जँ ‘संस्कार गीत’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७११. ‘विवाह गीत’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७१२. जँ प्रश्न हो—‘विवाह गीत’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७१३. 'विवाह गीत'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'विवाह गीत'क महत्त्व की अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७१५. 'विवाह गीत' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'विवाह गीत' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७१७. 'विवाह गीत' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'विवाह गीत' केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७१९. निम्नमे सँ 'विवाह गीत'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७२०. विद्यार्थी जँ 'विवाह गीत' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७२१. ‘पर्व-गीत’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७२२. जँ प्रश्न हो—‘पर्व-गीत’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७२३. ‘पर्व-गीत’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पर्व-गीत’क महत्त्व की अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७२५. ‘पर्व-गीत’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पर्व-गीत’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७२७. ‘पर्व-गीत’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पर्व-गीत’ केँ कोना समझल जाय?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७२९. निम्नमे सँ 'पर्व-गीत'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७३०. विद्यार्थी जँ 'पर्व-गीत' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७३१. 'कथा-बात' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७३२. जँ प्रश्न हो—'कथा-बात'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७३३. 'कथा-बात'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'कथा-बात'क महत्त्व की अछि?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७३५. 'कथा-बात' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'कथा-बात' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७३७. ‘कथा-बात’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘कथा-बात’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७३९. निम्नमे सँ ‘कथा-बात’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७४०. विद्यार्थी जँ ‘कथा-बात’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७४१. ‘लोकनाट्य’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७४२. जँ प्रश्न हो—‘लोकनाट्य’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७४३. ‘लोकनाट्य’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘लोकनाट्य’क महत्त्व की अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७४५. ‘लोकनाट्य’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘लोकनाट्य’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७४७. ‘लोकनाट्य’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोकनाट्य’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७४९. निम्नमे सँ ‘लोकनाट्य’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७५०. विद्यार्थी जँ ‘लोकनाट्य’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७५१. ‘किसान-बोली’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७५२. जँ प्रश्न हो—‘किसान-बोली’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७५३. 'किसान-बोली'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'किसान-बोली'क महत्त्व की अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७५५. 'किसान-बोली' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'किसान-बोली' ककर संकेत करैत अछि?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७५७. 'किसान-बोली' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'किसान-बोली' केँ कोना समझल जाय?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७५९. निम्नमे सँ 'किसान-बोली'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७६०. विद्यार्थी जँ 'किसान-बोली' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७६१. 'स्त्री-स्वर' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७६२. जँ प्रश्न हो—'स्त्री-स्वर'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७६३. 'स्त्री-स्वर'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'स्त्री-स्वर'क महत्त्व की अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७६५. 'स्त्री-स्वर' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'स्त्री-स्वर' ककर संकेत करैत अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७६७. 'स्त्री-स्वर' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'स्त्री-स्वर' केँ कोना समझल जाय?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७६९. निम्नमे सँ 'स्त्री-स्वर'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७७०. विद्यार्थी जँ 'स्त्री-स्वर' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७७१. 'प्रवास' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७७२. जँ प्रश्न हो—'प्रवास'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७७३. 'प्रवास'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'प्रवास'क महत्त्व की अछि?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७७५. 'प्रवास' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'प्रवास' ककर संकेत करैत अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७७७. ‘प्रवास’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘प्रवास’ केँ कोना समझल जाय?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७७९. निम्नमे सँ ‘प्रवास’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७८०. विद्यार्थी जँ ‘प्रवास’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७८१. ‘शिक्षा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७८२. जँ प्रश्न हो—‘शिक्षा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७८३. ‘शिक्षा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘शिक्षा’क महत्त्व की अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७८५. 'शिक्षा' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'शिक्षा' ककर संकेत करैत अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७८७. 'शिक्षा' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'शिक्षा' कैँ कोना समझल जाय?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७८९. निम्नमे सँ 'शिक्षा'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७९०. विद्यार्थी जँ 'शिक्षा' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७९१. 'ग्राम्य-शहरी मिलन' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७९२. जँ प्रश्न हो—'ग्राम्य-शहरी मिलन'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७९३. 'ग्राम्य-शहरी मिलन'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'ग्राम्य-शहरी मिलन'क महत्त्व की अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७९५. 'ग्राम्य-शहरी मिलन' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'ग्राम्य-शहरी मिलन' ककर संकेत करैत अछि?

(A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७९७. 'ग्राम्य-शहरी मिलन' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'ग्राम्य-शहरी मिलन' केँ कोना समझल जाय?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७९९. निम्नमे सँ 'ग्राम्य-शहरी मिलन'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

८००. विद्यार्थी जँ 'ग्राम्य-शहरी मिलन' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

८०१. 'लेख्य मानक' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८०२. जँ प्रश्न हो—'लेख्य मानक'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८०३. 'लेख्य मानक'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'लेख्य मानक'क महत्त्व की अछि?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८०५. 'लेख्य मानक' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'लेख्य मानक' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८०७. 'लेख्य मानक' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'लेख्य मानक' केँ कोना समझल जाय?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८०९. निम्नमे सँ 'लेख्य मानक'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८१०. विद्यार्थी जँ 'लेख्य मानक' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८११. 'वर्तनी' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८१२. जँ प्रश्न हो—'वर्तनी'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८१३. 'वर्तनी'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'वर्तनी'क महत्त्व की अछि?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८१५. 'वर्तनी' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'वर्तनी' ककर संकेत करैत अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८१७. 'वर्तनी' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'वर्तनी' केँ कोना समझल जाय?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८१९. निम्नमे सँ 'वर्तनी'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८२०. विद्यार्थी जँ 'वर्तनी' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८२१. 'पाठ्यपुस्तक' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८२२. जँ प्रश्न हो—'पाठ्यपुस्तक'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८२३. 'पाठ्यपुस्तक'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'पाठ्यपुस्तक'क महत्त्व की अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८२५. 'पाठ्यपुस्तक' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'पाठ्यपुस्तक' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८२७. 'पाठ्यपुस्तक' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'पाठ्यपुस्तक' कैँ कोना समझल जाय?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८२९. निम्नमे सँ 'पाठ्यपुस्तक'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८३०. विद्यार्थी जँ 'पाठ्यपुस्तक' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८३१. 'विश्वविद्यालय' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८३२. जँ प्रश्न हो—'विश्वविद्यालय'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८३३. 'विश्वविद्यालय'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'विश्वविद्यालय'क महत्त्व की अछि?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८३५. 'विश्वविद्यालय' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'विश्वविद्यालय' ककर संकेत करैत अछि?

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८३७. 'विश्वविद्यालय' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'विश्वविद्यालय' केँ कोना समझल जाय?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८३९. निम्नमे सँ 'विश्वविद्यालय'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८४०. विद्यार्थी जँ 'विश्वविद्यालय' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८४१. 'साहित्य अकादेमी' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८४२. जँ प्रश्न हो—'साहित्य अकादेमी'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८४३. 'साहित्य अकादेमी'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'साहित्य अकादेमी'क महत्त्व की अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८४५. 'साहित्य अकादेमी' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'साहित्य अकादेमी' ककर संकेत करैत अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८४७. 'साहित्य अकादेमी' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'साहित्य अकादेमी' केँ कोना समझल जाय?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८४९. निम्नमे सँ 'साहित्य अकादेमी'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८५०. विद्यार्थी जँ 'साहित्य अकादेमी' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८५१. 'आठम अनुसूची' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८५२. जँ प्रश्न हो—'आठम अनुसूची'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८५३. 'आठम अनुसूची'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'आठम अनुसूची'क महत्त्व की अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८५५. 'आठम अनुसूची' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'आठम अनुसूची' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८५७. 'आठम अनुसूची' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'आठम अनुसूची' कैँ कोना समझल जाय?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८५९. निम्नमे सँ 'आठम अनुसूची'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८६०. विद्यार्थी जँ 'आठम अनुसूची' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८६१. 'रेडियो-मीडिया' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८६२. जँ प्रश्न हो—'रेडियो-मीडिया'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८६३. 'रेडियो-मीडिया'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'रेडियो-मीडिया'क महत्त्व की अछि?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकैँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकैँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकैँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८६५. 'रेडियो-मीडिया' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'रेडियो-मीडिया' ककर संकेत करैत अछि?

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकैँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) अनुवाद मैथिलीकैँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकैँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८६७. 'रेडियो-मीडिया' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'रेडियो-मीडिया' कैँ कोना समझल जाय?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८६९. निम्नमे सँ 'रेडियो-मीडिया'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८७०. विद्यार्थी जँ 'रेडियो-मीडिया' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८७१. 'अनुवाद' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अनुवाद मैथिलीकैँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकैँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकैँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८७२. जँ प्रश्न हो—'अनुवाद'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकैँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८७३. 'अनुवाद'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'अनुवाद'क महत्त्व की अछि?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८७५. 'अनुवाद' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'अनुवाद' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८७७. 'अनुवाद' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'अनुवाद' केँ कोना समझल जाय?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८७९. निम्नमे सँ 'अनुवाद'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८८०. विद्यार्थी जँ 'अनुवाद' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८८१. ‘शोध-संपादन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८८२. जँ प्रश्न हो—‘शोध-संपादन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८८३. ‘शोध-संपादन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘शोध-संपादन’क महत्त्व की अछि?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८८५. ‘शोध-संपादन’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘शोध-संपादन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८८७. ‘शोध-संपादन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘शोध-संपादन’ केँ कोना समझल जाय?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८८९. निम्नमे सँ 'शोध-संपादन'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८९०. विद्यार्थी जँ 'शोध-संपादन' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८९१. 'डिजिटल संग्रह' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८९२. जँ प्रश्न हो—'डिजिटल संग्रह'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८९३. 'डिजिटल संग्रह'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'डिजिटल संग्रह'क महत्त्व की अछि?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८९५. 'डिजिटल संग्रह' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'डिजिटल संग्रह' ककर संकेत करैत अछि?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८९७. 'डिजिटल संग्रह' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'डिजिटल संग्रह' केँ कोना समझल जाय?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८९९. निम्नमे सँ 'डिजिटल संग्रह'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

९००. विद्यार्थी जँ 'डिजिटल संग्रह' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

९०१. 'ई-पत्रिका' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९०२. जँ प्रश्न हो—'ई-पत्रिका'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९०३. 'ई-पत्रिका'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'ई-पत्रिका'क महत्त्व की अछि?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९०५. 'ई-पत्रिका' कैं मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'ई-पत्रिका' ककर संकेत करैत अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९०७. 'ई-पत्रिका' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'ई-पत्रिका' कैं कोना समझल जाय?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९०९. निम्नमे सँ 'ई-पत्रिका'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९१०. विद्यार्थी जँ 'ई-पत्रिका' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९११. 'ऑनलाइन पाठ' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९१२. जँ प्रश्न हो—'ऑनलाइन पाठ'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

९१३. ‘ऑनलाइन पाठ’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘ऑनलाइन पाठ’क महत्त्व की अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९१५. ‘ऑनलाइन पाठ’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘ऑनलाइन पाठ’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९१७. ‘ऑनलाइन पाठ’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘ऑनलाइन पाठ’ केँ कोना समझल जाय?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९१९. निम्नमे सँ ‘ऑनलाइन पाठ’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९२०. विद्यार्थी जँ ‘ऑनलाइन पाठ’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

९२१. 'कम्प्यूटर फॉन्ट' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९२२. जँ प्रश्न हो—'कम्प्यूटर फॉन्ट'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९२३. 'कम्प्यूटर फॉन्ट'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'कम्प्यूटर फॉन्ट'क महत्त्व की अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९२५. 'कम्प्यूटर फॉन्ट' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

९२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'कम्प्यूटर फॉन्ट' ककर संकेत करैत अछि?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९२७. 'कम्प्यूटर फॉन्ट' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'कम्प्यूटर फॉन्ट' केँ कोना समझल जाय?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९२९. निम्नमे सँ 'कम्प्यूटर फॉन्ट'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

९३०. विद्यार्थी जँ 'कम्प्यूटर फॉन्ट' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९३१. 'मोबाइल लेखन' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९३२. जँ प्रश्न हो—'मोबाइल लेखन'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९३३. 'मोबाइल लेखन'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'मोबाइल लेखन'क महत्त्व की अछि?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९३५. 'मोबाइल लेखन' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'मोबाइल लेखन' ककर संकेत करैत अछि?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९३७. ‘मोबाइल लेखन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मोबाइल लेखन’ केँ कोना समझल जाय?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९३९. निम्नमे सँ ‘मोबाइल लेखन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९४०. विद्यार्थी जँ ‘मोबाइल लेखन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९४१. ‘ऑडियो-दृश्य’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९४२. जँ प्रश्न हो—‘ऑडियो-दृश्य’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९४३. ‘ऑडियो-दृश्य’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘ऑडियो-दृश्य’क महत्त्व की अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९४५. ‘ऑडियो-दृश्य’ कैं मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘ऑडियो-दृश्य’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

९४७. ‘ऑडियो-दृश्य’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘ऑडियो-दृश्य’ कैं कोना समझल जाय?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९४९. निम्नमे सँ ‘ऑडियो-दृश्य’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९५०. विद्यार्थी जँ ‘ऑडियो-दृश्य’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९५१. ‘नवलेखन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९५२. जँ प्रश्न हो—‘नवलेखन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९५३. ‘नवलेखन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘नवलेखन’क महत्त्व की अछि?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९५५. ‘नवलेखन’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘नवलेखन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९५७. ‘नवलेखन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘नवलेखन’ केँ कोना समझल जाय?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९५९. निम्नमे सँ ‘नवलेखन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९६०. विद्यार्थी जँ ‘नवलेखन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९६१. ‘बाल-शिक्षा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९६२. जँ प्रश्न हो—‘बाल-शिक्षा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९६३. ‘बाल-शिक्षा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘बाल-शिक्षा’क महत्त्व की अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९६५. ‘बाल-शिक्षा’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘बाल-शिक्षा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९६७. ‘बाल-शिक्षा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘बाल-शिक्षा’ केँ कोना समझल जाय?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९६९. निम्नमे सँ 'बाल-शिक्षा'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९७०. विद्यार्थी जँ 'बाल-शिक्षा' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९७१. 'सामुदायिक अभियान' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९७२. जँ प्रश्न हो—'सामुदायिक अभियान'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९७३. 'सामुदायिक अभियान'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'सामुदायिक अभियान'क महत्त्व की अछि?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९७५. 'सामुदायिक अभियान' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'सामुदायिक अभियान' ककर संकेत करैत अछि?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९७७. ‘सामुदायिक अभियान’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘सामुदायिक अभियान’ केँ कोना समझल जाय?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९७९. निम्नमे सँ ‘सामुदायिक अभियान’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९८०. विद्यार्थी जँ ‘सामुदायिक अभियान’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९८१. ‘लोक अभिलेखन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९८२. जँ प्रश्न हो—‘लोक अभिलेखन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९८३. ‘लोक अभिलेखन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘लोक अभिलेखन’क महत्त्व की अछि?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९८५. ‘लोक अभिलेखन’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘लोक अभिलेखन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९८७. ‘लोक अभिलेखन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोक अभिलेखन’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९८९. निम्नमे सँ ‘लोक अभिलेखन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९९०. विद्यार्थी जँ ‘लोक अभिलेखन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९९१. ‘वैश्विक प्रवासी’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९९२. जँ प्रश्न हो—‘वैश्विक प्रवासी’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९९३. ‘वैश्विक प्रवासी’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘वैश्विक प्रवासी’क महत्त्व की अछि?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९९५. ‘वैश्विक प्रवासी’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘वैश्विक प्रवासी’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९९७. ‘वैश्विक प्रवासी’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘वैश्विक प्रवासी’ केँ कोना समझल जाय?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९९९. निम्नमे सँ ‘वैश्विक प्रवासी’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

१०००. विद्यार्थी जँ ‘वैश्विक प्रवासी’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

२. (B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

३. (A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

४. (C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

५. (C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

६. (A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

७. (A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

८. (A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

९. (B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

१०. (D) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

११. (A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१२. (C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१३. (D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१४. (D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१५. (C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१६. (D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१७. (B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१८. (B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१९. (A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

२०. (C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

२१. (B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२२. (A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२३. (D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२४. (A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२५. (B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२६. (B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२७. (B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२८. (D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२९. (A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

३०. (A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

३१. (C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३२. (A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३३. (C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३४. (A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३५. (D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३६. (B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३७. (D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३८. (C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३९. (B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

४०. (B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

४१. (B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४२. (A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४३. (A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४४. (A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४५. (A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४६. (D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४७. (A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४८. (B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४९. (D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

५०. (B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

५१. (B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५२. (D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५३. (B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५४. (B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५५. (B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५६. (D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५७. (A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५८. (B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५९. (A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

६०. (C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

६१. (A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६२. (A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६३. (A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६४. (B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६५. (A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६६. (C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६७. (B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६८. (C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६९. (B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

७०. (C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

७१. (D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७२. (D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७३. (B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७४. (A) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७५. (D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७६. (D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७७. (C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७८. (D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७९. (B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

८०. (C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

८१. (C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८२. (B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८३. (D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८४. (A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८५. (A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८६. (C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८७. (A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८८. (B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८९. (B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

९०. (D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

९१. (B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९२. (A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९३. (A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९४. (B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९५. (C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९६. (B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९७. (C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९८. (A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९९. (B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

१००. (D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

१०१. (B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०२. (D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०३. (A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०४. (B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०५. (D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०६. (B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०७. (D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०८. (A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०९. (D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

११०. (A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१११. (B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११२. (C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११३. (A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११४. (C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११५. (B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११६. (C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११७. (A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११८. (A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११९. (A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२०. (A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२१. (C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२२. (D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२३. (B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२४. (C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२५. (B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२६. (B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२७. (D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२८. (C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२९. (A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१३०. (C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१३१. (C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३२. (A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३३. (B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३४. (D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३५. (C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३६. (D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३७. (B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३८. (B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३९. (C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१४०. (C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१४१. (A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४२. (B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४३. (C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४४. (C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४५. (D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४६. (A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४७. (D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४८. (A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४९. (A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१५०. (B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१५१. (C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५२. (D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५३. (A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५४. (A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५५. (B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५६. (B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५७. (A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५८. (D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५९. (D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१६०. (B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१६१. (B) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६२. (D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६३. (A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६४. (A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६५. (A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६६. (C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६७. (A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६८. (C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६९. (D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१७०. (C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१७१. (C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७२. (A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७३. (A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७४. (D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७५. (C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७६. (C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७७. (B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७८. (C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७९. (A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१८०. (A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१८१. (D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८२. (A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८३. (A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८४. (B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८५. (B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८६. (B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८७. (D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८८. (D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८९. (D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१९०. (D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१९१. (C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९२. (B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९३. (D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९४. (A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९५. (B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९६. (D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९७. (B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९८. (A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९९. (B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

२००. (A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

२०१. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०२. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०३. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०४. (D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०५. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०६. (B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०७. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०८. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०९. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२१०. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२११. (A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१२. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१३. (A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१४. (A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१५. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१६. (C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१७. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१८. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१९. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२२०. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२२१. (D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२२. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२३. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२४. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२५. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२६. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२७. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२८. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२९. (B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२३०. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२३१. (B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३२. (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३३. (A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३४. (A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३५. (C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३६. (B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३७. (C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३८. (C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३९. (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२४०. (A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२४१. (A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४२. (D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४३. (C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४४. (B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४५. (A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४६. (B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४७. (C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४८. (C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४९. (C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२५०. (A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२५१. (B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५२. (D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५३. (D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५४. (D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५५. (B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५६. (B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५७. (B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५८. (C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५९. (B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२६०. (C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२६१. (C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६२. (C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६३. (C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६४. (B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६५. (D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६६. (B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६७. (B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६८. (D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६९. (A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२७०. (C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२७१. (C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७२. (D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७३. (C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७४. (A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७५. (A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७६. (B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७७. (C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७८. (B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७९. (B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२८०. (D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२८१. (B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८२. (A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८३. (D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८४. (C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८५. (B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८६. (A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८७. (B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८८. (A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८९. (D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२९०. (D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२९१. (B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९२. (C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९३. (C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९४. (C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९५. (D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९६. (D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९७. (D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९८. (A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९९. (A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

३००. (A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

३०१. (B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०२. (C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०३. (C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०४. (C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०५. (A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०६. (A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०७. (B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०८. (A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०९. (C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३१०. (D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३११. (D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१२. (C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१३. (C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१४. (B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१५. (D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१६. (C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१७. (B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१८. (D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१९. (C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३२०. (C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३२१. (B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२२. (C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२३. (C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२४. (B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२५. (A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२६. (C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२७. (C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२८. (D) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२९. (C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३३०. (B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३३१. (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३२. (D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३३. (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३४. (B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३५. (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३६. (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३७. (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३८. (B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३९. (D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३४०. (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३४१. (D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४२. (A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४३. (C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४४. (B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४५. (A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४६. (A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४७. (C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४८. (B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४९. (B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३५०. (B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३५१. (D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५२. (C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५३. (A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५४. (A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५५. (A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५६. (C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५७. (B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५८. (D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५९. (C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३६०. (A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३६१. (D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६२. (C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६३. (C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६४. (C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६५. (C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६६. (A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६७. (D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६८. (D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६९. (D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३७०. (B) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३७१. (B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७२. (C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७३. (A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७४. (D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७५. (A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७६. (B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७७. (B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७८. (C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७९. (B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३८०. (D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३८१. (D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८२. (A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८३. (C) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८४. (D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८५. (C) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८६. (D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८७. (A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८८. (A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८९. (D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३९०. (A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३९१. (C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९२. (A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९३. (C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९४. (C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९५. (A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९६. (A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९७. (B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९८. (C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९९. (D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

४००. (C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

४०१. (D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०२. (C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०३. (B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०४. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०५. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०६. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०७. (D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०८. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०९. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४१०. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४११. (C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१२. (D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१३. (B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१४. (B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१५. (A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१६. (B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१७. (D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१८. (C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१९. (A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४२०. (B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४२१. (C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२२. (C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२३. (B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२४. (B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२५. (B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२६. (D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२७. (B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२८. (A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२९. (D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४३०. (A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४३१. (B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३२. (D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३३. (C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३४. (B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३५. (B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३६. (B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३७. (D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३८. (D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३९. (B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४४०. (A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४४१. (D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४२. (B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४३. (D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४४. (A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४५. (C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४६. (B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४७. (A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४८. (C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४९. (B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४५०. (C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४५१. (B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५२. (A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५३. (C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५४. (B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५५. (C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५६. (C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५७. (D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५८. (C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५९. (C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४६०. (D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४६१. (C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६२. (D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६३. (B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६४. (C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६५. (A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६६. (B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६७. (C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६८. (A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६९. (B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४७०. (B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४७१. (D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७२. (A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७३. (B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७४. (B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७५. (D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७६. (D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७७. (C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७८. (A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७९. (D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४८०. (C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४८१. (C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८२. (C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८३. (A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८४. (A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८५. (A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८६. (B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८७. (B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८८. (B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८९. (B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४९०. (C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४९१. (A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९२. (D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९३. (A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९४. (C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९५. (C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९६. (C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९७. (D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९८. (B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९९. (B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

५००. (A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

५०१. (A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०२. (A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०३. (A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०४. (D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०५. (A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०६. (D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०७. (C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०८. (C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०९. (A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५१०. (D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५११. (D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१२. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१३. (A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१४. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१५. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१६. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१७. (D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१८. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१९. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५२०. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५२१. (D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२२. (A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२३. (A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२४. (B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२५. (B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२६. (D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२७. (B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२८. (A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२९. (B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५३०. (B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५३१. (D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३२. (D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३३. (B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३४. (A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३५. (D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३६. (C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३७. (B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३८. (B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३९. (B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५४०. (C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५४१. (A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४२. (A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४३. (A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४४. (D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४५. (B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४६. (D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४७. (D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४८. (D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४९. (B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५५०. (A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५५१. (A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५२. (B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५३. (C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५४. (A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५५. (C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५६. (B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५७. (B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५८. (D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५९. (B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५६०. (B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५६१. (C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६२. (D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६३. (C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६४. (B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६५. (D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६६. (B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६७. (A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६८. (B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६९. (D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५७०. (D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५७१. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७२. (C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७३. (A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७४. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७५. (D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७६. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७७. (A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७८. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७९. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५८०. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५८१. (D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८२. (D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८३. (B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८४. (D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८५. (C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८६. (D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८७. (B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८८. (B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८९. (A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५९०. (C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५९१. (C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९२. (C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९३. (B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९४. (C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९५. (B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९६. (C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९७. (B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९८. (D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९९. (C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

६००. (D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

६०१. (A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०२. (D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०३. (C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०४. (C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०५. (C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०६. (A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०७. (A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०८. (D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०९. (B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६१०. (C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६११. (D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१२. (C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१३. (A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१४. (B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१५. (B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१६. (D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१७. (C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१८. (D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१९. (D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६२०. (D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६२१. (D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२२. (D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२३. (B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२४. (B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२५. (C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२६. (D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२७. (C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२८. (D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२९. (A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६३०. (D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६३१. (A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३२. (B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३३. (C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३४. (C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३५. (C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३६. (B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३७. (B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३८. (C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३९. (D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६४०. (C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६४१. (A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४२. (D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४३. (A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४४. (C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४५. (C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४६. (C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४७. (D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४८. (B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४९. (A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६५०. (C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६५१. (D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५२. (B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५३. (A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५४. (B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५५. (D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५६. (A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५७. (C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५८. (C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५९. (B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६६०. (D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६६१. (A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६२. (D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६३. (B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६४. (B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६५. (D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६६. (C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६७. (D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६८. (D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६९. (B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६७०. (C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६७१. (D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७२. (C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७३. (D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७४. (D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७५. (C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७६. (C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७७. (B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७८. (D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७९. (C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६८०. (D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६८१. (D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८२. (A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८३. (B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८४. (D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८५. (D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८६. (A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८७. (B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८८. (B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८९. (D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६९०. (B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६९१. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९२. (A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९३. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९४. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९५. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९६. (B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९७. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९८. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९९. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

७००. (B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

७०१. (D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०२. (A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०३. (D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०४. (B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०५. (A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०६. (B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०७. (A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०८. (C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०९. (C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७१०. (A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७११. (B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१२. (B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१३. (B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१४. (A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१५. (B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१६. (D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१७. (A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१८. (D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१९. (B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७२०. (C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७२१. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२२. (A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२३. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२४. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२५. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२६. (B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२७. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२८. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२९. (D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७३०. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७३१. (C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३२. (B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३३. (A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३४. (D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३५. (D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३६. (D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३७. (D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३८. (C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३९. (B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७४०. (A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७४१. (A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४२. (B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४३. (D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४४. (C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४५. (B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४६. (C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४७. (B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४८. (C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४९. (B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७५०. (D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७५१. (B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५२. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५३. (C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५४. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५५. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५६. (B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५७. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५८. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५९. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७६०. (C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७६१. (A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६२. (A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६३. (B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६४. (D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६५. (D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६६. (C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६७. (B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६८. (D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६९. (C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७७०. (D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७७१. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७२. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७३. (C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७४. (B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७५. (D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७६. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७७. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७८. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७९. (D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७८०. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७८१. (A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८२. (A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८३. (B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८४. (C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८५. (A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८६. (C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८७. (A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८८. (B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८९. (C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७९०. (A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७९१. (A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९२. (A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९३. (A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९४. (C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९५. (B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९६. (B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९७. (A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९८. (B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९९. (A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

८००. (B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

८०१. (D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०२. (C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०३. (A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०४. (C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०५. (D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०६. (B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०७. (D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०८. (C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०९. (A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८१०. (A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८११. (D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१२. (D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१३. (B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१४. (C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१५. (D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१६. (B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१७. (B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१८. (C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१९. (D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८२०. (A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८२१. (C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२२. (B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२३. (A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२४. (A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२५. (B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२६. (A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२७. (B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२८. (A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२९. (A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८३०. (C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८३१. (C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३२. (D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३३. (A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३४. (B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३५. (B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३६. (A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३७. (C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३८. (D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३९. (B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८४०. (C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८४१. (B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४२. (D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४३. (C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४४. (B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४५. (A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४६. (B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४७. (B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४८. (B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४९. (A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८५०. (A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८५१. (A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५२. (B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५३. (B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५४. (A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५५. (C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५६. (B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५७. (B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५८. (A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५९. (C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८६०. (D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८६१. (C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६२. (C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६३. (A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६४. (A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६५. (A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६६. (B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६७. (C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६८. (D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६९. (D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८७०. (A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८७१. (A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७२. (B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७३. (B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७४. (A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७५. (C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७६. (D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७७. (C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७८. (D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७९. (B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८८०. (C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८८१. (D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८२. (D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८३. (A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८४. (C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८५. (A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८६. (A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८७. (C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८८. (C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८९. (A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८९०. (C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८९१. (D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९२. (B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९३. (D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९४. (C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९५. (A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९६. (D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९७. (B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९८. (D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९९. (A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

९००. (D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

९०१. (D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०२. (C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०३. (B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०४. (C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०५. (A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०६. (C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०७. (B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०८. (D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०९. (B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९१०. (C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९११. (C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१२. (C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१३. (D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१४. (A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१५. (A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१६. (B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१७. (A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१८. (B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१९. (B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९२०. (B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९२१. (C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२२. (C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२३. (C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२४. (A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२५. (B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२६. (D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२७. (B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२८. (D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२९. (B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९३०. (D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९३१. (A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३२. (B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३३. (D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३४. (C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३५. (B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३६. (D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३७. (C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३८. (C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३९. (C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९४०. (A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९४१. (C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४२. (B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४३. (B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४४. (C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४५. (B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४६. (D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४७. (C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४८. (A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४९. (A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९५०. (B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९५१. (C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५२. (C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५३. (A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५४. (B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५५. (D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५६. (D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५७. (B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५८. (C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५९. (B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९६०. (B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९६१. (B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६२. (A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६३. (B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६४. (C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६५. (C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६६. (A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६७. (B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६८. (D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६९. (B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९७०. (B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९७१. (B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७२. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७३. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७४. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७५. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७६. (A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७७. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७८. (B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७९. (A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९८०. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९८१. (D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८२. (C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८३. (C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८४. (D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८५. (A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८६. (A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८७. (B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८८. (B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८९. (A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९९०. (D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९९१. (B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९२. (C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९३. (D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९४. (C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९५. (A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९६. (A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९७. (D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९८. (D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९९. (D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

१०००. (C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

अध्याय २ : विदेह क्विज — मैथिली भाषामे अनुसंधानक रुझान आ समकालीन लेखन

अनुसंधानक आधार आ पद्धति

१. “शोध-समस्याक निर्धारण” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

२. “शोध-समस्याक निर्धारण” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

३. “शोध-समस्याक निर्धारण”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

४. “शोध-समस्याक निर्धारण” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

५. समकालीन मैथिली लेखनमे “शोध-समस्याक निर्धारण”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

६. “विषय-सीमांकन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

७. “विषय-सीमांकन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

८. “विषय-सीमांकन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

९. “विषय-सीमांकन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

१०. समकालीन मैथिली लेखनमे “विषय-सीमांकन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

११. “स्रोत-संग्रह” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

१२. “स्रोत-संग्रह” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

१३. “स्रोत-संग्रह”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

१४. “स्रोत-संग्रह” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

१५. समकालीन मैथिली लेखनमे “स्रोत-संग्रह”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

१६. “प्राथमिक सामग्री” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

१७. “प्राथमिक सामग्री” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

१८. “प्राथमिक सामग्री”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

१९. “प्राथमिक सामग्री” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

२०. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्राथमिक सामग्री”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

२१. “द्वितीयक सामग्री” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

२२. “द्वितीयक सामग्री” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

२३. “द्वितीयक सामग्री”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

२४. “द्वितीयक सामग्री” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

२५. समकालीन मैथिली लेखनमे “द्वितीयक सामग्री”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) शोध कैँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

२६. “सन्दर्भ-सूची” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

२७. “सन्दर्भ-सूची” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

२८. “सन्दर्भ-सूची”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

२९. “सन्दर्भ-सूची” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

३०. समकालीन मैथिली लेखनमे “सन्दर्भ-सूची”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) शोध कैँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

३१. “उद्धरण-प्रणाली” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

३२. “उद्धरण-प्रणाली” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

३३. “उद्धरण-प्रणाली”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

३४. “उद्धरण-प्रणाली” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

३५. समकालीन मैथिली लेखनमे “उद्धरण-प्रणाली”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

३६. “तथ्य-जाँच” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

३७. “तथ्य-जाँच” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

३८. “तथ्य-जाँच”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

३९. “तथ्य-जाँच” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

४०. समकालीन मैथिली लेखनमे “तथ्य-जाँच”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

४१. “परिकल्पना” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

४२. “परिकल्पना” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

४३. “परिकल्पना”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

४४. “परिकल्पना” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

४५. समकालीन मैथिली लेखनमे “परिकल्पना”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

४६. “अध्याय-योजना” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

४७. “अध्याय-योजना” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

४८. “अध्याय-योजना”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

४९. “अध्याय-योजना” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

५०. समकालीन मैथिली लेखनमे “अध्याय-योजना”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

५१. “पाठ-विश्लेषण” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

५२. “पाठ-विश्लेषण” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

५३. “पाठ-विश्लेषण”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

५४. “पाठ-विश्लेषण” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

५५. समकालीन मैथिली लेखनमे “पाठ-विश्लेषण”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

५६. “क्षेत्र-अध्ययन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

५७. “क्षेत्र-अध्ययन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

५८. “क्षेत्र-अध्ययन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

५९. “क्षेत्र-अध्ययन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

६०. समकालीन मैथिली लेखनमे “क्षेत्र-अध्ययन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

६१. “साक्षात्कार” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

६२. “साक्षात्कार” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

६३. “साक्षात्कार”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

६४. “साक्षात्कार” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

६५. समकालीन मैथिली लेखनमे “साक्षात्कार”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) शोध कैँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

६६. “प्रश्नावली” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

६७. “प्रश्नावली” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६८. “प्रश्नावली”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

६९. “प्रश्नावली” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

७०. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्रश्नावली”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) शोध कैँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

७१. “तुलनात्मक पद्धति” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

७२. “तुलनात्मक पद्धति” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

७३. “तुलनात्मक पद्धति”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

७४. “तुलनात्मक पद्धति” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

७५. समकालीन मैथिली लेखनमे “तुलनात्मक पद्धति”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

७६. “ऐतिहासिक पद्धति” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

७७. “ऐतिहासिक पद्धति” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

७८. “ऐतिहासिक पद्धति”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

७९. “ऐतिहासिक पद्धति” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

८०. समकालीन मैथिली लेखनमे “ऐतिहासिक पद्धति”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

८१. “समाजभाषिक पद्धति” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

८२. “समाजभाषिक पद्धति” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

८३. “समाजभाषिक पद्धति”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

८४. “समाजभाषिक पद्धति” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

८५. समकालीन मैथिली लेखनमे “समाजभाषिक पद्धति”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

८६. “अन्तर्विषयी दृष्टि” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

८७. “अन्तर्विषयी दृष्टि” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

८८. “अन्तर्विषयी दृष्टि”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

८९. “अन्तर्विषयी दृष्टि” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

९०. समकालीन मैथिली लेखनमे “अन्तर्विषयी दृष्टि”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

९१. “निष्कर्ष-निर्माण” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

९२. “निष्कर्ष-निर्माण” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

९३. “निष्कर्ष-निर्माण”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

९४. “निष्कर्ष-निर्माण” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

९५. समकालीन मैथिली लेखनमे “निष्कर्ष-निर्माण”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

९६. “शोध-नीति” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

९७. “शोध-नीति” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

९८. “शोध-नीति”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब

९९. “शोध-नीति” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

१००. समकालीन मैथिली लेखनमे “शोध-नीति”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

पाठालोचन, पाण्डुलिपि आ अभिलेखन

१०१. “पाण्डुलिपि-पहिचान” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

१०२. “पाण्डुलिपि-पहिचान” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

१०३. “पाण्डुलिपि-पहिचान”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

१०४. “पाण्डुलिपि-पहिचान” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपठित शब्दक अनुमान केँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

१०५. समकालीन मैथिली लेखनमे “पाण्डुलिपि-पहिचान”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

१०६. “पाठ-भेद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

१०७. “पाठ-भेद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

१०८. “पाठ-भेद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

१०९. “पाठ-भेद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

११०. समकालीन मैथिली लेखनमे “पाठ-भेद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

१११. “सम्पादनक सिद्धान्त” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

११२. “सम्पादनक सिद्धान्त” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

११३. “सम्पादनक सिद्धान्त”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

११४. “सम्पादनक सिद्धान्त” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) अपठित शब्दक अनुमान केँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

११५. समकालीन मैथिली लेखनमे “सम्पादनक सिद्धान्त”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार केँ सुरक्षित करब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

११६. “प्रामाणिक पाठ” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

११७. “प्रामाणिक पाठ” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

११८. “प्रामाणिक पाठ”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

११९. “प्रामाणिक पाठ” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपठित शब्दक अनुमान केँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

१२०. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्रामाणिक पाठ”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार केँ सुरक्षित करब

१२१. “तिरहुता-पोथी” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

१२२. “तिरहुता-पोथी” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

१२३. “तिरहुता-पोथी”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

१२४. “तिरहुता-पोथी” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

१२५. समकालीन मैथिली लेखनमे “तिरहुता-पोथी”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

१२६. “देवनागरी संस्करण” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

१२७. “देवनागरी संस्करण” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

१२८. “देवनागरी संस्करण”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(D) बिना तुलना निर्णय देब

१२९. “देवनागरी संस्करण” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

१३०. समकालीन मैथिली लेखनमे “देवनागरी संस्करण”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

१३१. “लेखक-नामक भिन्नता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

१३२. “लेखक-नामक भिन्नता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

१३३. “लेखक-नामक भिन्नता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

१३४. “लेखक-नामक भिन्नता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

१३५. समकालीन मैथिली लेखनमे “लेखक-नामक भिन्नता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

१३६. “तिथि-निर्धारण” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

१३७. “तिथि-निर्धारण” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

१३८. “तिथि-निर्धारण”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

१३९. “तिथि-निर्धारण” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

१४०. समकालीन मैथिली लेखनमे “तिथि-निर्धारण”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

१४१. “भाषिक स्तर” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

१४२. “भाषिक स्तर” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

१४३. “भाषिक स्तर”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

१४४. “भाषिक स्तर” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

१४५. समकालीन मैथिली लेखनमे “भाषिक स्तर”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

१४६. “लिप्यन्तरणक सावधानी” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

१४७. “लिप्यन्तरणक सावधानी” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

१४८. “लिप्यन्तरणक सावधानी”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

१४९. “लिप्यन्तरणक सावधानी” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

१५०. समकालीन मैथिली लेखनमे “लिप्यन्तरणक सावधानी”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

१५१. “टिप्पणी-लेखन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

१५२. “टिप्पणी-लेखन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

१५३. “टिप्पणी-लेखन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

१५४. “टिप्पणी-लेखन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

१५५. समकालीन मैथिली लेखनमे “टिप्पणी-लेखन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

१५६. “पाठ-समीक्षा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

१५७. “पाठ-समीक्षा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

१५८. “पाठ-समीक्षा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

१५९. “पाठ-समीक्षा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

१६०. समकालीन मैथिली लेखनमे “पाठ-समीक्षा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

१६१. “अभिलेखीय संरक्षण” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

१६२. “अभिलेखीय संरक्षण” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

१६३. “अभिलेखीय संरक्षण”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

१६४. “अभिलेखीय संरक्षण” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) अपठित शब्दक अनुमान केँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

१६५. समकालीन मैथिली लेखनमे “अभिलेखीय संरक्षण”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार केँ सुरक्षित करब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

१६६. “डिजिटल प्रति” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

१६७. “डिजिटल प्रति” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

१६८. “डिजिटल प्रति”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(D) बिना तुलना निर्णय देब

१६९. “डिजिटल प्रति” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

१७०. समकालीन मैथिली लेखनमे “डिजिटल प्रति”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

१७१. “पुरान पत्रिका” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

१७२. “पुरान पत्रिका” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

१७३. “पुरान पत्रिका”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

१७४. “पुरान पत्रिका” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

१७५. समकालीन मैथिली लेखनमे “पुरान पत्रिका”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

१७६. “मुद्रित संस्करण” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

१७७. “मुद्रित संस्करण” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

१७८. “मुद्रित संस्करण”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

१७९. “मुद्रित संस्करण” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

१८०. समकालीन मैथिली लेखनमे “मुद्रित संस्करण”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

१८१. “मौखिक पाठ” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

१८२. “मौखिक पाठ” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

१८३. “मौखिक पाठ”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

१८४. “मौखिक पाठ” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

१८५. समकालीन मैथिली लेखनमे “मौखिक पाठ”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

१८६. “कथ्य-परिवर्तन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

१८७. “कथ्य-परिवर्तन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

१८८. “कथ्य-परिवर्तन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

१८९. “कथ्य-परिवर्तन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

१९०. समकालीन मैथिली लेखनमे “कथ्य-परिवर्तन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

१९१. “संग्रहालयीय सामग्री” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

१९२. “संग्रहालयीय सामग्री” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

१९३. “संग्रहालयीय सामग्री”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

१९४. “संग्रहालयीय सामग्री” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

१९५. समकालीन मैथिली लेखनमे “संग्रहालयीय सामग्री”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

१९६. “पुनर्पाठ” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

१९७. “पुनर्पाठ” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

१९८. “पुनर्पाठ”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ

१९९. “पुनर्पाठ” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

२००. समकालीन मैथिली लेखनमे “पुनर्पाठ”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब

लोकसाहित्य आ क्षेत्रीय अध्ययन

२०१. “लोकगीत-संग्रह” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

२०२. “लोकगीत-संग्रह” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

२०३. “लोकगीत-संग्रह”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

२०४. “लोकगीत-संग्रह” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

२०५. समकालीन मैथिली लेखनमे “लोकगीत-संग्रह”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

२०६. “संस्कार-गीत” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

२०७. “संस्कार-गीत” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

२०८. “संस्कार-गीत”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

२०९. “संस्कार-गीत” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

२१०. समकालीन मैथिली लेखनमे “संस्कार-गीत”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

२११. “पर्व-गीत” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

२१२. “पर्व-गीत” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

२१३. “पर्व-गीत”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

२१४. “पर्व-गीत” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

२१५. समकालीन मैथिली लेखनमे “पर्व-गीत”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

२१६. “श्रमगीत” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

२१७. “श्रमगीत” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

२१८. “श्रमगीत”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

२१९. “श्रमगीत” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

२२०. समकालीन मैथिली लेखनमे “श्रमगीत”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

२२१. “लोकगाथा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

२२२. “लोकगाथा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

२२३. “लोकगाथा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

२२४. “लोकगाथा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

२२५. समकालीन मैथिली लेखनमे “लोकगाथा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) गामक सामूहिक स्मृति कैँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

२२६. “लोककथा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

२२७. “लोककथा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

२२८. “लोककथा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(D) बिना तुलना निर्णय देब

२२९. “लोककथा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

२३०. समकालीन मैथिली लेखनमे “लोककथा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) गामक सामूहिक स्मृति कैँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

२३१. “लोकोक्ति” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

२३२. “लोकोक्ति” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

२३३. “लोकोक्ति”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

२३४. “लोकोक्ति” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

२३५. समकालीन मैथिली लेखनमे “लोकोक्ति”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

२३६. “पहेली” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

२३७. “पहेली” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

२३८. “पहेली”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

२३९. “पहेली” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

२४०. समकालीन मैथिली लेखनमे “पहेली”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

२४१. “लोकनाट्य” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

२४२. “लोकनाट्य” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

२४३. “लोकनाट्य”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(D) बिना तुलना निर्णय देब

२४४. “लोकनाट्य” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

२४५. समकालीन मैथिली लेखनमे “लोकनाट्य”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

२४६. “नाच-पार्टी” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

२४७. “नाच-पार्टी” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

२४८. “नाच-पार्टी”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

२४९. “नाच-पार्टी” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

२५०. समकालीन मैथिली लेखनमे “नाच-पार्टी”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

२५१. “कीर्तनिया परम्परा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

२५२. “कीर्तनिया परम्परा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

२५३. “कीर्तनिया परम्परा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

२५४. “कीर्तनिया परम्परा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

२५५. समकालीन मैथिली लेखनमे “कीर्तनिया परम्परा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

२५६. “गामक कथावाचक” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

२५७. “गामक कथावाचक” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

२५८. “गामक कथावाचक”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

२५९. “गामक कथावाचक” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

२६०. समकालीन मैथिली लेखनमे “गामक कथावाचक”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

२६१. “स्त्री-लोकस्वर” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

२६२. “स्त्री-लोकस्वर” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

२६३. “स्त्री-लोकस्वर”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

२६४. “स्त्री-लोकस्वर” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

२६५. समकालीन मैथिली लेखनमे “स्त्री-लोकस्वर”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) गामक सामूहिक स्मृति कैँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

२६६. “किसानी-संस्कृति” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

२६७. “किसानी-संस्कृति” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

२६८. “किसानी-संस्कृति”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

२६९. “किसानी-संस्कृति” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

२७०. समकालीन मैथिली लेखनमे “किसानी-संस्कृति”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) गामक सामूहिक स्मृति कैँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

२७१. “जल-धरतीक बिम्ब” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

२७२. “जल-धरतीक बिम्ब” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

२७३. “जल-धरतीक बिम्ब”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

२७४. “जल-धरतीक बिम्ब” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

२७५. समकालीन मैथिली लेखनमे “जल-धरतीक बिम्ब”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

२७६. “देव-स्थानक कथा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

२७७. “देव-स्थानक कथा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

२७८. “देव-स्थानक कथा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

२७९. “देव-स्थानक कथा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

२८०. समकालीन मैथिली लेखनमे “देव-स्थानक कथा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

२८१. “मौखिक इतिहास” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

२८२. “मौखिक इतिहास” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

२८३. “मौखिक इतिहास”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

२८४. “मौखिक इतिहास” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

२८५. समकालीन मैथिली लेखनमे “मौखिक इतिहास”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

२८६. “लोकवाद्य” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

२८७. “लोकवाद्य” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

२८८. “लोकवाद्य”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

२८९. “लोकवाद्य” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

२९०. समकालीन मैथिली लेखनमे “लोकवाद्य”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

२९१. “ग्राम्य बोली” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

२९२. “ग्राम्य बोली” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

२९३. “ग्राम्य बोली”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

२९४. “ग्राम्य बोली” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

२९५. समकालीन मैथिली लेखनमे “ग्राम्य बोली”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

२९६. “क्षेत्रीय स्मृति” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव

२९७. “क्षेत्रीय स्मृति” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख

२९८. “क्षेत्रीय स्मृति”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा

२९९. “क्षेत्रीय स्मृति” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब

३००. समकालीन मैथिली लेखनमे “क्षेत्रीय स्मृति”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

भाषाविज्ञान, बोली आ शब्दकोश

३०१. “ध्वनि-परिवर्तन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

३०२. “ध्वनि-परिवर्तन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

३०३. “ध्वनि-परिवर्तन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

३०४. “ध्वनि-परिवर्तन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

३०५. समकालीन मैथिली लेखनमे “ध्वनि-परिवर्तन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

३०६. “रूप-विज्ञान” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

३०७. “रूप-विज्ञान” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

३०८. “रूप-विज्ञान”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

३०९. “रूप-विज्ञान” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

३१०. समकालीन मैथिली लेखनमे “रूप-विज्ञान”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

३११. “वाक्य-विन्यास” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

३१२. “वाक्य-विन्यास” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

३१३. “वाक्य-विन्यास”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

३१४. “वाक्य-विन्यास” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

३१५. समकालीन मैथिली लेखनमे “वाक्य-विन्यास”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

३१६. “शब्दक उद्भव” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

३१७. “शब्दक उद्भव” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

३१८. “शब्दक उद्भव”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

३१९. “शब्दक उद्भव” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

३२०. समकालीन मैथिली लेखनमे “शब्दक उद्भव”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

३२१. “तत्सम-तद्भव” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

३२२. “तत्सम-तद्भव” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

३२३. “तत्सम-तद्भव”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

३२४. “तत्सम-तद्भव” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

३२५. समकालीन मैथिली लेखनमे “तत्सम-तद्भव”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

३२६. “देशज शब्द” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

३२७. “देशज शब्द” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

३२८. “देशज शब्द”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

३२९. “देशज शब्द” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

३३०. समकालीन मैथिली लेखनमे “देशज शब्द”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

३३१. “बोली-भिन्नता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

३३२. “बोली-भिन्नता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

३३३. “बोली-भिन्नता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

३३४. “बोली-भिन्नता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

३३५. समकालीन मैथिली लेखनमे “बोली-भिन्नता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

३३६. “मानक भाषा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

३३७. “मानक भाषा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

३३८. “मानक भाषा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

३३९. “मानक भाषा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

३४०. समकालीन मैथिली लेखनमे “मानक भाषा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

३४१. “नेपाल-तराईक मैथिली” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

३४२. “नेपाल-तराईक मैथिली” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

३४३. “नेपाल-तराईक मैथिली”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

३४४. “नेपाल-तराईक मैथिली” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

३४५. समकालीन मैथिली लेखनमे “नेपाल-तराईक मैथिली”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

३४६. “बज्जिका-सम्बन्ध” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

३४७. “बज्जिका-सम्बन्ध” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

३४८. “बज्जिका-सम्बन्ध”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

३४९. “बज्जिका-सम्बन्ध” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

३५०. समकालीन मैथिली लेखनमे “बज्जिका-सम्बन्ध”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

३५१. “अंगिका-सम्बन्ध” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

३५२. “अंगिका-सम्बन्ध” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

३५३. “अंगिका-सम्बन्ध”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

३५४. “अंगिका-सम्बन्ध” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

३५५. समकालीन मैथिली लेखनमे “अंगिका-सम्बन्ध”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

३५६. “ठेठी प्रयोग” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

३५७. “ठेठी प्रयोग” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

३५८. “ठेठी प्रयोग”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

३५९. “ठेठी प्रयोग” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(B) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

३६०. समकालीन मैथिली लेखनमे “ठेठी प्रयोग”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

३६१. “शब्दकोश-निर्माण” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

३६२. “शब्दकोश-निर्माण” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

३६३. “शब्दकोश-निर्माण”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

३६४. “शब्दकोश-निर्माण” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

३६५. समकालीन मैथिली लेखनमे “शब्दकोश-निर्माण”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

३६६. “पारिभाषिक शब्द” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

३६७. “पारिभाषिक शब्द” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

३६८. “पारिभाषिक शब्द”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

३६९. “पारिभाषिक शब्द” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

३७०. समकालीन मैथिली लेखनमे “पारिभाषिक शब्द”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

३७१. “उच्चारण-भेद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

३७२. “उच्चारण-भेद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

३७३. “उच्चारण-भेद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

३७४. “उच्चारण-भेद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

३७५. समकालीन मैथिली लेखनमे “उच्चारण-भेद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

३७६. “लिपि-प्रयोग” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

३७७. “लिपि-प्रयोग” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

३७८. “लिपि-प्रयोग”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

३७९. “लिपि-प्रयोग” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(B) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

३८०. समकालीन मैथिली लेखनमे “लिपि-प्रयोग”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

३८१. “भाषा-नीति” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

३८२. “भाषा-नीति” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

३८३. “भाषा-नीति”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

३८४. “भाषा-नीति” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(B) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

३८५. समकालीन मैथिली लेखनमे “भाषा-नीति”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

३८६. “शिक्षा-भाषा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

३८७. “शिक्षा-भाषा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

३८८. “शिक्षा-भाषा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

३८९. “शिक्षा-भाषा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) कोनो बोली कैँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

३९०. समकालीन मैथिली लेखनमे “शिक्षा-भाषा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) मैथिलीक विविध रूप कैँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

३९१. “मीडिया-भाषा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

३९२. “मीडिया-भाषा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

३९३. “मीडिया-भाषा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

३९४. “मीडिया-भाषा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

३९५. समकालीन मैथिली लेखनमे “मीडिया-भाषा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

३९६. “समाजभाषा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

३९७. “समाजभाषा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

३९८. “समाजभाषा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

३९९. “समाजभाषा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

४००. समकालीन मैथिली लेखनमे “समाजभाषा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

हाशिया, स्त्री-दृष्टि आ समाजिक न्याय

४०१. “स्त्री-कविता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

४०२. “स्त्री-कविता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

४०३. “स्त्री-कविता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

४०४. “स्त्री-कविता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

४०५. समकालीन मैथिली लेखनमे “स्त्री-कविता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

४०६. “स्त्री-कथा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

४०७. “स्त्री-कथा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

४०८. “स्त्री-कथा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

४०९. “स्त्री-कथा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

४१०. समकालीन मैथिली लेखनमे “स्त्री-कथा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

४११. “गृहस्थ जीवन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

४१२. “गृहस्थ जीवन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

४१३. “गृहस्थ जीवन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

४१४. “गृहस्थ जीवन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

४१५. समकालीन मैथिली लेखनमे “गृहस्थ जीवन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

४१६. “श्रमजीवी पात्र” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

४१७. “श्रमजीवी पात्र” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

४१८. “श्रमजीवी पात्र”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

४१९. “श्रमजीवी पात्र” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

४२०. समकालीन मैथिली लेखनमे “श्रमजीवी पात्र”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

४२१. “दलित अनुभव” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

४२२. “दलित अनुभव” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

४२३. “दलित अनुभव”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

४२४. “दलित अनुभव” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

४२५. समकालीन मैथिली लेखनमे “दलित अनुभव”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

४२६. “पिछड़ल समाज” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

४२७. “पिछड़ल समाज” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

४२८. “पिछड़ल समाज”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

४२९. “पिछड़ल समाज” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

४३०. समकालीन मैथिली लेखनमे “पिछड़ल समाज”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

४३१. “जाति-व्यवस्था” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

४३२. “जाति-व्यवस्था” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

४३३. “जाति-व्यवस्था”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

४३४. “जाति-व्यवस्था” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

४३५. समकालीन मैथिली लेखनमे “जाति-व्यवस्था”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

४३६. “वर्ग-विसमता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

४३७. “वर्ग-विसमता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

४३८. “वर्ग-विसमता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

४३९. “वर्ग-विसमता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

४४०. समकालीन मैथिली लेखनमे “वर्ग-विसमता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

४४१. “देह आ गरिमा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

४४२. “देह आ गरिमा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

४४३. “देह आ गरिमा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

४४४. “देह आ गरिमा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

४४५. समकालीन मैथिली लेखनमे “देह आ गरिमा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

४४६. “शिक्षा-कामना” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

४४७. “शिक्षा-कामना” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

४४८. “शिक्षा-कामना”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

४४९. “शिक्षा-कामना” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

४५०. समकालीन मैथिली लेखनमे “शिक्षा-कामना”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

४५१. “प्रवास” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

४५२. “प्रवास” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

४५३. “प्रवास”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(D) बिना तुलना निर्णय देब

४५४. “प्रवास” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

४५५. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्रवास”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

४५६. “गरीबी” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

४५७. “गरीबी” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

४५८. “गरीबी”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

४५९. “गरीबी” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

४६०. समकालीन मैथिली लेखनमे “गरीबी”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

४६१. “बेरोजगारी” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

४६२. “बेरोजगारी” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

४६३. “बेरोजगारी”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(D) बिना तुलना निर्णय देब

४६४. “बेरोजगारी” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

४६५. समकालीन मैथिली लेखनमे “बेरोजगारी”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

४६६. “किसान-जीवन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

४६७. “किसान-जीवन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

४६८. “किसान-जीवन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

४६९. “किसान-जीवन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

४७०. समकालीन मैथिली लेखनमे “किसान-जीवन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

४७१. “बाल-दृष्टि” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

४७२. “बाल-दृष्टि” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

४७३. “बाल-दृष्टि”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

४७४. “बाल-दृष्टि” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

४७५. समकालीन मैथिली लेखनमे “बाल-दृष्टि”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

४७६. “बुजुर्ग अनुभव” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

४७७. “बुजुर्ग अनुभव” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

४७८. “बुजुर्ग अनुभव”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

४७९. “बुजुर्ग अनुभव” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

४८०. समकालीन मैथिली लेखनमे “बुजुर्ग अनुभव”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

४८१. “लोक-न्याय” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

४८२. “लोक-न्याय” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

४८३. “लोक-न्याय”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

४८४. “लोक-न्याय” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

४८५. समकालीन मैथिली लेखनमे “लोक-न्याय”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

४८६. “प्रतिरोधक स्वर” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

४८७. “प्रतिरोधक स्वर” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

४८८. “प्रतिरोधक स्वर”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

४८९. “प्रतिरोधक स्वर” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

४९०. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्रतिरोधक स्वर”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

४९१. “समावेशी आलोचना” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

४९२. “समावेशी आलोचना” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

४९३. “समावेशी आलोचना”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

४९४. “समावेशी आलोचना” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

४९५. समकालीन मैथिली लेखनमे “समावेशी आलोचना”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

४९६. “सामाजिक पुनर्पाठ” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

४९७. “सामाजिक पुनर्पाठ” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

४९८. “सामाजिक पुनर्पाठ”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

४९९. “सामाजिक पुनर्पाठ” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

५००. समकालीन मैथिली लेखनमे “सामाजिक पुनर्पाठ”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

समकालीन कविता

५०१. “मुक्त छन्द” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

५०२. “मुक्त छन्द” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

५०३. “मुक्त छन्द”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

५०४. “मुक्त छन्द” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

५०५. समकालीन मैथिली लेखनमे “मुक्त छन्द”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

५०६. “गीतात्मक कविता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

५०७. “गीतात्मक कविता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

५०८. “गीतात्मक कविता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

५०९. “गीतात्मक कविता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

५१०. समकालीन मैथिली लेखनमे “गीतात्मक कविता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

५११. “लोकबिम्ब” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

५१२. “लोकबिम्ब” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

५१३. “लोकबिम्ब”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

५१४. “लोकबिम्ब” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

५१५. समकालीन मैथिली लेखनमे “लोकबिम्ब”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

५१६. “शहरक अनुभव” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

५१७. “शहरक अनुभव” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

५१८. “शहरक अनुभव”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

५१९. “शहरक अनुभव” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

५२०. समकालीन मैथिली लेखनमे “शहरक अनुभव”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

५२१. “गामक स्मृति” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

५२२. “गामक स्मृति” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

५२३. “गामक स्मृति”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

५२४. “गामक स्मृति” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

५२५. समकालीन मैथिली लेखनमे “गामक स्मृति”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

५२६. “प्रकृति-चेतना” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

५२७. “प्रकृति-चेतना” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

५२८. “प्रकृति-चेतना”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

५२९. “प्रकृति-चेतना” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

५३०. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्रकृति-चेतना”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

५३१. “राजनीतिक कविता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

५३२. “राजनीतिक कविता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

५३३. “राजनीतिक कविता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

५३४. “राजनीतिक कविता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

५३५. समकालीन मैथिली लेखनमे “राजनीतिक कविता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

५३६. “अस्मिता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

५३७. “अस्मिता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

५३८. “अस्मिता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

५३९. “अस्मिता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

५४०. समकालीन मैथिली लेखनमे “अस्मिता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

५४१. “प्रवासक पीड़ा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

५४२. “प्रवासक पीड़ा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

५४३. “प्रवासक पीड़ा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

५४४. “प्रवासक पीड़ा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(B) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

५४५. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्रवासक पीड़ा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

५४६. “भाषिक प्रयोग” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

५४७. “भाषिक प्रयोग” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

५४८. “भाषिक प्रयोग”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

५४९. “भाषिक प्रयोग” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

५५०. समकालीन मैथिली लेखनमे “भाषिक प्रयोग”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

५५१. “नव प्रतीक” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

५५२. “नव प्रतीक” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

५५३. “नव प्रतीक”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

५५४. “नव प्रतीक” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

५५५. समकालीन मैथिली लेखनमे “नव प्रतीक”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

५५६. “लघु कविता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

५५७. “लघु कविता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

५५८. “लघु कविता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

५५९. “लघु कविता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(B) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

५६०. समकालीन मैथिली लेखनमे “लघु कविता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

५६१. “व्यंग्यात्मक कविता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

५६२. “व्यंग्यात्मक कविता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

५६३. “व्यंग्यात्मक कविता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

५६४. “व्यंग्यात्मक कविता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

५६५. समकालीन मैथिली लेखनमे “व्यंग्यात्मक कविता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

५६६. “नारी-काव्य” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

५६७. “नारी-काव्य” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

५६८. “नारी-काव्य”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

५६९. “नारी-काव्य” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

५७०. समकालीन मैथिली लेखनमे “नारी-काव्य”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

५७१. “युवा स्वर” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

५७२. “युवा स्वर” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

५७३. “युवा स्वर”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

५७४. “युवा स्वर” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

५७५. समकालीन मैथिली लेखनमे “युवा स्वर”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

५७६. “पर्यावरण-कविता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

५७७. “पर्यावरण-कविता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

५७८. “पर्यावरण-कविता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

५७९. “पर्यावरण-कविता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

५८०. समकालीन मैथिली लेखनमे “पर्यावरण-कविता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

५८१. “स्मृति-कविता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

५८२. “स्मृति-कविता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

५८३. “स्मृति-कविता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

५८४. “स्मृति-कविता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

५८५. समकालीन मैथिली लेखनमे “स्मृति-कविता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

५८६. “प्रेमक नव रूप” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

५८७. “प्रेमक नव रूप” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

५८८. “प्रेमक नव रूप”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

५८९. “प्रेमक नव रूप” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

५९०. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्रेमक नव रूप”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

५९१. “आत्मस्वर” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

५९२. “आत्मस्वर” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

५९३. “आत्मस्वर”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

५९४. “आत्मस्वर” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

५९५. समकालीन मैथिली लेखनमे “आत्मस्वर”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

५९६. “सामूहिक वेदना” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

५९७. “सामूहिक वेदना” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

५९८. “सामूहिक वेदना”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ

५९९. “सामूहिक वेदना” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब

६००. समकालीन मैथिली लेखनमे “सामूहिक वेदना”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

समकालीन कथा आ उपन्यास

६०१. “लघुकथा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

६०२. “लघुकथा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६०३. “लघुकथा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

६०४. “लघुकथा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

६०५. समकालीन मैथिली लेखनमे “लघुकथा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

६०६. “छोट कथा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

६०७. “छोट कथा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६०८. “छोट कथा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

६०९. “छोट कथा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

६१०. समकालीन मैथिली लेखनमे “छोट कथा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

६११. “उपन्यास” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

६१२. “उपन्यास” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

६१३. “उपन्यास”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

६१४. “उपन्यास” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

६१५. समकालीन मैथिली लेखनमे “उपन्यास”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

६१६. “कथानक-विन्यास” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

६१७. “कथानक-विन्यास” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६१८. “कथानक-विन्यास”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

६१९. “कथानक-विन्यास” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

६२०. समकालीन मैथिली लेखनमे “कथानक-विन्यास”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

६२१. “पात्र-मनोविज्ञान” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

६२२. “पात्र-मनोविज्ञान” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

६२३. “पात्र-मनोविज्ञान”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

६२४. “पात्र-मनोविज्ञान” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

६२५. समकालीन मैथिली लेखनमे “पात्र-मनोविज्ञान”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब

६२६. “गामक यथार्थ” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

६२७. “गामक यथार्थ” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६२८. “गामक यथार्थ”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

६२९. “गामक यथार्थ” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कथाकैँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(B) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

६३०. समकालीन मैथिली लेखनमे “गामक यथार्थ”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब

६३१. “शहरी द्वन्द्व” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

६३२. “शहरी द्वन्द्व” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६३३. “शहरी द्वन्द्व”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

६३४. “शहरी द्वन्द्व” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

६३५. समकालीन मैथिली लेखनमे “शहरी द्वन्द्व”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

६३६. “प्रवासी जीवन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

६३७. “प्रवासी जीवन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

६३८. “प्रवासी जीवन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

६३९. “प्रवासी जीवन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

६४०. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्रवासी जीवन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

६४१. “स्त्री-पात्र” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

६४२. “स्त्री-पात्र” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

६४३. “स्त्री-पात्र”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

६४४. “स्त्री-पात्र” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

६४५. समकालीन मैथिली लेखनमे “स्त्री-पात्र”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

६४६. “युवा पात्र” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

६४७. “युवा पात्र” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६४८. “युवा पात्र”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

६४९. “युवा पात्र” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

६५०. समकालीन मैथिली लेखनमे “युवा पात्र”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

६५१. “बुजुर्ग पात्र” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

६५२. “बुजुर्ग पात्र” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६५३. “बुजुर्ग पात्र”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

६५४. “बुजुर्ग पात्र” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

६५५. समकालीन मैथिली लेखनमे “बुजुर्ग पात्र”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

६५६. “किसान-संकट” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

६५७. “किसान-संकट” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६५८. “किसान-संकट”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

६५९. “किसान-संकट” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

६६०. समकालीन मैथिली लेखनमे “किसान-संकट”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

६६१. “श्रमक कथा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

६६२. “श्रमक कथा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६६३. “श्रमक कथा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

६६४. “श्रमक कथा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

६६५. समकालीन मैथिली लेखनमे “श्रमक कथा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

६६६. “परिवारक टूटन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

६६७. “परिवारक टूटन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

६६८. “परिवारक टूटन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

६६९. “परिवारक टूटन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कथाकैँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

६७०. समकालीन मैथिली लेखनमे “परिवारक टूटन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

६७१. “जाति-वर्ग संघर्ष” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

६७२. “जाति-वर्ग संघर्ष” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

६७३. “जाति-वर्ग संघर्ष”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

६७४. “जाति-वर्ग संघर्ष” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

६७५. समकालीन मैथिली लेखनमे “जाति-वर्ग संघर्ष”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

६७६. “भाषिक संवाद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

६७७. “भाषिक संवाद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६७८. “भाषिक संवाद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

६७९. “भाषिक संवाद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

६८०. समकालीन मैथिली लेखनमे “भाषिक संवाद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

६८१. “आन्तरिक एकालाप” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

६८२. “आन्तरिक एकालाप” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६८३. “आन्तरिक एकालाप”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

६८४. “आन्तरिक एकालाप” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

६८५. समकालीन मैथिली लेखनमे “आन्तरिक एकालाप”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

६८६. “व्यंग्य-कथा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

६८७. “व्यंग्य-कथा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

६८८. “व्यंग्य-कथा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

६८९. “व्यंग्य-कथा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

६९०. समकालीन मैथिली लेखनमे “व्यंग्य-कथा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

६९१. “इतिहासक पुनर्पाठ” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

६९२. “इतिहासक पुनर्पाठ” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

६९३. “इतिहासक पुनर्पाठ”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(D) बिना तुलना निर्णय देब

६९४. “इतिहासक पुनर्पाठ” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

६९५. समकालीन मैथिली लेखनमे “इतिहासक पुनर्पाठ”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

६९६. “नव कथाभाषा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध

६९७. “नव कथाभाषा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

६९८. “नव कथाभाषा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

६९९. “नव कथाभाषा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब

७००. समकालीन मैथिली लेखनमे “नव कथाभाषा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

नाटक, रंगमंच आ प्रदर्शन-अध्ययन

७०१. “आधुनिक नाटक” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

७०२. “आधुनिक नाटक” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

७०३. “आधुनिक नाटक”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

७०४. “आधुनिक नाटक” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

७०५. समकालीन मैथिली लेखनमे “आधुनिक नाटक”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

७०६. “एकांकी” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

७०७. “एकांकी” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

७०८. “एकांकी”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(D) बिना तुलना निर्णय देब

७०९. “एकांकी” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

७१०. समकालीन मैथिली लेखनमे “एकांकी”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब

७११. “लोकनाट्य” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

७१२. “लोकनाट्य” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

७१३. “लोकनाट्य”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

७१४. “लोकनाट्य” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

७१५. समकालीन मैथिली लेखनमे “लोकनाट्य”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

७१६. “नाच-पार्टी” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

७१७. “नाच-पार्टी” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

७१८. “नाच-पार्टी”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

७१९. “नाच-पार्टी” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

७२०. समकालीन मैथिली लेखनमे “नाच-पार्टी”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

७२१. “कीर्तनिया रंगधारा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

७२२. “कीर्तनिया रंगधारा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

७२३. “कीर्तनिया रंगधारा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(D) बिना तुलना निर्णय देब

७२४. “कीर्तनिया रंगधारा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

७२५. समकालीन मैथिली लेखनमे “कीर्तनिया रंगधारा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

७२६. “मंच-भाषा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

७२७. “मंच-भाषा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

७२८. “मंच-भाषा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

७२९. “मंच-भाषा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

७३०. समकालीन मैथिली लेखनमे “मंच-भाषा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

७३१. “संवाद-शिल्प” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

७३२. “संवाद-शिल्प” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

७३३. “संवाद-शिल्प”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

७३४. “संवाद-शिल्प” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

७३५. समकालीन मैथिली लेखनमे “संवाद-शिल्प”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

७३६. “अभिनय” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

७३७. “अभिनय” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

७३८. “अभिनय”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

७३९. “अभिनय” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

७४०. समकालीन मैथिली लेखनमे “अभिनय”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

७४१. “निर्देशन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

७४२. “निर्देशन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

७४३. “निर्देशन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(D) बिना तुलना निर्णय देब

७४४. “निर्देशन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

७४५. समकालीन मैथिली लेखनमे “निर्देशन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपैँ समझब

७४६. “मंच-सज्जा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

७४७. “मंच-सज्जा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

७४८. “मंच-सज्जा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

७४९. “मंच-सज्जा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

७५०. समकालीन मैथिली लेखनमे “मंच-सज्जा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपैँ समझब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

७५१. “संगीत-प्रयोग” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

७५२. “संगीत-प्रयोग” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

७५३. “संगीत-प्रयोग”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

७५४. “संगीत-प्रयोग” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

७५५. समकालीन मैथिली लेखनमे “संगीत-प्रयोग”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

७५६. “दर्शक-संवाद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

७५७. “दर्शक-संवाद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

७५८. “दर्शक-संवाद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

७५९. “दर्शक-संवाद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

७६०. समकालीन मैथिली लेखनमे “दर्शक-संवाद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

७६१. “स्त्री-पात्र अभिनय” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

७६२. “स्त्री-पात्र अभिनय” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

७६३. “स्त्री-पात्र अभिनय”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

७६४. “स्त्री-पात्र अभिनय” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

७६५. समकालीन मैथिली लेखनमे “स्त्री-पात्र अभिनय”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

७६६. “हास्य-व्यंग्य” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

७६७. “हास्य-व्यंग्य” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

७६८. “हास्य-व्यंग्य”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

७६९. “हास्य-व्यंग्य” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

७७०. समकालीन मैथिली लेखनमे “हास्य-व्यंग्य”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

७७१. “सामाजिक नाटक” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

७७२. “सामाजिक नाटक” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

७७३. “सामाजिक नाटक”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

७७४. “सामाजिक नाटक” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

७७५. समकालीन मैथिली लेखनमे “सामाजिक नाटक”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

७७६. “राजनीतिक नाटक” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

७७७. “राजनीतिक नाटक” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

७७८. “राजनीतिक नाटक”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

७७९. “राजनीतिक नाटक” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

७८०. समकालीन मैथिली लेखनमे “राजनीतिक नाटक”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

७८१. “बाल-नाटक” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

७८२. “बाल-नाटक” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

७८३. “बाल-नाटक”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

७८४. “बाल-नाटक” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

७८५. समकालीन मैथिली लेखनमे “बाल-नाटक”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपैँ समझब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

७८६. “रंग-आलेख” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

७८७. “रंग-आलेख” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

७८८. “रंग-आलेख”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

७८९. “रंग-आलेख” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

७९०. समकालीन मैथिली लेखनमे “रंग-आलेख”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपैँ समझब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

७९१. “प्रदर्शन-समीक्षा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

७९२. “प्रदर्शन-समीक्षा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

७९३. “प्रदर्शन-समीक्षा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

७९४. “प्रदर्शन-समीक्षा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

७९५. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्रदर्शन-समीक्षा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

७९६. “अभिलेखित रंगमंच” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव

७९७. “अभिलेखित रंगमंच” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

७९८. “अभिलेखित रंगमंच”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

७९९. “अभिलेखित रंगमंच” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

८००. समकालीन मैथिली लेखनमे “अभिलेखित रंगमंच”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

अनुवाद, तुलनात्मक अध्ययन आ प्रवासी लेखन

८०१. “मैथिली अनुवाद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

८०२. “मैथिली अनुवाद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

८०३. “मैथिली अनुवाद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

८०४. “मैथिली अनुवाद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

८०५. समकालीन मैथिली लेखनमे “मैथिली अनुवाद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

८०६. “अनुवादक भूमिका” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

८०७. “अनुवादक भूमिका” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

८०८. “अनुवादक भूमिका”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

८०९. “अनुवादक भूमिका” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

८१०. समकालीन मैथिली लेखनमे “अनुवादक भूमिका”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

८११. “मूल आ लक्ष्य भाषा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

८१२. “मूल आ लक्ष्य भाषा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

८१३. “मूल आ लक्ष्य भाषा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

८१४. “मूल आ लक्ष्य भाषा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

८१५. समकालीन मैथिली लेखनमे “मूल आ लक्ष्य भाषा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

८१६. “सांस्कृतिक पद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

८१७. “सांस्कृतिक पद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

८१८. “सांस्कृतिक पद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

८१९. “सांस्कृतिक पद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

८२०. समकालीन मैथिली लेखनमे “सांस्कृतिक पद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

८२१. “लोक-संकेतक अनुवाद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

८२२. “लोक-संकेतक अनुवाद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

८२३. “लोक-संकेतक अनुवाद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

८२४. “लोक-संकेतक अनुवाद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

८२५. समकालीन मैथिली लेखनमे “लोक-संकेतक अनुवाद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली कैँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

८२६. “कविता-अनुवाद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

८२७. “कविता-अनुवाद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

८२८. “कविता-अनुवाद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

८२९. “कविता-अनुवाद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

८३०. समकालीन मैथिली लेखनमे “कविता-अनुवाद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) मैथिली कैँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

८३१. “नाटक-अनुवाद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

८३२. “नाटक-अनुवाद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

८३३. “नाटक-अनुवाद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

८३४. “नाटक-अनुवाद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

८३५. समकालीन मैथिली लेखनमे “नाटक-अनुवाद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

८३६. “कथा-अनुवाद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

८३७. “कथा-अनुवाद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

८३८. “कथा-अनुवाद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

८३९. “कथा-अनुवाद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

८४०. समकालीन मैथिली लेखनमे “कथा-अनुवाद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

८४१. “तुलनात्मक साहित्य” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

८४२. “तुलनात्मक साहित्य” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

८४३. “तुलनात्मक साहित्य”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

८४४. “तुलनात्मक साहित्य” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

८४५. समकालीन मैथिली लेखनमे “तुलनात्मक साहित्य”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

८४६. “बांग्ला-मैथिली सम्बन्ध” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

८४७. “बांग्ला-मैथिली सम्बन्ध” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

८४८. “बांग्ला-मैथिली सम्बन्ध”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

८४९. “बांग्ला-मैथिली सम्बन्ध” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

८५०. समकालीन मैथिली लेखनमे “बांग्ला-मैथिली सम्बन्ध”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

८५१. “असमिया-मैथिली सम्बन्ध” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

८५२. “असमिया-मैथिली सम्बन्ध” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

८५३. “असमिया-मैथिली सम्बन्ध”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

८५४. “असमिया-मैथिली सम्बन्ध” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

८५५. समकालीन मैथिली लेखनमे “असमिया-मैथिली सम्बन्ध”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

८५६. “ओड़िया-मैथिली सम्बन्ध” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

८५७. “ओड़िया-मैथिली सम्बन्ध” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

८५८. “ओड़िया-मैथिली सम्बन्ध”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

८५९. “ओड़िया-मैथिली सम्बन्ध” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

८६०. समकालीन मैथिली लेखनमे “ओड़िया-मैथिली सम्बन्ध”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

८६१. “हिन्दी-मैथिली संवाद” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

८६२. “हिन्दी-मैथिली संवाद” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

८६३. “हिन्दी-मैथिली संवाद”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

८६४. “हिन्दी-मैथिली संवाद” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

८६५. समकालीन मैथिली लेखनमे “हिन्दी-मैथिली संवाद”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिली कैँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

८६६. “नेपाली-मैथिली सम्बन्ध” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

८६७. “नेपाली-मैथिली सम्बन्ध” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

८६८. “नेपाली-मैथिली सम्बन्ध”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

८६९. “नेपाली-मैथिली सम्बन्ध” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

८७०. समकालीन मैथिली लेखनमे “नेपाली-मैथिली सम्बन्ध”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली कैँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

८७१. “प्रवासी लेखन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

८७२. “प्रवासी लेखन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

८७३. “प्रवासी लेखन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

८७४. “प्रवासी लेखन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

८७५. समकालीन मैथिली लेखनमे “प्रवासी लेखन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

८७६. “सीमा-पार मैथिली” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

८७७. “सीमा-पार मैथिली” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

८७८. “सीमा-पार मैथिली”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

८७९. “सीमा-पार मैथिली” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

८८०. समकालीन मैथिली लेखनमे “सीमा-पार मैथिली”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

८८१. “बहुभाषिक लेखक” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

८८२. “बहुभाषिक लेखक” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

८८३. “बहुभाषिक लेखक”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

८८४. “बहुभाषिक लेखक” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

८८५. समकालीन मैथिली लेखनमे “बहुभाषिक लेखक”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

८८६. “भाषा-स्वाभिमान” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

८८७. “भाषा-स्वाभिमान” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

८८८. “भाषा-स्वाभिमान”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

८८९. “भाषा-स्वाभिमान” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

८९०. समकालीन मैथिली लेखनमे “भाषा-स्वाभिमान”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

८९१. “अनुवाद-समीक्षा” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

८९२. “अनुवाद-समीक्षा” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

८९३. “अनुवाद-समीक्षा”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

८९४. “अनुवाद-समीक्षा” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

८९५. समकालीन मैथिली लेखनमे “अनुवाद-समीक्षा”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

८९६. “सांस्कृतिक मध्यस्थता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

८९७. “सांस्कृतिक मध्यस्थता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री

८९८. “सांस्कृतिक मध्यस्थता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

८९९. “सांस्कृतिक मध्यस्थता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब

९००. समकालीन मैथिली लेखनमे “सांस्कृतिक मध्यस्थता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

डिजिटल मानविकी, ई-पत्रिका आ नवीन माध्यम

९०१. “ई-पत्रिका” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

९०२. “ई-पत्रिका” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

९०३. “ई-पत्रिका”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

९०४. “ई-पत्रिका” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

९०५. समकालीन मैथिली लेखनमे “ई-पत्रिका”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) मैथिली अध्ययन कैँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

९०६. “डिजिटल अभिलेख” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

९०७. “डिजिटल अभिलेख” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

९०८. “डिजिटल अभिलेख”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

९०९. “डिजिटल अभिलेख” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

९१०. समकालीन मैथिली लेखनमे “डिजिटल अभिलेख”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) मैथिली अध्ययन कैँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

९११. “ई-पुस्तक” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

९१२. “ई-पुस्तक” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

९१३. “ई-पुस्तक”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

९१४. “ई-पुस्तक” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

९१५. समकालीन मैथिली लेखनमे “ई-पुस्तक”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिली अध्ययन कैँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

९१६. “ध्वनि-संग्रह” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

९१७. “ध्वनि-संग्रह” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

९१८. “ध्वनि-संग्रह”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

९१९. “ध्वनि-संग्रह” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

९२०. समकालीन मैथिली लेखनमे “ध्वनि-संग्रह”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) मैथिली अध्ययन कैँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

९२१. “दृश्य-संग्रह” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

९२२. “दृश्य-संग्रह” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

९२३. “दृश्य-संग्रह”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(D) बिना तुलना निर्णय देब

९२४. “दृश्य-संग्रह” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

९२५. समकालीन मैथिली लेखनमे “दृश्य-संग्रह”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

९२६. “ऑनलाइन पाठक” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

९२७. “ऑनलाइन पाठक” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

९२८. “ऑनलाइन पाठक”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

९२९. “ऑनलाइन पाठक” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

९३०. समकालीन मैथिली लेखनमे “ऑनलाइन पाठक”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

९३१. “सामाजिक माध्यम” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(B) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

९३२. “सामाजिक माध्यम” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

९३३. “सामाजिक माध्यम”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(D) बिना तुलना निर्णय देब

९३४. “सामाजिक माध्यम” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

९३५. समकालीन मैथिली लेखनमे “सामाजिक माध्यम”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

९३६. “वेब-संपादन” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

९३७. “वेब-संपादन” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

९३८. “वेब-संपादन”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

९३९. “वेब-संपादन” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

९४०. समकालीन मैथिली लेखनमे “वेब-संपादन”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) मैथिली अध्ययन कैँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

९४१. “खोज योग्य पाठ” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

९४२. “खोज योग्य पाठ” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

९४३. “खोज योग्य पाठ”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

९४४. “खोज योग्य पाठ” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(C) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

९४५. समकालीन मैथिली लेखनमे “खोज योग्य पाठ”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) मैथिली अध्ययन कैँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

९४६. “यूनिकोड” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

९४७. “यूनिकोड” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

९४८. “यूनिकोड”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

९४९. “यूनिकोड” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

९५०. समकालीन मैथिली लेखनमे “यूनिकोड”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) मैथिली अध्ययन कैँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

९५१. “तिरहुता फॉन्ट” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

९५२. “तिरहुता फॉन्ट” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

९५३. “तिरहुता फॉन्ट”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

९५४. “तिरहुता फॉन्ट” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

९५५. समकालीन मैथिली लेखनमे “तिरहुता फॉन्ट”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

९५६. “डिजिटल शब्दकोश” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

९५७. “डिजिटल शब्दकोश” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

९५८. “डिजिटल शब्दकोश”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

९५९. “डिजिटल शब्दकोश” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(B) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

९६०. समकालीन मैथिली लेखनमे “डिजिटल शब्दकोश”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

९६१. “शोध-संग्रह” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(D) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

९६२. “शोध-संग्रह” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

९६३. “शोध-संग्रह”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

९६४. “शोध-संग्रह” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

९६५. समकालीन मैथिली लेखनमे “शोध-संग्रह”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

९६६. “ई-क्विज” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

९६७. “ई-क्विज” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

९६८. “ई-क्विज”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

९६९. “ई-क्विज” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैं तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकैं अन्तिम प्रमाण मानब

९७०. समकालीन मैथिली लेखनमे “ई-क्विज”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) मैथिली अध्ययन कैं नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

९७१. “ध्वनि-पाठ” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(C) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(D) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

९७२. “ध्वनि-पाठ” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

९७३. “ध्वनि-पाठ”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

९७४. “ध्वनि-पाठ” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकैं अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैं तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

९७५. समकालीन मैथिली लेखनमे “ध्वनि-पाठ”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली अध्ययन कैं नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(B) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(C) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

९७६. “ऑनलाइन व्याख्यान” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(D) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

९७७. “ऑनलाइन व्याख्यान” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) बिना स्रोतक छोट नोट

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

९७८. “ऑनलाइन व्याख्यान”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(C) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(D) केवल भावुक प्रशंसा करब

९७९. “ऑनलाइन व्याख्यान” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(B) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

९८०. समकालीन मैथिली लेखनमे “ऑनलाइन व्याख्यान”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) मैथिली अध्ययन कैँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(D) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

९८१. “खुला अभिगम” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

९८२. “खुला अभिगम” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

९८३. “खुला अभिगम”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) बिना तुलना निर्णय देब

९८४. “खुला अभिगम” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(C) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(D) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

९८५. समकालीन मैथिली लेखनमे “खुला अभिगम”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) मैथिली अध्ययन कैँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

९८६. “संग्रहक नैतिकता” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(B) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

९८७. “संग्रहक नैतिकता” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) बिना स्रोतक छोट नोट

(B) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

९८८. “संग्रहक नैतिकता”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) बिना तुलना निर्णय देब

(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(C) केवल भावुक प्रशंसा करब

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

९८९. “संग्रहक नैतिकता” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(B) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री कैँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(C) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

(D) अपना रुचिकैँ अन्तिम प्रमाण मानब

९९०. समकालीन मैथिली लेखनमे “संग्रहक नैतिकता”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली अध्ययन कैँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

९९१. “डिजिटल संरक्षण” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(D) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

९९२. “डिजिटल संरक्षण” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) बिना स्रोतक छोट नोट

(C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(D) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

९९३. “डिजिटल संरक्षण”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

(B) केवल भावुक प्रशंसा करब

(C) बिना तुलना निर्णय देब

(D) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

९९४. “डिजिटल संरक्षण” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

९९५. समकालीन मैथिली लेखनमे “डिजिटल संरक्षण”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(B) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

(C) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(D) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

९९६. “नव पाठकीय समुदाय” पर अनुसन्धान आरम्भ करबाक सभसँ उचित पहिल डेग की अछि?

(A) केवल प्रसिद्ध नामक सूची बनाउब

(B) पहिलेसँ निष्कर्ष लिखि देब

(C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच

(D) सन्दर्भ छोड़ि मत लिखब

९९७. “नव पाठकीय समुदाय” विषयक अध्ययनमे प्राथमिक स्रोतक अर्थ की अछि?

(A) मात्र परीक्षा-गाइडक सार

(B) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह

(C) केवल अफवाह आ सुनी-सुनायल बात

(D) बिना स्रोतक छोट नोट

९९८. “नव पाठकीय समुदाय”क आलोचनात्मक अध्ययनमे कोन पद्धति बेसी उपयोगी होयत?

(A) केवल भावुक प्रशंसा करब

(B) बिना तुलना निर्णय देब

(C) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच

(D) एकटा वाक्य पर पूरा इतिहास बनाउब

९९९. “नव पाठकीय समुदाय” पर शोध करैत काल कोन सावधानी सभसँ जरूरी अछि?

(A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब

(B) विरोधी प्रमाण छिपा देब

(C) अपना रुचिकेँ अन्तिम प्रमाण मानब

(D) सन्दर्भक वर्ष आ पाठ छोड़ि देब

१०००. समकालीन मैथिली लेखनमे “नव पाठकीय समुदाय”क अध्ययनक मुख्य उपयोग की अछि?

(A) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ

(B) भाषा छोड़ि बाहरी दिखावा बढ़ेनाइ

(C) साहित्यक सामाजिक पक्ष हटेनाइ

(D) केवल नाम याद करबाक अभ्यास

उत्तरमाला — अध्याय २ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “शोध-समस्याक निर्धारण” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२. (A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३. (D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४. (B) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५. (C) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६. (D) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “विषय-सीमांकन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७. (D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८. (C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९. (D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१०. (A) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

११. (C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “स्रोत-संग्रह” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१२. (D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१३. (C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१४. (D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१५. (C) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१६. (A) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “प्राथमिक सामग्री” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१७. (D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१८. (B) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१९. (B) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२०. (D) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२१. (D) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “द्वितीयक सामग्री” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२२. (B) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२३. (C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२४. (B) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२५. (D) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२६. (B) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “सन्दर्भ-सूची” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२७. (C) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२८. (C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२९. (D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३०. (B) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३१. (C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “उद्धरण-प्रणाली” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३२. (D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३३. (C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३४. (B) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३५. (B) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३६. (B) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “तथ्य-जाँच” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३७. (A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३८. (B) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३९. (C) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४०. (B) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४१. (D) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “परिकल्पना” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४२. (D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४३. (B) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४४. (A) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४५. (C) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४६. (B) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “अध्याय-योजना” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४७. (A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४८. (D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४९. (A) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५०. (A) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५१. (D) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “पाठ-विश्लेषण” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५२. (B) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५३. (D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५४. (D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५५. (B) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५६. (B) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “क्षेत्र-अध्ययन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५७. (A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५८. (C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५९. (C) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६०. (D) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६१. (A) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “साक्षात्कार” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६२. (D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६३. (C) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६४. (D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६५. (C) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६६. (C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “प्रश्नावली” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६७. (C) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६८. (A) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६९. (B) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७०. (D) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७१. (D) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “तुलनात्मक पद्धति” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७२. (C) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७३. (B) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७४. (C) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७५. (D) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७६. (C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “ऐतिहासिक पद्धति” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७७. (D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७८. (D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७९. (D) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८०. (D) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८१. (C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “समाजभाषिक पद्धति” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८२. (C) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८३. (D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८४. (C) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८५. (B) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८६. (C) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “अन्तर्विषयी दृष्टि” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८७. (D) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८८. (A) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८९. (C) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९०. (C) शोध कैं जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९१. (B) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “निष्कर्ष-निर्माण” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९२. (A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९३. (B) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९४. (A) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९५. (D) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९६. (A) समस्या, स्रोत आ पद्धतिक स्पष्टता — “शोध-नीति” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९७. (A) विश्वसनीय पाठ, अभिलेख, साक्षात्कार आ प्रमाणित लेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९८. (D) स्रोतक मिलान कऽ तर्कसंगत व्याख्या करब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९९. (A) बिना प्रमाण पहिने सँ बनल निष्कर्ष नहि थोपब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१००. (B) शोध केँ जाँचय योग्य आ उपयोगी बनौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१०१. (D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “पाण्डुलिपि-पहिचान” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१०२. (C) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१०३. (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१०४. (D) अपठित शब्दक अनुमान केँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१०५. (C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार केँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१०६. (C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “पाठ-भेद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१०७. (D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१०८. (C) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१०९. (B) अपठित शब्दक अनुमान केँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

११०. (D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार केँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१११. (D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “सम्पादनक सिद्धान्त” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

११२. (A) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

११३. (C) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

११४. (D) अपठित शब्दक अनुमान केँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

११५. (B) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

११६. (B) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “प्रामाणिक पाठ” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

११७. (D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

११८. (B) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

११९. (B) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१२०. (D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१२१. (C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “तिरहुता-पोथी” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१२२. (A) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१२३. (A) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१२४. (B) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१२५. (C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१२६. (D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “देवनागरी संस्करण” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१२७. (B) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१२८. (C) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१२९. (B) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१३०. (C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१३१. (A) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “लेखक-नामक भिन्नता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१३२. (D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१३३. (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१३४. (D) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१३५. (D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैं सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१३६. (D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “तिथि-निर्धारण” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१३७. (C) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१३८. (B) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१३९. (B) अपठित शब्दक अनुमान कैं तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१४०. (C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैं सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१४१. (D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “भाषिक स्तर” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१४२. (D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१४३. (B) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१४४. (D) अपठित शब्दक अनुमान कैं तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१४५. (B) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैं सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१४६. (D) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “लिप्यन्तरणक सावधानी” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१४७. (D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१४८. (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१४९. (D) अपठित शब्दक अनुमान कैं तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१५०. (C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैं सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१५१. (C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “टिप्पणी-लेखन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१५२. (C) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१५३. (A) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१५४. (B) अपठित शब्दक अनुमान कैं तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१५५. (B) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१५६. (A) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “पाठ-समीक्षा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१५७. (A) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१५८. (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१५९. (A) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१६०. (D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१६१. (A) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “अभिलेखीय संरक्षण” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१६२. (B) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१६३. (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१६४. (B) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१६५. (A) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१६६. (C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “डिजिटल प्रति” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१६७. (D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१६८. (C) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१६९. (A) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१७०. (A) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१७१. (B) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “पुरान पत्रिका” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१७२. (C) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१७३. (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१७४. (D) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१७५. (B) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैं सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१७६. (C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “मुद्रित संस्करण” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१७७. (B) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१७८. (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१७९. (B) अपठित शब्दक अनुमान कैं तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१८०. (B) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैं सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१८१. (A) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “मौखिक पाठ” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१८२. (D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१८३. (A) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१८४. (C) अपठित शब्दक अनुमान कैं तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१८५. (C) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैं सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१८६. (C) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “कथ्य-परिवर्तन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१८७. (D) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१८८. (A) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१८९. (C) अपठित शब्दक अनुमान कैं तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१९०. (D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैं सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१९१. (B) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “संग्रहालयीय सामग्री” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१९२. (B) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१९३. (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१९४. (A) अपठित शब्दक अनुमान कैं तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१९५. (D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

१९६. (A) पाठक प्रामाणिक रूप आ पाठ-भेदक विवेक — “पुनर्पाठ” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

१९७. (A) मूल पोथी, पुरान संस्करण, पत्रिका आ सुरक्षित प्रति — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

१९८. (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ विश्वसनीय पाठ ठहरौनाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

१९९. (A) अपठित शब्दक अनुमान कैँ तथ्य जकाँ नहि लिखब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२००. (D) मैथिली साहित्यक प्राचीन आधार कैँ सुरक्षित करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२०१. (A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “लोकगीत-संग्रह” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२०२. (B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२०३. (A) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२०४. (A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२०५. (B) गामक सामूहिक स्मृति कैँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२०६. (A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “संस्कार-गीत” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२०७. (D) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२०८. (D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२०९. (A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२१०. (A) गामक सामूहिक स्मृति कैँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२११. (B) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “पर्व-गीत” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२१२. (B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२१३. (D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२१४. (B) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२१५. (B) गामक सामूहिक स्मृति कैँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२१६. (D) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “श्रमगीत” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२१७. (C) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२१८. (B) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२१९. (A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२२०. (D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२२१. (C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “लोकगाथा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२२२. (D) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२२३. (D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२२४. (A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२२५. (D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२२६. (C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “लोककथा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२२७. (A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२२८. (C) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२२९. (A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२३०. (D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२३१. (A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “लोकोक्ति” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२३२. (B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२३३. (D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२३४. (D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२३५. (C) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२३६. (C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “पहेली” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२३७. (B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२३८. (C) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२३९. (D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२४०. (A) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२४१. (D) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “लोकनाट्य” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२४२. (D) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२४३. (C) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२४४. (D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२४५. (C) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२४६. (A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “नाच-पार्टी” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२४७. (B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२४८. (A) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२४९. (B) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२५०. (B) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२५१. (C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “कीर्तनिया परम्परा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२५२. (B) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२५३. (B) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२५४. (C) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२५५. (D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२५६. (D) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “गामक कथावाचक” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२५७. (A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२५८. (A) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२५९. (C) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२६०. (D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२६१. (B) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “स्त्री-लोकस्वर” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२६२. (C) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२६३. (D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२६४. (C) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२६५. (A) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२६६. (C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “किसानी-संस्कृति” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२६७. (C) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२६८. (D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२६९. (D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२७०. (D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२७१. (A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “जल-धरतीक बिम्ब” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२७२. (A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२७३. (B) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२७४. (C) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२७५. (C) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२७६. (B) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “देव-स्थानक कथा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२७७. (A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२७८. (A) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२७९. (A) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२८०. (A) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२८१. (C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “मौखिक इतिहास” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२८२. (A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२८३. (B) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२८४. (B) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२८५. (D) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२८६. (A) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “लोकवाद्य” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२८७. (C) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२८८. (A) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२८९. (D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२९०. (A) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२९१. (C) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “ग्राम्य बोली” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२९२. (A) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२९३. (C) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२९४. (D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

२९५. (B) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

२९६. (D) मौखिक परम्परा आ समाजक जीवित अनुभव — “क्षेत्रीय स्मृति” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

२९७. (D) गायन, कथन, प्रदर्शन, साक्षात्कार आ स्थानीय अभिलेख — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

२९८. (D) क्षेत्रमे सुनल-पढ़ल सामग्रीक सन्दर्भ सहित लेखाजोखा — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

२९९. (D) लोक-स्रोतकें निम्न साहित्य बुझि उपेक्षा नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३००. (A) गामक सामूहिक स्मृति केँ साहित्यिक अध्ययनसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३०१. (C) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “ध्वनि-परिवर्तन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३०२. (B) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३०३. (B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३०४. (B) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३०५. (C) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३०६. (D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “रूप-विज्ञान” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३०७. (C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३०८. (B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३०९. (A) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३१०. (A) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३११. (D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “वाक्य-विन्यास” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३१२. (D) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३१३. (C) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३१४. (C) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३१५. (B) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३१६. (B) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “शब्दक उद्भव” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३१७. (D) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३१८. (B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३१९. (C) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३२०. (C) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३२१. (D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “तत्सम-तद्भव” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३२२. (A) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३२३. (A) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३२४. (D) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३२५. (A) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३२६. (D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “देशज शब्द” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३२७. (C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३२८. (C) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३२९. (C) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३३०. (D) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३३१. (A) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “बोली-भिन्नता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३३२. (C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३३३. (C) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३३४. (B) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३३५. (B) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३३६. (A) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “मानक भाषा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३३७. (C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३३८. (B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३३९. (C) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३४०. (D) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३४१. (B) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “नेपाल-तराईक मैथिली” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३४२. (C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३४३. (D) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३४४. (D) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३४५. (C) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३४६. (D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “बज्जिका-सम्बन्ध” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३४७. (D) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३४८. (A) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३४९. (D) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३५०. (C) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३५१. (B) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “अंगिका-सम्बन्ध” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३५२. (D) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३५३. (D) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३५४. (A) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३५५. (D) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३५६. (D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “ठेठी प्रयोग” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३५७. (D) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३५८. (B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३५९. (A) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३६०. (A) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३६१. (A) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “शब्दकोश-निर्माण” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३६२. (C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३६३. (A) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३६४. (C) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३६५. (C) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३६६. (D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “पारिभाषिक शब्द” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३६७. (A) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३६८. (A) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३६९. (C) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३७०. (D) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३७१. (B) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “उच्चारण-भेद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३७२. (A) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३७३. (D) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३७४. (A) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३७५. (A) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३७६. (C) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “लिपि-प्रयोग” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३७७. (C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३७८. (B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३७९. (A) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३८०. (C) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३८१. (B) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “भाषा-नीति” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३८२. (A) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३८३. (D) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३८४. (A) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३८५. (A) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३८६. (D) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “शिक्षा-भाषा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३८७. (B) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३८८. (A) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३८९. (D) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३९०. (B) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३९१. (C) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “मीडिया-भाषा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३९२. (C) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३९३. (B) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३९४. (D) कोनो बोली केँ अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

३९५. (C) मैथिलीक विविध रूप केँ वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

३९६. (C) भाषिक रूप, प्रयोग आ समाजक सम्बन्ध — “समाजभाषा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

३९७. (B) बोलल भाषा, लिखित पाठ, कोश, व्याकरण आ क्षेत्रीय उदाहरण — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

३९८. (C) प्रयोगक उदाहरणसँ नियम आ प्रवृत्ति निकालब — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

३९९. (A) कोनो बोली कैं अशुद्ध कहि खारिज नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४००. (B) मैथिलीक विविध रूप कैं वैज्ञानिक ढंगसँ बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४०१. (A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “स्त्री-कविता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४०२. (B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४०३. (B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४०४. (A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४०५. (A) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४०६. (C) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “स्त्री-कथा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४०७. (B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४०८. (A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४०९. (C) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४१०. (A) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४११. (A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “गृहस्थ जीवन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४१२. (C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४१३. (A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४१४. (C) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४१५. (D) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४१६. (B) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “श्रमजीवी पात्र” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४१७. (D) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४१८. (B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४१९. (B) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४२०. (B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४२१. (D) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “दलित अनुभव” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४२२. (C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४२३. (B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४२४. (D) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४२५. (D) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४२६. (C) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “पिछड़ल समाज” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४२७. (D) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४२८. (A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४२९. (A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४३०. (D) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४३१. (D) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “जाति-व्यवस्था” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४३२. (C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४३३. (B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४३४. (A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४३५. (C) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४३६. (A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “वर्ग-विसमता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४३७. (D) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४३८. (D) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४३९. (B) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४४०. (B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४४१. (A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “देह आ गरिमा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४४२. (C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४४३. (B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४४४. (A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४४५. (B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४४६. (C) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “शिक्षा-कामना” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४४७. (B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४४८. (B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४४९. (D) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४५०. (C) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४५१. (A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “प्रवास” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४५२. (C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४५३. (C) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४५४. (C) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४५५. (B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४५६. (A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “गरीबी” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४५७. (C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४५८. (A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४५९. (D) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४६०. (D) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४६१. (A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “बेरोजगारी” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४६२. (C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४६३. (C) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४६४. (B) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४६५. (A) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४६६. (D) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “किसान-जीवन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४६७. (B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४६८. (D) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४६९. (C) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४७०. (C) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४७१. (B) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “बाल-दृष्टि” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४७२. (D) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४७३. (A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४७४. (B) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४७५. (B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४७६. (C) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “बुजुर्ग अनुभव” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४७७. (A) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४७८. (A) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४७९. (A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४८०. (A) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४८१. (B) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “लोक-न्याय” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४८२. (A) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४८३. (D) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४८४. (C) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४८५. (A) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४८६. (C) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “प्रतिरोधक स्वर” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४८७. (B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४८८. (D) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४८९. (A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४९०. (C) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४९१. (B) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “समावेशी आलोचना” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४९२. (C) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४९३. (C) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४९४. (D) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

४९५. (B) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

४९६. (A) दबायल स्वर आ जीवन-अनुभवक साहित्यिक पहचान — “सामाजिक पुनर्पाठ” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

४९७. (B) रचना, जीवन-कथा, लोक-स्मृति, साक्षात्कार आ सामाजिक प्रसंग — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

४९८. (B) पात्र, भाषा आ सामाजिक संरचनाक साथ-साथ विश्लेषण — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

४९९. (A) दया-भावसँ नहि, गरिमा आ अधिकार-दृष्टिसँ पढ़ब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५००. (C) साहित्यक माध्यमसँ समाजक असमानता उजागर करब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५०१. (A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “मुक्त छन्द” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५०२. (D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५०३. (D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५०४. (C) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५०५. (D) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५०६. (A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “गीतात्मक कविता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५०७. (D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५०८. (B) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५०९. (C) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५१०. (A) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५११. (C) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “लोकबिम्ब” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५१२. (C) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५१३. (D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५१४. (B) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५१५. (B) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५१६. (D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “शहरक अनुभव” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५१७. (C) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५१८. (A) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५१९. (C) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५२०. (A) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५२१. (D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “गामक स्मृति” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५२२. (D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५२३. (C) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५२४. (B) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५२५. (A) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५२६. (D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — "प्रकृति-चेतना" पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५२७. (B) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५२८. (D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५२९. (A) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५३०. (B) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५३१. (D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — "राजनीतिक कविता" पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५३२. (D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५३३. (C) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५३४. (A) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५३५. (D) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५३६. (C) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — "अस्मिता" पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५३७. (A) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५३८. (B) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५३९. (B) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५४०. (B) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५४१. (D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — "प्रवासक पीड़ा" पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५४२. (C) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५४३. (B) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५४४. (A) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५४५. (C) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५४६. (D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “भाषिक प्रयोग” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५४७. (B) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५४८. (D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५४९. (C) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५५०. (B) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५५१. (A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “नव प्रतीक” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५५२. (D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५५३. (A) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५५४. (A) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५५५. (B) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५५६. (C) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “लघु कविता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५५७. (A) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५५८. (C) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५५९. (A) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५६०. (C) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५६१. (A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “व्यंग्यात्मक कविता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५६२. (D) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५६३. (D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५६४. (D) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५६५. (D) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५६६. (A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “नारी-काव्य” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५६७. (B) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५६८. (A) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५६९. (C) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५७०. (D) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५७१. (D) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “युवा स्वर” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५७२. (A) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५७३. (C) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५७४. (A) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५७५. (C) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५७६. (B) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “पर्यावरण-कविता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५७७. (B) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५७८. (A) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५७९. (D) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५८०. (B) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५८१. (C) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “स्मृति-कविता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५८२. (C) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५८३. (C) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५८४. (B) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५८५. (D) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५८६. (C) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “प्रेमक नव रूप” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५८७. (A) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५८८. (B) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५८९. (C) केवल नारा कैँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५९०. (B) आजुक समयक संवेदना कैँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५९१. (B) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “आत्मस्वर” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५९२. (B) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५९३. (D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५९४. (B) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

५९५. (B) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

५९६. (A) नव अनुभवक काव्यात्मक भाषा आ बिम्ब — “सामूहिक वेदना” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

५९७. (C) कविता-संग्रह, पत्रिका, कवि-पाठ आ आलोचना — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

५९८. (D) बिम्ब, लय, भाषा, भाव आ सामाजिक सन्दर्भक संयुक्त पढ़ाइ — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

५९९. (D) केवल नारा केँ कविता मानि मूल्यांकन नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६००. (A) आजुक समयक संवेदना केँ मैथिली काव्यमे पहिचानब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६०१. (C) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “लघुकथा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६०२. (C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६०३. (D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६०४. (A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६०५. (C) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६०६. (B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “छोट कथा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६०७. (C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६०८. (D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६०९. (C) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६१०. (C) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६११. (D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “उपन्यास” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६१२. (A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६१३. (D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६१४. (A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६१५. (D) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६१६. (D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “कथानक-विन्यास” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६१७. (C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६१८. (D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६१९. (A) कथाकैँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६२०. (A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६२१. (B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “पात्र-मनोविज्ञान” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६२२. (D) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६२३. (D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६२४. (D) कथाकैँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६२५. (D) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६२६. (D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “गामक यथार्थ” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६२७. (B) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६२८. (A) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६२९. (A) कथाकैँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६३०. (D) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६३१. (A) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “शहरी द्वन्द्व” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६३२. (A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६३३. (D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६३४. (A) कथाकैँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६३५. (A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६३६. (C) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “प्रवासी जीवन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६३७. (A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६३८. (B) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६३९. (D) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६४०. (D) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६४१. (A) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “स्त्री-पात्र” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६४२. (D) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६४३. (D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६४४. (C) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६४५. (A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६४६. (C) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “युवा पात्र” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६४७. (C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६४८. (A) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६४९. (D) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६५०. (D) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६५१. (B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “बुजुर्ग पात्र” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६५२. (B) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६५३. (C) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६५४. (C) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६५५. (B) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६५६. (B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “किसान-संकट” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६५७. (C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६५८. (B) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६५९. (C) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६६०. (A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६६१. (B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “श्रमक कथा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६६२. (C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६६३. (B) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६६४. (C) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६६५. (B) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६६६. (A) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “परिवारक टूटन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६६७. (C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६६८. (B) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६६९. (A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६७०. (C) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६७१. (B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “जाति-वर्ग संघर्ष” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६७२. (A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६७३. (A) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६७४. (A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६७५. (A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६७६. (D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “भाषिक संवाद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६७७. (C) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६७८. (D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६७९. (B) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६८०. (A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता कैँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६८१. (A) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “आन्तरिक एकालाप” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६८२. (A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६८३. (D) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६८४. (D) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६८५. (A) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६८६. (B) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “व्यंग्य-कथा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६८७. (A) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६८८. (B) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६८९. (B) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६९०. (B) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६९१. (D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “इतिहासक पुनर्पाठ” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६९२. (D) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६९३. (C) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६९४. (A) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

६९५. (B) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

६९६. (D) पात्र, कथानक आ समाजक बदलैत सम्बन्ध — “नव कथाभाषा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

६९७. (B) कथा-संग्रह, उपन्यास, पत्रिका, समीक्षा आ लेखक-संवाद — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

६९८. (C) कथानक, पात्र, दृष्टिकोण आ भाषा-शिल्पक विवेचन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

६९९. (D) कथाकेँ केवल घटना-सारमे सीमित नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७००. (B) समकालीन मैथिली जीवनक जटिलता केँ कथा-रूपमे बुझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७०१. (C) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “आधुनिक नाटक” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७०२. (C) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७०३. (A) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७०४. (B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७०५. (B) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७०६. (D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — "एकांकी" पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७०७. (D) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७०८. (C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७०९. (C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७१०. (D) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७११. (A) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — "लोकनाट्य" पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७१२. (A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७१३. (D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७१४. (B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७१५. (B) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७१६. (B) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — "नाच-पार्टी" पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७१७. (D) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७१८. (B) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७१९. (A) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७२०. (D) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७२१. (A) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — "कीर्तनिया रंगधारा" पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७२२. (A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७२३. (C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७२४. (A) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७२५. (C) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७२६. (D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “मंच-भाषा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७२७. (A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७२८. (A) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७२९. (D) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७३०. (A) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७३१. (A) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “संवाद-शिल्प” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७३२. (A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७३३. (C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७३४. (C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७३५. (A) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७३६. (D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “अभिनय” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७३७. (B) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७३८. (D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७३९. (A) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७४०. (B) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७४१. (D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “निर्देशन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७४२. (D) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७४३. (C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७४४. (C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७४५. (D) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७४६. (D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “मंच-सज्जा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७४७. (C) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७४८. (B) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७४९. (C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७५०. (B) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपैँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७५१. (A) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “संगीत-प्रयोग” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७५२. (A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७५३. (D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७५४. (B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७५५. (C) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपैँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७५६. (A) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “दर्शक-संवाद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७५७. (A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७५८. (C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७५९. (C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७६०. (A) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपैँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७६१. (B) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “स्त्री-पात्र अभिनय” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७६२. (D) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७६३. (C) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७६४. (B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७६५. (C) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपैँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७६६. (C) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “हास्य-व्यंग्य” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७६७. (C) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७६८. (A) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७६९. (D) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७७०. (A) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७७१. (C) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “सामाजिक नाटक” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७७२. (D) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७७३. (B) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७७४. (B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७७५. (A) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७७६. (D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “राजनीतिक नाटक” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७७७. (B) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७७८. (D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७७९. (C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७८०. (A) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७८१. (C) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “बाल-नाटक” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७८२. (B) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७८३. (D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७८४. (C) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७८५. (A) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७८६. (D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “रंग-आलेख” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७८७. (B) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७८८. (D) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७८९. (B) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७९०. (B) मैथिली रंग-संस्कृति कैँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७९१. (D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “प्रदर्शन-समीक्षा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७९२. (A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७९३. (A) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७९४. (D) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

७९५. (D) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

७९६. (D) पाठ आ मंचक संयुक्त अनुभव — “अभिलेखित रंगमंच” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

७९७. (A) नाटक-पाठ, मंचन, कलाकार-संवाद, चित्र, ध्वनि आ समीक्षा — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

७९८. (A) संवाद, अभिनय, देह-भाषा, संगीत आ दर्शक-प्रभावक अध्ययन — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

७९९. (A) मंचन देखल बिना केवल पाठसँ पूरा निष्कर्ष नहि निकालब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८००. (C) मैथिली रंग-संस्कृति केँ जीवित कला रूपेँ समझब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८०१. (A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “मैथिली अनुवाद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८०२. (C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८०३. (C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८०४. (D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८०५. (B) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८०६. (A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “अनुवादक भूमिका” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८०७. (B) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८०८. (C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८०९. (B) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८१०. (D) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८११. (C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “मूल आ लक्ष्य भाषा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८१२. (C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८१३. (D) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८१४. (D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८१५. (C) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८१६. (A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “सांस्कृतिक पद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८१७. (C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८१८. (B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८१९. (A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८२०. (B) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८२१. (C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “लोक-संकेतक अनुवाद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८२२. (D) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८२३. (A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८२४. (B) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८२५. (A) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८२६. (D) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “कविता-अनुवाद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८२७. (D) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८२८. (B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८२९. (A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८३०. (D) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८३१. (C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “नाटक-अनुवाद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८३२. (D) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८३३. (A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८३४. (C) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८३५. (D) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८३६. (C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “कथा-अनुवाद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८३७. (C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८३८. (B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८३९. (A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८४०. (D) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८४१. (D) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “तुलनात्मक साहित्य” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८४२. (A) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८४३. (B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८४४. (C) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८४५. (C) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८४६. (B) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “बांग्ला-मैथिली सम्बन्ध” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८४७. (C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८४८. (C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८४९. (A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८५०. (C) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८५१. (B) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “असमिया-मैथिली सम्बन्ध” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८५२. (D) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकैं भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८५३. (C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८५४. (A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८५५. (A) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८५६. (C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “ओड़िया-मैथिली सम्बन्ध” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८५७. (B) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८५८. (C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८५९. (D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८६०. (B) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८६१. (D) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “हिन्दी-मैथिली संवाद” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८६२. (A) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८६३. (A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८६४. (C) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८६५. (C) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८६६. (C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “नेपाली-मैथिली सम्बन्ध” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८६७. (A) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८६८. (B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८६९. (D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८७०. (A) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८७१. (A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “प्रवासी लेखन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८७२. (C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८७३. (C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८७४. (A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८७५. (C) मैथिली केँ व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८७६. (A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “सीमा-पार मैथिली” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८७७. (B) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८७८. (A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८७९. (A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८८०. (D) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८८१. (B) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “बहुभाषिक लेखक” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८८२. (C) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८८३. (A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८८४. (A) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८८५. (D) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८८६. (C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “भाषा-स्वाभिमान” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८८७. (A) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८८८. (A) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८८९. (D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८९०. (A) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८९१. (A) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “अनुवाद-समीक्षा” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८९२. (A) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८९३. (B) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८९४. (D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

८९५. (C) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

८९६. (C) भाषा-संवाद आ सांस्कृतिक अर्थक रक्षा — “सांस्कृतिक मध्यस्थता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

८९७. (D) मूल पाठ, अनूदित पाठ, अनुवादक टिप्पणी आ तुलनात्मक सामग्री — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

८९८. (C) मूल भाव, सांस्कृतिक सन्दर्भ आ भाषिक स्वाभाविकताक मिलान — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

८९९. (D) शब्द-दर-शब्द अनुवादसँ भावक हानि नहि करब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९००. (C) मैथिली कैं व्यापक भारतीय आ विश्व-साहित्यसँ जोड़ब — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९०१. (C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “ई-पत्रिका” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९०२. (D) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९०३. (D) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९०४. (A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९०५. (C) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९०६. (B) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “डिजिटल अभिलेख” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९०७. (D) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९०८. (B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९०९. (B) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९१०. (C) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९११. (C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “ई-पुस्तक” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९१२. (C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९१३. (B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९१४. (C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९१५. (D) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९१६. (B) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “ध्वनि-संग्रह” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९१७. (B) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९१८. (C) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९१९. (D) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९२०. (D) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९२१. (A) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “दृश्य-संग्रह” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९२२. (C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९२३. (C) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९२४. (D) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९२५. (B) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९२६. (A) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “ऑनलाइन पाठक” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९२७. (C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९२८. (B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९२९. (C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९३०. (B) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९३१. (A) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “सामाजिक माध्यम” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९३२. (B) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९३३. (C) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९३४. (A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९३५. (D) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९३६. (D) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “वेब-संपादन” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९३७. (D) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९३८. (B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९३९. (C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९४०. (D) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९४१. (C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “खोज योग्य पाठ” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९४२. (C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९४३. (D) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९४४. (B) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९४५. (B) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९४६. (B) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “यूनिकोड” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९४७. (C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९४८. (C) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९४९. (C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९५०. (C) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९५१. (D) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “तिरहुता फॉन्ट” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९५२. (C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९५३. (B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९५४. (D) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९५५. (C) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९५६. (D) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “डिजिटल शब्दकोश” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९५७. (A) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९५८. (A) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९५९. (A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९६०. (B) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९६१. (D) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “शोध-संग्रह” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९६२. (B) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९६३. (B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९६४. (C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९६५. (D) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९६६. (B) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “ई-क्विज” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९६७. (C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९६८. (D) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९६९. (A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९७०. (C) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९७१. (B) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “ध्वनि-पाठ” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९७२. (C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९७३. (D) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९७४. (C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९७५. (A) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९७६. (D) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “ऑनलाइन व्याख्यान” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९७७. (A) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९७८. (B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९७९. (A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९८०. (C) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९८१. (C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच — “खुला अभिगम” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९८२. **(B) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह** — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९८३. **(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच** — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९८४. **(D) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब** — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९८५. **(D) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ** — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९८६. **(C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच** — “संग्रहक नैतिकता” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९८७. **(D) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह** — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९८८. **(B) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच** — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९८९. **(B) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब** — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९९०. **(A) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ** — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९९१. **(C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच** — “डिजिटल संरक्षण” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९९२. **(C) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह** — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९९३. **(D) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच** — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९९४. **(C) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब** — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

९९५. **(A) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ** — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

९९६. **(C) साहित्यिक सामग्रीक डिजिटल संरक्षण आ पहुँच** — “नव पाठकीय समुदाय” पर ठोस काज लेल पहिने विषयक सीमा, स्रोत आ पद्धति स्पष्ट होयब आवश्यक अछि।

९९७. **(B) ई-पत्रिका, डिजिटल पुस्तकालय, ध्वनि-दृश्य अभिलेख आ वेब-संग्रह** — प्राथमिकता ओहि सामग्रीकेँ भेटैत अछि जाहिसँ प्रत्यक्ष प्रमाण, मूल पाठ वा प्रत्यक्ष अनुभव भेटय।

९९८. **(C) सामग्रीक स्रोत, दिनांक, पाठ-शुद्धि आ पहुँचक जाँच** — आलोचनात्मक अध्ययनमे स्रोतक मिलान, सन्दर्भक समझ आ तर्कसंगत व्याख्या जरूरी अछि।

९९९. **(A) वेब पर भेटल असत्यापित सामग्री केँ तुरन्त प्रमाण नहि मानब** — शोधमे सावधानी ई अछि जे प्रमाणक सीमा स्पष्ट हो आ निष्कर्ष ओहि प्रमाणसँ मेल खाइत हो।

१०००. **(A) मैथिली अध्ययन केँ नव पाठक आ शोधक धरि पहुँचौनाइ** — समकालीन अध्ययनक लक्ष्य साहित्य, समाज, भाषा आ पाठकक बीच नव सम्बन्ध बुझब होइत अछि।

अध्याय ३ : मध्यकालीन मैथिली साहित्य: भक्ति कविता, अनुवाद, कथात्मक परम्परा — विदेह क्विज

भक्ति कविताक पृष्ठभूमि

१. मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) युद्धक केवल सूची
(B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना
(C) राजकीय कर-विवरण
(D) बाजार-दरक लेखा

२. भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) घमण्ड
(B) व्यापार
(C) दण्ड-विधान
(D) विनय आ समर्पण

३. मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल
(B) ई केवल दरबारमे सीमित छल
(C) ई मौन-पाठ मात्र छल
(D) ई गणितीय सूत्र छल

४. भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) गीतक परम्परा समाप्त भेल
(B) भाषा निर्जीव भेल
(C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल
(D) लोक-स्वर हटि गेल

५. भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि
(B) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि
(C) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि
(D) एहि सँ कथा हटैत अछि

६. परीक्षा-दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) बाजार-दरक लेखा
(B) युद्धक केवल सूची
(C) राजकीय कर-विवरण
(D) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

७. परीक्षा-दृष्टिसँ, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) घमण्ड
(B) दण्ड-विधान
(C) व्यापार
(D) विनय आ समर्पण

८. परीक्षा-दृष्टिसँ, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई मौन-पाठ मात्र छल

(B) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(C) ई गणितीय सूत्र छल

(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

९. परीक्षा-दृष्टिसँ, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) लोक-स्वर हटि गेल

(B) भाषा निर्जीव भेल

(C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(D) गीतक परम्परा समाप्त भेल

१०. परीक्षा-दृष्टिसँ, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(B) एहि सँ कथा हटैत अछि

(C) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

११. अध्ययनक समय, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) युद्धक केवल सूची

(B) राजकीय कर-विवरण

(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(D) बाजार-दरक लेखा

१२. अध्ययनक समय, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) दण्ड-विधान

(B) घमण्ड

(C) व्यापार

(D) विनय आ समर्पण

१३. अध्ययनक समय, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई मौन-पाठ मात्र छल

(B) ई गणितीय सूत्र छल

(C) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

१४. अध्ययनक समय, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) लोक-स्वर हटि गेल

(B) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(D) भाषा निर्जीव भेल

१५. अध्ययनक समय, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(B) एहि सँ कथा हटैत अछि

(C) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

१६. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) राजकीय कर-विवरण

(B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(C) बाजार-दरक लेखा

(D) युद्धक केवल सूची

१७. मध्यकालीन सन्दर्भमे, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) विनय आ समर्पण

(B) दण्ड-विधान

(C) घमण्ड

(D) व्यापार

१८. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई मौन-पाठ मात्र छल

(B) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(C) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

(D) ई गणितीय सूत्र छल

१९. मध्यकालीन सन्दर्भमे, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(C) भाषा निर्जीव भेल

(D) लोक-स्वर हटि गेल

२०. मध्यकालीन सन्दर्भमे, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ कथा हटैत अछि

(B) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(C) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

२१. साहित्यिक विश्लेषणमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) राजकीय कर-विवरण

(B) बाजार-दरक लेखा

(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(D) युद्धक केवल सूची

२२. साहित्यिक विश्लेषणमे, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) घमण्ड

(B) विनय आ समर्पण

(C) दण्ड-विधान

(D) व्यापार

२३. साहित्यिक विश्लेषणमे, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई मौन-पाठ मात्र छल

(B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

(C) ई गणितीय सूत्र छल

(D) ई केवल दरबारमे सीमित छल

२४. साहित्यिक विश्लेषणमे, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) भाषा निर्जीव भेल

(B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(C) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(D) लोक-स्वर हटि गेल

२५. साहित्यिक विश्लेषणमे, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(B) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(C) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(D) एहि सँ कथा हटैत अछि

२६. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) युद्धक केवल सूची

(B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(C) बाजार-दरक लेखा

(D) राजकीय कर-विवरण

२७. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) विनय आ समर्पण

(B) घमण्ड

(C) दण्ड-विधान

(D) व्यापार

२८. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

(C) ई गणितीय सूत्र छल

(D) ई मौन-पाठ मात्र छल

२९. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) भाषा निर्जीव भेल

(B) लोक-स्वर हटि गेल

(C) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(D) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

३०. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(B) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(C) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(D) एहि सँ कथा हटैत अछि

३१. मैथिली पाठक लेल, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) युद्धक केवल सूची

(B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(C) बाजार-दरक लेखा

(D) राजकीय कर-विवरण

३२. मैथिली पाठक लेल, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) विनय आ समर्पण

(B) व्यापार

(C) घमण्ड

(D) दण्ड-विधान

३३. मैथिली पाठक लेल, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई मौन-पाठ मात्र छल

(B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

(C) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(D) ई गणितीय सूत्र छल

३४. मैथिली पाठक लेल, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) लोक-स्वर हटि गेल

(B) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(D) भाषा निर्जीव भेल

३५. मैथिली पाठक लेल, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(B) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(C) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(D) एहि सँ कथा हटैत अछि

३६. विधागत दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(B) युद्धक केवल सूची

(C) राजकीय कर-विवरण

(D) बाजार-दरक लेखा

३७. विधागत दृष्टिसँ, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) विनय आ समर्पण

(B) व्यापार

(C) घमण्ड

(D) दण्ड-विधान

३८. विधागत दृष्टिसँ, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई गणितीय सूत्र छल

(B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

(C) ई मौन-पाठ मात्र छल

(D) ई केवल दरबारमे सीमित छल

३९. विधागत दृष्टिसँ, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(B) लोक-स्वर हटि गेल

(C) भाषा निर्जीव भेल

(D) गीतक परम्परा समाप्त भेल

४०. विधागत दृष्टिसँ, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(B) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(C) एहि सँ कथा हटैत अछि

(D) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

४१. इतिहास-बोधक आधार पर, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) राजकीय कर-विवरण

(B) बाजार-दरक लेखा

(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(D) युद्धक केवल सूची

४२. इतिहास-बोधक आधार पर, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) दण्ड-विधान

(B) व्यापार

(C) विनय आ समर्पण

(D) घमण्ड

४३. इतिहास-बोधक आधार पर, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई मौन-पाठ मात्र छल

(B) ई गणितीय सूत्र छल

(C) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

४४. इतिहास-बोधक आधार पर, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) भाषा निर्जीव भेल

(B) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(D) लोक-स्वर हटि गेल

४५. इतिहास-बोधक आधार पर, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(B) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(C) एहि सँ कथा हटैत अछि

(D) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

४६. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) बाजार-दरक लेखा

(B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(C) युद्धक केवल सूची

(D) राजकीय कर-विवरण

४७. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) विनय आ समर्पण

(B) घमण्ड

(C) दण्ड-विधान

(D) व्यापार

४८. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई मौन-पाठ मात्र छल

(B) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(C) ई गणितीय सूत्र छल

(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

४९. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(B) लोक-स्वर हटि गेल

(C) भाषा निर्जीव भेल

(D) गीतक परम्परा समाप्त भेल

५०. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(B) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(C) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(D) एहि सँ कथा हटैत अछि

५१. समग्र मूल्यांकनमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) युद्धक केवल सूची

(B) बाजार-दरक लेखा

(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(D) राजकीय कर-विवरण

५२. समग्र मूल्यांकनमे, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) घमण्ड

(B) व्यापार

(C) दण्ड-विधान

(D) विनय आ समर्पण

५३. समग्र मूल्यांकनमे, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई गणितीय सूत्र छल

(B) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(C) ई मौन-पाठ मात्र छल

(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

५४. समग्र मूल्यांकनमे, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) भाषा निर्जीव भेल

(B) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(C) लोक-स्वर हटि गेल

(D) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

५५. समग्र मूल्यांकनमे, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(B) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(C) एहि सँ कथा हटैत अछि

(D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

५६. लोक-परम्पराक धरातल पर, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) बाजार-दरक लेखा

(B) युद्धक केवल सूची

(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(D) राजकीय कर-विवरण

५७. लोक-परम्पराक धरातल पर, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) व्यापार

(B) घमण्ड

(C) दण्ड-विधान

(D) विनय आ समर्पण

५८. लोक-परम्पराक धरातल पर, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(B) ई मौन-पाठ मात्र छल

(C) ई गणितीय सूत्र छल

(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

५९. लोक-परम्पराक धरातल पर, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(B) लोक-स्वर हटि गेल

(C) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(D) भाषा निर्जीव भेल

६०. लोक-परम्पराक धरातल पर, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(B) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(C) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(D) एहि सँ कथा हटैत अछि

६१. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) राजकीय कर-विवरण

(B) बाजार-दरक लेखा

(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(D) युद्धक केवल सूची

६२. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) व्यापार

(B) विनय आ समर्पण

(C) घमण्ड

(D) दण्ड-विधान

६३. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई गणितीय सूत्र छल

(B) ई मौन-पाठ मात्र छल

(C) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

६४. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(C) लोक-स्वर हटि गेल

(D) भाषा निर्जीव भेल

६५. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(B) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(C) एहि सँ कथा हटैत अछि

(D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

६६. रस-भावक आधार पर, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) युद्धक केवल सूची

(B) राजकीय कर-विवरण

(C) बाजार-दरक लेखा

(D) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

६७. रस-भावक आधार पर, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) घमण्ड

(B) विनय आ समर्पण

(C) दण्ड-विधान

(D) व्यापार

६८. रस-भावक आधार पर, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

(C) ई मौन-पाठ मात्र छल

(D) ई गणितीय सूत्र छल

६९. रस-भावक आधार पर, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) भाषा निर्जीव भेल

(B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(C) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(D) लोक-स्वर हटि गेल

७०. रस-भावक आधार पर, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(B) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(C) एहि सँ कथा हटैत अछि

(D) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

७१. कथात्मक बोधमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) बाजार-दरक लेखा

(B) युद्धक केवल सूची

(C) राजकीय कर-विवरण

(D) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

७२. कथात्मक बोधमे, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) व्यापार

(B) दण्ड-विधान

(C) विनय आ समर्पण

(D) घमण्ड

७३. कथात्मक बोधमे, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

(B) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(C) ई मौन-पाठ मात्र छल

(D) ई गणितीय सूत्र छल

७४. कथात्मक बोधमे, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(B) भाषा निर्जीव भेल

(C) लोक-स्वर हटि गेल

(D) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

७५. कथात्मक बोधमे, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ कथा हटैत अछि

(B) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(C) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(D) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

७६. संरक्षण-दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) राजकीय कर-विवरण

(B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(C) बाजार-दरक लेखा

(D) युद्धक केवल सूची

७७. संरक्षण-दृष्टिसँ, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) घमण्ड

(B) दण्ड-विधान

(C) विनय आ समर्पण

(D) व्यापार

७८. संरक्षण-दृष्टिसँ, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई गणितीय सूत्र छल

(B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

(C) ई मौन-पाठ मात्र छल

(D) ई केवल दरबारमे सीमित छल

७९. संरक्षण-दृष्टिसँ, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) भाषा निर्जीव भेल

(B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(C) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(D) लोक-स्वर हटि गेल

८०. संरक्षण-दृष्टिसँ, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(B) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(C) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(D) एहि सँ कथा हटैत अछि

८१. तुलनात्मक अध्ययनमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) राजकीय कर-विवरण

(B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(C) बाजार-दरक लेखा

(D) युद्धक केवल सूची

८२. तुलनात्मक अध्ययनमे, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) घमण्ड

(B) दण्ड-विधान

(C) व्यापार

(D) विनय आ समर्पण

८३. तुलनात्मक अध्ययनमे, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

(B) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(C) ई गणितीय सूत्र छल

(D) ई मौन-पाठ मात्र छल

८४. तुलनात्मक अध्ययनमे, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) भाषा निर्जीव भेल

(B) लोक-स्वर हटि गेल

(C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(D) गीतक परम्परा समाप्त भेल

८५. तुलनात्मक अध्ययनमे, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ कथा हटैत अछि

(B) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(C) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(D) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

८६. शोध-प्रवेशिकामे, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) बाजार-दरक लेखा

(B) राजकीय कर-विवरण

(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(D) युद्धक केवल सूची

८७. शोध-प्रवेशिकामे, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) दण्ड-विधान

(B) व्यापार

(C) विनय आ समर्पण

(D) घमण्ड

८८. शोध-प्रवेशिकामे, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई गणितीय सूत्र छल

(B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

(C) ई मौन-पाठ मात्र छल

(D) ई केवल दरबारमे सीमित छल

८९. शोध-प्रवेशिकामे, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(B) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(C) भाषा निर्जीव भेल

(D) लोक-स्वर हटि गेल

९०. शोध-प्रवेशिकामे, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(B) एहि सँ कथा हटैत अछि

(C) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(D) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

९१. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

(B) बाजार-दरक लेखा

(C) युद्धक केवल सूची

(D) राजकीय कर-विवरण

९२. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) व्यापार

(B) विनय आ समर्पण

(C) दण्ड-विधान

(D) घमण्ड

९३. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई गणितीय सूत्र छल

(B) ई मौन-पाठ मात्र छल

(C) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

९४. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) भाषा निर्जीव भेल

(B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

(C) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(D) लोक-स्वर हटि गेल

९५. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

(B) एहि सँ कथा हटैत अछि

(C) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(D) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

९६. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे भक्ति कविताक मुख्य आधार की अछि?

(A) बाजार-दरक लेखा

(B) युद्धक केवल सूची

(C) राजकीय कर-विवरण

(D) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना

९७. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, भक्ति कवितामे कविक 'हम' प्रायः कोन भावक संकेत करैत अछि?

(A) विनय आ समर्पण

(B) घमण्ड

(C) व्यापार

(D) दण्ड-विधान

९८. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मध्यकालीन भक्तिकाव्यक लोकप्रियता किएक बढ़ल?

(A) ई मौन-पाठ मात्र छल

(B) ई केवल दरबारमे सीमित छल

(C) ई गणितीय सूत्र छल

(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल

९९. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, भक्ति कविताक एक प्रमुख सामाजिक फल की रहल?

(A) भाषा निर्जीव भेल

(B) गीतक परम्परा समाप्त भेल

(C) लोक-स्वर हटि गेल

(D) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल

१००. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, भक्ति कवितामे राग-लयक महत्त्व किएक अछि?

(A) एहि सँ अर्थ नष्ट होइत अछि

(B) एहि सँ भाषा बन्द होइत अछि

(C) एहि सँ कथा हटैत अछि

(D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि

राधा-कृष्ण भक्ति आ पदावली

१०१. राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) खेतक माप

(B) केवल कर-वसूली

(C) राजनीतिक आज्ञा

(D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

१०२. पूर्वरागक अर्थ की?

(A) दानक विधान

(B) युद्धक घोषणा

(C) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(D) वियोगक अन्तिम अवस्था

१०३. मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) निरपेक्ष व्यापारी

(B) सैनिक

(C) न्यायाधीश

(D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

१०४. विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) राज्याभिषेक

(B) खेलक नियम

(C) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(D) फसलक उत्सव मात्र

१०५. सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) शस्त्र निर्माण

(B) कर-वसूली

(C) नौका-मापन

(D) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

१०६. परीक्षा-दृष्टिसँ, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) खेतक माप

(B) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(C) राजनीतिक आज्ञा

(D) केवल कर-वसूली

१०७. परीक्षा-दृष्टिसँ, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(B) वियोगक अन्तिम अवस्था

(C) दानक विधान

(D) युद्धक घोषणा

१०८. परीक्षा-दृष्टिसँ, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(B) सैनिक

(C) निरपेक्ष व्यापारी

(D) न्यायाधीश

१०९. परीक्षा-दृष्टिसँ, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(B) खेलक नियम

(C) राज्याभिषेक

(D) फसलक उत्सव मात्र

११०. परीक्षा-दृष्टिसँ, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) शस्त्र निर्माण

(B) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(C) नौका-मापन

(D) कर-वसूली

१११. अध्ययनक समय, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) खेतक माप

(B) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(C) केवल कर-वसूली

(D) राजनीतिक आज्ञा

११२. अध्ययनक समय, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) युद्धक घोषणा

(B) वियोगक अन्तिम अवस्था

(C) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(D) दानक विधान

११३. अध्ययनक समय, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) न्यायाधीश

(B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(C) सैनिक

(D) निरपेक्ष व्यापारी

११४. अध्ययनक समय, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(B) खेलक नियम

(C) राज्याभिषेक

(D) फसलक उत्सव मात्र

११५. अध्ययनक समय, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) शस्त्र निर्माण

(B) कर-वसूली

(C) नौका-मापन

(D) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

११६. मध्यकालीन सन्दर्भमे, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) खेतक माप

(B) केवल कर-वसूली

(C) राजनीतिक आज्ञा

(D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

११७. मध्यकालीन सन्दर्भमे, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(B) युद्धक घोषणा

(C) वियोगक अन्तिम अवस्था

(D) दानक विधान

११८. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) न्यायाधीश

(B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(C) निरपेक्ष व्यापारी

(D) सैनिक

११९. मध्यकालीन सन्दर्भमे, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) राज्याभिषेक

(B) खेलक नियम

(C) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(D) फसलक उत्सव मात्र

१२०. मध्यकालीन सन्दर्भमे, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(B) शस्त्र निर्माण

(C) कर-वसूली

(D) नौका-मापन

१२१. साहित्यिक विश्लेषणमे, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) केवल कर-वसूली

(B) खेतक माप

(C) राजनीतिक आज्ञा

(D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

१२२. साहित्यिक विश्लेषणमे, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) दानक विधान

(B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(C) युद्धक घोषणा

(D) वियोगक अन्तिम अवस्था

१२३. साहित्यिक विश्लेषणमे, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) सैनिक

(B) न्यायाधीश

(C) निरपेक्ष व्यापारी

(D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

१२४. साहित्यिक विश्लेषणमे, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) फसलक उत्सव मात्र

(B) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(C) राज्याभिषेक

(D) खेलक नियम

१२५. साहित्यिक विश्लेषणमे, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(B) शस्त्र निर्माण

(C) कर-वसूली

(D) नौका-मापन

१२६. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(B) खेतक माप

(C) राजनीतिक आज्ञा

(D) केवल कर-वसूली

१२७. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) युद्धक घोषणा

(B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(C) दानक विधान

(D) वियोगक अन्तिम अवस्था

१२८. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) निरपेक्ष व्यापारी

(B) सैनिक

(C) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(D) न्यायाधीश

१२९. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) खेलक नियम

(B) फसलक उत्सव मात्र

(C) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(D) राज्याभिषेक

१३०. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) नौका-मापन

(B) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(C) कर-वसूली

(D) शस्त्र निर्माण

१३१. मैथिली पाठक लेल, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) केवल कर-वसूली

(B) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(C) खेतक माप

(D) राजनीतिक आज्ञा

१३२. मैथिली पाठक लेल, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) युद्धक घोषणा

(B) दानक विधान

(C) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(D) वियोगक अन्तिम अवस्था

१३३. मैथिली पाठक लेल, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) न्यायाधीश

(B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(C) सैनिक

(D) निरपेक्ष व्यापारी

१३४. मैथिली पाठक लेल, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) फसलक उत्सव मात्र

(B) खेलक नियम

(C) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(D) राज्याभिषेक

१३५. मैथिली पाठक लेल, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) कर-वसूली

(B) नौका-मापन

(C) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(D) शस्त्र निर्माण

१३६. विधागत दृष्टिसँ, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) खेतक माप

(B) राजनीतिक आज्ञा

(C) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(D) केवल कर-वसूली

१३७. विधागत दृष्टिसँ, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) युद्धक घोषणा

(B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(C) वियोगक अन्तिम अवस्था

(D) दानक विधान

१३८. विधागत दृष्टिसँ, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) न्यायाधीश

(B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(C) निरपेक्ष व्यापारी

(D) सैनिक

१३९. विधागत दृष्टिसँ, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) फसलक उत्सव मात्र

(B) खेलक नियम

(C) राज्याभिषेक

(D) प्रिय-वियोगक पीड़ा

१४०. विधागत दृष्टिसँ, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) शस्त्र निर्माण

(B) कर-वसूली

(C) नौका-मापन

(D) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

१४१. इतिहास-बोधक आधार पर, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(B) खेतक माप

(C) राजनीतिक आज्ञा

(D) केवल कर-वसूली

१४२. इतिहास-बोधक आधार पर, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) वियोगक अन्तिम अवस्था

(B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(C) दानक विधान

(D) युद्धक घोषणा

१४३. इतिहास-बोधक आधार पर, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(B) न्यायाधीश

(C) सैनिक

(D) निरपेक्ष व्यापारी

१४४. इतिहास-बोधक आधार पर, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(B) राज्याभिषेक

(C) खेलक नियम

(D) फसलक उत्सव मात्र

१४५. इतिहास-बोधक आधार पर, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) शस्त्र निर्माण

(B) नौका-मापन

(C) कर-वसूली

(D) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

१४६. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(B) खेतक माप

(C) राजनीतिक आज्ञा

(D) केवल कर-वसूली

१४७. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) युद्धक घोषणा

(B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(C) वियोगक अन्तिम अवस्था

(D) दानक विधान

१४८. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) सैनिक

(B) निरपेक्ष व्यापारी

(C) न्यायाधीश

(D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

१४९. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(B) फसलक उत्सव मात्र

(C) राज्याभिषेक

(D) खेलक नियम

१५०. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) कर-वसूली

(B) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(C) नौका-मापन

(D) शस्त्र निर्माण

१५१. समग्र मूल्यांकनमे, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) खेतक माप

(B) केवल कर-वसूली

(C) राजनीतिक आज्ञा

(D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

१५२. समग्र मूल्यांकनमे, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) वियोगक अन्तिम अवस्था

(B) युद्धक घोषणा

(C) दानक विधान

(D) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

१५३. समग्र मूल्यांकनमे, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) निरपेक्ष व्यापारी

(B) न्यायाधीश

(C) सैनिक

(D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

१५४. समग्र मूल्यांकनमे, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) खेलक नियम

(B) फसलक उत्सव मात्र

(C) राज्याभिषेक

(D) प्रिय-वियोगक पीड़ा

१५५. समग्र मूल्यांकनमे, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) कर-वसूली

(B) शस्त्र निर्माण

(C) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(D) नौका-मापन

१५६. लोक-परम्पराक धरातल पर, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) राजनीतिक आज्ञा

(B) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(C) खेतक माप

(D) केवल कर-वसूली

१५७. लोक-परम्पराक धरातल पर, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(B) वियोगक अन्तिम अवस्था

(C) दानक विधान

(D) युद्धक घोषणा

१५८. लोक-परम्पराक धरातल पर, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) सैनिक

(B) निरपेक्ष व्यापारी

(C) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(D) न्यायाधीश

१५९. लोक-परम्पराक धरातल पर, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) राज्याभिषेक

(B) खेलक नियम

(C) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(D) फसलक उत्सव मात्र

१६०. लोक-परम्पराक धरातल पर, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) शस्त्र निर्माण

(B) कर-वसूली

(C) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(D) नौका-मापन

१६१. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) केवल कर-वसूली

(B) राजनीतिक आज्ञा

(C) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(D) खेतक माप

१६२. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) युद्धक घोषणा

(B) दानक विधान

(C) वियोगक अन्तिम अवस्था

(D) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

१६३. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) न्यायाधीश

(B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(C) सैनिक

(D) निरपेक्ष व्यापारी

१६४. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) खेलक नियम

(B) राज्याभिषेक

(C) फसलक उत्सव मात्र

(D) प्रिय-वियोगक पीड़ा

१६५. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) नौका-मापन

(B) शस्त्र निर्माण

(C) कर-वसूली

(D) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

१६६. रस-भावक आधार पर, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) राजनीतिक आज्ञा

(B) खेतक माप

(C) केवल कर-वसूली

(D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

१६७. रस-भावक आधार पर, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) युद्धक घोषणा

(B) दानक विधान

(C) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(D) वियोगक अन्तिम अवस्था

१६८. रस-भावक आधार पर, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) न्यायाधीश

(B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(C) सैनिक

(D) निरपेक्ष व्यापारी

१६९. रस-भावक आधार पर, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) राज्याभिषेक

(B) फसलक उत्सव मात्र

(C) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(D) खेलक नियम

१७०. रस-भावक आधार पर, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) कर-वसूली

(B) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(C) नौका-मापन

(D) शस्त्र निर्माण

१७१. कथात्मक बोधमे, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(B) राजनीतिक आज्ञा

(C) खेतक माप

(D) केवल कर-वसूली

१७२. कथात्मक बोधमे, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) वियोगक अन्तिम अवस्था

(B) युद्धक घोषणा

(C) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(D) दानक विधान

१७३. कथात्मक बोधमे, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) न्यायाधीश

(B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(C) सैनिक

(D) निरपेक्ष व्यापारी

१७४. कथात्मक बोधमे, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) खेलक नियम

(B) फसलक उत्सव मात्र

(C) राज्याभिषेक

(D) प्रिय-वियोगक पीड़ा

१७५. कथात्मक बोधमे, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) नौका-मापन

(B) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(C) शस्त्र निर्माण

(D) कर-वसूली

१७६. संरक्षण-दृष्टिसँ, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) राजनीतिक आज्ञा

(B) खेतक माप

(C) केवल कर-वसूली

(D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

१७७. संरक्षण-दृष्टिसँ, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) युद्धक घोषणा

(B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(C) दानक विधान

(D) वियोगक अन्तिम अवस्था

१७८. संरक्षण-दृष्टिसँ, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) सैनिक

(B) न्यायाधीश

(C) निरपेक्ष व्यापारी

(D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

१७९. संरक्षण-दृष्टिसँ, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) फसलक उत्सव मात्र

(B) खेलक नियम

(C) राज्याभिषेक

(D) प्रिय-वियोगक पीड़ा

१८०. संरक्षण-दृष्टिसँ, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(B) शस्त्र निर्माण

(C) नौका-मापन

(D) कर-वसूली

१८१. तुलनात्मक अध्ययनमे, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) खेतक माप

(B) राजनीतिक आज्ञा

(C) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(D) केवल कर-वसूली

१८२. तुलनात्मक अध्ययनमे, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(B) दानक विधान

(C) युद्धक घोषणा

(D) वियोगक अन्तिम अवस्था

१८३. तुलनात्मक अध्ययनमे, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) न्यायाधीश

(B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

(C) निरपेक्ष व्यापारी

(D) सैनिक

१८४. तुलनात्मक अध्ययनमे, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) फसलक उत्सव मात्र

(B) खेलक नियम

(C) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(D) राज्याभिषेक

१८५. तुलनात्मक अध्ययनमे, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(B) नौका-मापन

(C) शस्त्र निर्माण

(D) कर-वसूली

१८६. शोध-प्रवेशिकामे, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) खेतक माप

(B) केवल कर-वसूली

(C) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(D) राजनीतिक आज्ञा

१८७. शोध-प्रवेशिकामे, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) वियोगक अन्तिम अवस्था

(B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(C) युद्धक घोषणा

(D) दानक विधान

१८८. शोध-प्रवेशिकामे, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) निरपेक्ष व्यापारी

(B) सैनिक

(C) न्यायाधीश

(D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

१८९. शोध-प्रवेशिकामे, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) फसलक उत्सव मात्र

(B) खेलक नियम

(C) राज्याभिषेक

(D) प्रिय-वियोगक पीड़ा

१९०. शोध-प्रवेशिकामे, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(B) नौका-मापन

(C) कर-वसूली

(D) शस्त्र निर्माण

१९१. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) खेतक माप

(B) राजनीतिक आज्ञा

(C) केवल कर-वसूली

(D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

१९२. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) दानक विधान

(B) युद्धक घोषणा

(C) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(D) वियोगक अन्तिम अवस्था

१९३. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) निरपेक्ष व्यापारी

(B) सैनिक

(C) न्यायाधीश

(D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

१९४. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) प्रिय-वियोगक पीड़ा

(B) राज्याभिषेक

(C) फसलक उत्सव मात्र

(D) खेलक नियम

१९५. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(B) शस्त्र निर्माण

(C) कर-वसूली

(D) नौका-मापन

१९६. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, राधा-कृष्ण पदावलीमे प्रेम प्रायः कोन रूप लैत अछि?

(A) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत

(B) राजनीतिक आज्ञा

(C) खेतक माप

(D) केवल कर-वसूली

१९७. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, पूर्वरागक अर्थ की?

(A) दानक विधान

(B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण

(C) वियोगक अन्तिम अवस्था

(D) युद्धक घोषणा

१९८. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मान प्रसंगमे नायिका केहन अवस्था मे रहैत छथि?

(A) सैनिक

(B) न्यायाधीश

(C) निरपेक्ष व्यापारी

(D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था

१९९. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, विरह पदक केन्द्रीय अनुभूति की?

(A) खेलक नियम

(B) फसलक उत्सव मात्र

(C) राज्याभिषेक

(D) प्रिय-वियोगक पीड़ा

२००. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, सखी पात्रक मुख्य साहित्यिक भूमिका की?

(A) नौका-मापन

(B) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन

(C) कर-वसूली

(D) शस्त्र निर्माण

शैव, शाक्त आ लोक-धार्मिक कविता

२०१. शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) व्यापारी

(B) नाविक

(C) शिव

(D) केवल राजा

२०२. शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(B) निःसंग पत्थर

(C) कागजी नियम

(D) केवल व्यापारी

२०३. नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) सैन्य-अभ्यास

(B) न्यायालय

(C) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(D) नौकायन

२०४. मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई मौन विधान छल

(B) ई केवल शिलालेख छल

(C) ई गणना-पुस्तक छल

(D) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

२०५. लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(B) भाषा-निषेधमे

(C) कथा-विरोधमे

(D) केवल सिक्का गिनबामे

२०६. परीक्षा-दृष्टिसँ, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) केवल राजा

(B) नाविक

(C) शिव

(D) व्यापारी

२०७. परीक्षा-दृष्टिसँ, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) निःसंग पत्थर

(B) कागजी नियम

(C) केवल व्यापारी

(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

२०८. परीक्षा-दृष्टिसँ, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) नौकायन

(B) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(C) न्यायालय

(D) सैन्य-अभ्यास

२०९. परीक्षा-दृष्टिसँ, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(B) ई गणना-पुस्तक छल

(C) ई केवल शिलालेख छल

(D) ई मौन विधान छल

२१०. परीक्षा-दृष्टिसँ, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) कथा-विरोधमे

(B) केवल सिक्का गिनबामे

(C) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(D) भाषा-निषेधमे

२११. अध्ययनक समय, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) व्यापारी

(B) नाविक

(C) केवल राजा

(D) शिव

२१२. अध्ययनक समय, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) केवल व्यापारी

(B) कागजी नियम

(C) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(D) निःसंग पत्थर

२१३. अध्ययनक समय, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) सैन्य-अभ्यास

(B) न्यायालय

(C) नौकायन

(D) शिव-भक्ति आ लोकगीत

२१४. अध्ययनक समय, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई मौन विधान छल

(B) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(C) ई केवल शिलालेख छल

(D) ई गणना-पुस्तक छल

२१५. अध्ययनक समय, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) भाषा-निषेधमे

(B) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(C) केवल सिक्का गिनबामे

(D) कथा-विरोधमे

२१६. मध्यकालीन सन्दर्भमे, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) शिव

(B) व्यापारी

(C) केवल राजा

(D) नाविक

२१७. मध्यकालीन सन्दर्भमे, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) कागजी नियम

(B) निःसंग पत्थर

(C) केवल व्यापारी

(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

२१८. मध्यकालीन सन्दर्भमे, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) सैन्य-अभ्यास

(B) न्यायालय

(C) नौकायन

(D) शिव-भक्ति आ लोकगीत

२१९. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई गणना-पुस्तक छल

(B) ई मौन विधान छल

(C) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(D) ई केवल शिलालेख छल

२२०. मध्यकालीन सन्दर्भमे, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(B) केवल सिक्का गिनबामे

(C) भाषा-निषेधमे

(D) कथा-विरोधमे

२२१. साहित्यिक विश्लेषणमे, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) शिव

(B) नाविक

(C) व्यापारी

(D) केवल राजा

२२२. साहित्यिक विश्लेषणमे, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) निःसंग पत्थर

(B) केवल व्यापारी

(C) कागजी नियम

(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

२२३. साहित्यिक विश्लेषणमे, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) सैन्य-अभ्यास

(B) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(C) नौकायन

(D) न्यायालय

२२४. साहित्यिक विश्लेषणमे, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई मौन विधान छल

(B) ई केवल शिलालेख छल

(C) ई गणना-पुस्तक छल

(D) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

२२५. साहित्यिक विश्लेषणमे, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) केवल सिक्का गिनबामे

(B) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(C) भाषा-निषेधमे

(D) कथा-विरोधमे

२२६. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) व्यापारी

(B) शिव

(C) केवल राजा

(D) नाविक

२२७. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) कागजी नियम

(B) निःसंग पत्थर

(C) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(D) केवल व्यापारी

२२८. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(B) नौकायन

(C) न्यायालय

(D) सैन्य-अभ्यास

२२९. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(B) ई मौन विधान छल

(C) ई केवल शिलालेख छल

(D) ई गणना-पुस्तक छल

२३०. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) केवल सिक्का गिनबामे

(B) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(C) भाषा-निषेधमे

(D) कथा-विरोधमे

२३१. मैथिली पाठक लेल, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) शिव

(B) व्यापारी

(C) केवल राजा

(D) नाविक

२३२. मैथिली पाठक लेल, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) केवल व्यापारी

(B) कागजी नियम

(C) निःसंग पत्थर

(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

२३३. मैथिली पाठक लेल, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) नौकायन

(B) न्यायालय

(C) सैन्य-अभ्यास

(D) शिव-भक्ति आ लोकगीत

२३४. मैथिली पाठक लेल, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(B) ई गणना-पुस्तक छल

(C) ई मौन विधान छल

(D) ई केवल शिलालेख छल

२३५. मैथिली पाठक लेल, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) भाषा-निषेधमे

(B) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(C) केवल सिक्का गिनबामे

(D) कथा-विरोधमे

२३६. विधागत दृष्टिसँ, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) व्यापारी

(B) नाविक

(C) शिव

(D) केवल राजा

२३७. विधागत दृष्टिसँ, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) कागजी नियम

(B) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(C) निःसंग पत्थर

(D) केवल व्यापारी

२३८. विधागत दृष्टिसँ, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) सैन्य-अभ्यास

(B) न्यायालय

(C) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(D) नौकायन

२३९. विधागत दृष्टिसँ, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई केवल शिलालेख छल

(B) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(C) ई मौन विधान छल

(D) ई गणना-पुस्तक छल

२४०. विधागत दृष्टिसँ, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) कथा-विरोधमे

(B) केवल सिक्का गिनबामे

(C) भाषा-निषेधमे

(D) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

२४१. इतिहास-बोधक आधार पर, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) नाविक

(B) शिव

(C) केवल राजा

(D) व्यापारी

२४२. इतिहास-बोधक आधार पर, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(B) कागजी नियम

(C) केवल व्यापारी

(D) निःसंग पत्थर

२४३. इतिहास-बोधक आधार पर, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) सैन्य-अभ्यास

(B) नौकायन

(C) न्यायालय

(D) शिव-भक्ति आ लोकगीत

२४४. इतिहास-बोधक आधार पर, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई केवल शिलालेख छल

(B) ई मौन विधान छल

(C) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(D) ई गणना-पुस्तक छल

२४५. इतिहास-बोधक आधार पर, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) भाषा-निषेधमे

(B) कथा-विरोधमे

(C) केवल सिक्का गिनबामे

(D) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

२४६. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) शिव

(B) नाविक

(C) केवल राजा

(D) व्यापारी

२४७. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) कागजी नियम

(B) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(C) केवल व्यापारी

(D) निःसंग पत्थर

२४८. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) नौकायन

(B) सैन्य-अभ्यास

(C) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(D) न्यायालय

२४९. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(B) ई केवल शिलालेख छल

(C) ई गणना-पुस्तक छल

(D) ई मौन विधान छल

२५०. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) भाषा-निषेधमे

(B) केवल सिक्का गिनबामे

(C) कथा-विरोधमे

(D) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

२५१. समग्र मूल्यांकनमे, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) नाविक

(B) शिव

(C) केवल राजा

(D) व्यापारी

२५२. समग्र मूल्यांकनमे, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) केवल व्यापारी

(B) कागजी नियम

(C) निःसंग पत्थर

(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

२५३. समग्र मूल्यांकनमे, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) सैन्य-अभ्यास

(B) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(C) नौकायन

(D) न्यायालय

२५४. समग्र मूल्यांकनमे, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई केवल शिलालेख छल

(B) ई गणना-पुस्तक छल

(C) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(D) ई मौन विधान छल

२५५. समग्र मूल्यांकनमे, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) केवल सिक्का गिनबामे

(B) भाषा-निषेधमे

(C) कथा-विरोधमे

(D) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

२५६. लोक-परम्पराक धरातल पर, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) व्यापारी

(B) केवल राजा

(C) नाविक

(D) शिव

२५७. लोक-परम्पराक धरातल पर, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(B) निःसंग पत्थर

(C) कागजी नियम

(D) केवल व्यापारी

२५८. लोक-परम्पराक धरातल पर, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) न्यायालय

(B) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(C) नौकायन

(D) सैन्य-अभ्यास

२५९. लोक-परम्पराक धरातल पर, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई गणना-पुस्तक छल

(B) ई केवल शिलालेख छल

(C) ई मौन विधान छल

(D) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

२६०. लोक-परम्पराक धरातल पर, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(B) भाषा-निषेधमे

(C) कथा-विरोधमे

(D) केवल सिक्का गिनबामे

२६१. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) व्यापारी

(B) शिव

(C) नाविक

(D) केवल राजा

२६२. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) निःसंग पत्थर

(B) केवल व्यापारी

(C) कागजी नियम

(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

२६३. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(B) नौकायन

(C) न्यायालय

(D) सैन्य-अभ्यास

२६४. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई गणना-पुस्तक छल

(B) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(C) ई मौन विधान छल

(D) ई केवल शिलालेख छल

२६५. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) भाषा-निषेधमे

(B) कथा-विरोधमे

(C) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(D) केवल सिक्का गिनबामे

२६६. रस-भावक आधार पर, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) केवल राजा

(B) व्यापारी

(C) शिव

(D) नाविक

२६७. रस-भावक आधार पर, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(B) कागजी नियम

(C) निःसंग पत्थर

(D) केवल व्यापारी

२६८. रस-भावक आधार पर, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) नौकायन

(B) सैन्य-अभ्यास

(C) न्यायालय

(D) शिव-भक्ति आ लोकगीत

२६९. रस-भावक आधार पर, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई गणना-पुस्तक छल

(B) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(C) ई केवल शिलालेख छल

(D) ई मौन विधान छल

२७०. रस-भावक आधार पर, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) भाषा-निषेधमे

(B) केवल सिक्का गिनबामे

(C) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(D) कथा-विरोधमे

२७१. कथात्मक बोधमे, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) शिव

(B) नाविक

(C) केवल राजा

(D) व्यापारी

२७२. कथात्मक बोधमे, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) कागजी नियम

(B) निःसंग पत्थर

(C) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(D) केवल व्यापारी

२७३. कथात्मक बोधमे, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) नौकायन

(B) न्यायालय

(C) सैन्य-अभ्यास

(D) शिव-भक्ति आ लोकगीत

२७४. कथात्मक बोधमे, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई गणना-पुस्तक छल

(B) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(C) ई मौन विधान छल

(D) ई केवल शिलालेख छल

२७५. कथात्मक बोधमे, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) भाषा-निषेधमे

(B) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(C) कथा-विरोधमे

(D) केवल सिक्का गिनबामे

२७६. संरक्षण-दृष्टिसँ, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) व्यापारी

(B) शिव

(C) केवल राजा

(D) नाविक

२७७. संरक्षण-दृष्टिसँ, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) केवल व्यापारी

(B) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(C) कागजी नियम

(D) निःसंग पत्थर

२७८. संरक्षण-दृष्टिसँ, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(B) नौकायन

(C) सैन्य-अभ्यास

(D) न्यायालय

२७९. संरक्षण-दृष्टिसँ, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई केवल शिलालेख छल

(B) ई मौन विधान छल

(C) ई गणना-पुस्तक छल

(D) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

२८०. संरक्षण-दृष्टिसँ, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) केवल सिक्का गिनबामे

(B) भाषा-निषेधमे

(C) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(D) कथा-विरोधमे

२८१. तुलनात्मक अध्ययनमे, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) केवल राजा

(B) व्यापारी

(C) नाविक

(D) शिव

२८२. तुलनात्मक अध्ययनमे, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) केवल व्यापारी

(B) कागजी नियम

(C) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(D) निःसंग पत्थर

२८३. तुलनात्मक अध्ययनमे, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(B) नौकायन

(C) सैन्य-अभ्यास

(D) न्यायालय

२८४. तुलनात्मक अध्ययनमे, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई केवल शिलालेख छल

(B) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(C) ई मौन विधान छल

(D) ई गणना-पुस्तक छल

२८५. तुलनात्मक अध्ययनमे, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) भाषा-निषेधमे

(B) केवल सिक्का गिनबामे

(C) कथा-विरोधमे

(D) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

२८६. शोध-प्रवेशिकामे, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) नाविक

(B) व्यापारी

(C) शिव

(D) केवल राजा

२८७. शोध-प्रवेशिकामे, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) निःसंग पत्थर

(B) कागजी नियम

(C) केवल व्यापारी

(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

२८८. शोध-प्रवेशिकामे, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(B) सैन्य-अभ्यास

(C) न्यायालय

(D) नौकायन

२८९. शोध-प्रवेशिकामे, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई मौन विधान छल

(B) ई गणना-पुस्तक छल

(C) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

(D) ई केवल शिलालेख छल

२९०. शोध-प्रवेशिकामे, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) भाषा-निषेधमे

(B) कथा-विरोधमे

(C) केवल सिक्का गिनबामे

(D) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

२९१. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) व्यापारी

(B) शिव

(C) केवल राजा

(D) नाविक

२९२. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(B) कागजी नियम

(C) निःसंग पत्थर

(D) केवल व्यापारी

२९३. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) सैन्य-अभ्यास

(B) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(C) न्यायालय

(D) नौकायन

२९४. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई मौन विधान छल

(B) ई केवल शिलालेख छल

(C) ई गणना-पुस्तक छल

(D) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

२९५. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(B) भाषा-निषेधमे

(C) कथा-विरोधमे

(D) केवल सिक्का गिनबामे

२९६. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, शैव भक्ति मे मुख्य आराध्य के छथि?

(A) शिव

(B) नाविक

(C) व्यापारी

(D) केवल राजा

२९७. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, शाक्त काव्य मे देवीक रूप प्रायः केहन होइत अछि?

(A) कागजी नियम

(B) केवल व्यापारी

(C) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य

(D) निःसंग पत्थर

२९८. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, नचारी-महेशवाणीक सम्बन्ध कोन भावसँ अछि?

(A) शिव-भक्ति आ लोकगीत

(B) सैन्य-अभ्यास

(C) नौकायन

(D) न्यायालय

२९९. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मध्यकालीन धार्मिक गीत लोकजीवनसँ किएक जुड़ल?

(A) ई गणना-पुस्तक छल

(B) ई मौन विधान छल

(C) ई केवल शिलालेख छल

(D) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल

३००. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, लोक-धर्मक प्रभाव साहित्यमे कोना देखाइत अछि?

(A) केवल सिक्का गिनबामे

(B) भाषा-निषेधमे

(C) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे

(D) कथा-विरोधमे

अनुवाद-परम्परा

३०१. मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) कथा लुकाएनाइ

(B) गीत रोकनाइ

(C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(D) भाषा नष्ट केनाइ

३०२. अनुवादमे ‘भावानुवाद’क अर्थ की?

(A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(B) कथा उलटेनाइ

(C) सकल अर्थ हटेनाइ

(D) नाम बदलिएनाइ मात्र

३०३. रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(C) छन्द हटि जाइत अछि

(D) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

३०४. अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(B) भाषा बन्द करैत अछि

(C) लिपि मिटबैत अछि

(D) पाठ नष्ट करैत अछि

३०५. मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) शब्दहीन रचना

(B) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(C) लोकस्मृति हटेनाइ

(D) केवल राजपत्र बनौनाइ

३०६. परीक्षा-दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) कथा लुकाएनाइ

(B) भाषा नष्ट केनाइ

(C) गीत रोकनाइ

(D) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

३०७. परीक्षा-दृष्टिसँ, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) कथा उलटेनाइ

(B) नाम बदलिएनाइ मात्र

(C) सकल अर्थ हटेनाइ

(D) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

३०८. परीक्षा-दृष्टिसँ, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(B) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(C) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(D) छन्द हटि जाइत अछि

३०९. परीक्षा-दृष्टिसँ, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) पाठ नष्ट करैत अछि

(B) भाषा बन्द करैत अछि

(C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(D) लिपि मिटबैत अछि

३१०. परीक्षा-दृष्टिसँ, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) केवल राजपत्र बनौनाइ

(B) शब्दहीन रचना

(C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(D) लोकस्मृति हटेनाइ

३११. अध्ययनक समय, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) गीत रोकनाइ

(B) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(C) भाषा नष्ट केनाइ

(D) कथा लुकाएनाइ

३१२. अध्ययनक समय, अनुवादमे ‘भावानुवाद’क अर्थ की?

(A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(B) कथा उलटेनाइ

(C) सकल अर्थ हटेनाइ

(D) नाम बदलिएनाइ मात्र

३१३. अध्ययनक समय, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(C) छन्द हटि जाइत अछि

(D) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

३१४. अध्ययनक समय, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) पाठ नष्ट करैत अछि

(B) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(C) लिपि मिटबैत अछि

(D) भाषा बन्द करैत अछि

३१५. अध्ययनक समय, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) केवल राजपत्र बनौनाइ

(B) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(C) शब्दहीन रचना

(D) लोकस्मृति हटेनाइ

३१६. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) गीत रोकनाइ

(B) भाषा नष्ट केनाइ

(C) कथा लुकाएनाइ

(D) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

३१७. मध्यकालीन सन्दर्भमे, अनुवादमे ‘भावानुवाद’क अर्थ की?

(A) नाम बदलिएनाइ मात्र

(B) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(C) कथा उलटेनाइ

(D) सकल अर्थ हटेनाइ

३१८. मध्यकालीन सन्दर्भमे, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(B) छन्द हटि जाइत अछि

(C) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(D) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

३१९. मध्यकालीन सन्दर्भमे, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) पाठ नष्ट करैत अछि

(B) लिपि मिटबैत अछि

(C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(D) भाषा बन्द करैत अछि

३२०. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(B) लोकस्मृति हटेनाइ

(C) केवल राजपत्र बनौनाइ

(D) शब्दहीन रचना

३२१. साहित्यिक विश्लेषणमे, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) गीत रोकनाइ

(B) भाषा नष्ट केनाइ

(C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(D) कथा लुकाएनाइ

३२२. साहित्यिक विश्लेषणमे, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) नाम बदलिएनाइ मात्र

(B) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(C) सकल अर्थ हटेनाइ

(D) कथा उलटेनाइ

३२३. साहित्यिक विश्लेषणमे, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) छन्द हटि जाइत अछि

(B) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(C) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(D) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

३२४. साहित्यिक विश्लेषणमे, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(B) भाषा बन्द करैत अछि

(C) लिपि मिटबैत अछि

(D) पाठ नष्ट करैत अछि

३२५. साहित्यिक विश्लेषणमे, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(B) शब्दहीन रचना

(C) लोकस्मृति हटेनाइ

(D) केवल राजपत्र बनौनाइ

३२६. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) भाषा नष्ट केनाइ

(B) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(C) गीत रोकनाइ

(D) कथा लुकाएनाइ

३२७. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) कथा उलटेनाइ

(B) नाम बदलिएनाइ मात्र

(C) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(D) सकल अर्थ हटेनाइ

३२८. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(C) छन्द हटि जाइत अछि

(D) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

३२९. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) लिपि मिटबैत अछि

(B) भाषा बन्द करैत अछि

(C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(D) पाठ नष्ट करैत अछि

३३०. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) लोकस्मृति हटेनाइ

(B) शब्दहीन रचना

(C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(D) केवल राजपत्र बनौनाइ

३३१. मैथिली पाठक लेल, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) गीत रोकनाइ

(B) कथा लुकाएनाइ

(C) भाषा नष्ट केनाइ

(D) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

३३२. मैथिली पाठक लेल, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) सकल अर्थ हटेनाइ

(B) नाम बदलिएनाइ मात्र

(C) कथा उलटेनाइ

(D) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

३३३. मैथिली पाठक लेल, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(B) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(C) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(D) छन्द हटि जाइत अछि

३३४. मैथिली पाठक लेल, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) लिपि मिटबैत अछि

(B) भाषा बन्द करैत अछि

(C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(D) पाठ नष्ट करैत अछि

३३५. मैथिली पाठक लेल, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) शब्दहीन रचना

(B) केवल राजपत्र बनौनाइ

(C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(D) लोकस्मृति हटेनाइ

३३६. विधागत दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) गीत रोकनाइ

(B) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(C) भाषा नष्ट केनाइ

(D) कथा लुकाएनाइ

३३७. विधागत दृष्टिसँ, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) नाम बदलिएनाइ मात्र

(B) कथा उलटेनाइ

(C) सकल अर्थ हटेनाइ

(D) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

३३८. विधागत दृष्टिसँ, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(B) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(C) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(D) छन्द हटि जाइत अछि

३३९. विधागत दृष्टिसँ, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) पाठ नष्ट करैत अछि

(B) भाषा बन्द करैत अछि

(C) लिपि मिटबैत अछि

(D) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

३४०. विधागत दृष्टिसँ, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) केवल राजपत्र बनौनाइ

(B) शब्दहीन रचना

(C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(D) लोकस्मृति हटेनाइ

३४१. इतिहास-बोधक आधार पर, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) कथा लुकाएनाइ

(B) गीत रोकनाइ

(C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(D) भाषा नष्ट केनाइ

३४२. इतिहास-बोधक आधार पर, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) नाम बदलिएनाइ मात्र

(B) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(C) कथा उलटेनाइ

(D) सकल अर्थ हटेनाइ

३४३. इतिहास-बोधक आधार पर, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(B) छन्द हटि जाइत अछि

(C) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(D) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

३४४. इतिहास-बोधक आधार पर, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(B) भाषा बन्द करैत अछि

(C) पाठ नष्ट करैत अछि

(D) लिपि मिटबैत अछि

३४५. इतिहास-बोधक आधार पर, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(B) शब्दहीन रचना

(C) केवल राजपत्र बनौनाइ

(D) लोकस्मृति हटेनाइ

३४६. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) कथा लुकाएनाइ

(B) भाषा नष्ट केनाइ

(C) गीत रोकनाइ

(D) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

३४७. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(B) सकल अर्थ हटेनाइ

(C) नाम बदलिएनाइ मात्र

(D) कथा उलटेनाइ

३४८. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(B) छन्द हटि जाइत अछि

(C) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(D) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

३४९. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) भाषा बन्द करैत अछि

(B) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(C) पाठ नष्ट करैत अछि

(D) लिपि मिटबैत अछि

३५०. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) लोकस्मृति हटेनाइ

(B) शब्दहीन रचना

(C) केवल राजपत्र बनौनाइ

(D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

३५१. समग्र मूल्यांकनमे, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(B) कथा लुकाएनाइ

(C) भाषा नष्ट केनाइ

(D) गीत रोकनाइ

३५२. समग्र मूल्यांकनमे, अनुवादमे ‘भावानुवाद’क अर्थ की?

(A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(B) नाम बदलिएनाइ मात्र

(C) सकल अर्थ हटेनाइ

(D) कथा उलटेनाइ

३५३. समग्र मूल्यांकनमे, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(B) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(C) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(D) छन्द हटि जाइत अछि

३५४. समग्र मूल्यांकनमे, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(B) लिपि मिटबैत अछि

(C) भाषा बन्द करैत अछि

(D) पाठ नष्ट करैत अछि

३५५. समग्र मूल्यांकनमे, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) केवल राजपत्र बनौनाइ

(B) शब्दहीन रचना

(C) लोकस्मृति हटेनाइ

(D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

३५६. लोक-परम्पराक धरातल पर, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(B) कथा लुकाएनाइ

(C) भाषा नष्ट केनाइ

(D) गीत रोकनाइ

३५७. लोक-परम्पराक धरातल पर, अनुवादमे ‘भावानुवाद’क अर्थ की?

(A) नाम बदलिएनाइ मात्र

(B) कथा उलटेनाइ

(C) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(D) सकल अर्थ हटेनाइ

३५८. लोक-परम्पराक धरातल पर, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(C) छन्द हटि जाइत अछि

(D) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

३५९. लोक-परम्पराक धरातल पर, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) लिपि मिटबैत अछि

(B) पाठ नष्ट करैत अछि

(C) भाषा बन्द करैत अछि

(D) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

३६०. लोक-परम्पराक धरातल पर, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) लोकस्मृति हटेनाइ

(B) केवल राजपत्र बनौनाइ

(C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(D) शब्दहीन रचना

३६१. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) कथा लुकाएनाइ

(B) भाषा नष्ट केनाइ

(C) गीत रोकनाइ

(D) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

३६२. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) नाम बदलिएनाइ मात्र

(B) सकल अर्थ हटेनाइ

(C) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(D) कथा उलटेनाइ

३६३. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(B) छन्द हटि जाइत अछि

(C) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(D) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

३६४. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) भाषा बन्द करैत अछि

(B) लिपि मिटबैत अछि

(C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(D) पाठ नष्ट करैत अछि

३६५. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) केवल राजपत्र बनौनाइ

(B) लोकस्मृति हटेनाइ

(C) शब्दहीन रचना

(D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

३६६. रस-भावक आधार पर, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) भाषा नष्ट केनाइ

(B) कथा लुकाएनाइ

(C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(D) गीत रोकनाइ

३६७. रस-भावक आधार पर, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) नाम बदलिएनाइ मात्र

(B) कथा उलटेनाइ

(C) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(D) सकल अर्थ हटेनाइ

३६८. रस-भावक आधार पर, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) छन्द हटि जाइत अछि

(B) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(C) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(D) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

३६९. रस-भावक आधार पर, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) भाषा बन्द करैत अछि

(B) लिपि मिटबैत अछि

(C) पाठ नष्ट करैत अछि

(D) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

३७०. रस-भावक आधार पर, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(B) शब्दहीन रचना

(C) केवल राजपत्र बनौनाइ

(D) लोकस्मृति हटेनाइ

३७१. कथात्मक बोधमे, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) भाषा नष्ट केनाइ

(B) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(C) गीत रोकनाइ

(D) कथा लुकाएनाइ

३७२. कथात्मक बोधमे, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) नाम बदलिएनाइ मात्र

(B) कथा उलटेनाइ

(C) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(D) सकल अर्थ हटेनाइ

३७३. कथात्मक बोधमे, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(B) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(C) छन्द हटि जाइत अछि

(D) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

३७४. कथात्मक बोधमे, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) भाषा बन्द करैत अछि

(B) पाठ नष्ट करैत अछि

(C) लिपि मिटबैत अछि

(D) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

३७५. कथात्मक बोधमे, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) शब्दहीन रचना

(B) केवल राजपत्र बनौनाइ

(C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(D) लोकस्मृति हटेनाइ

३७६. संरक्षण-दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) गीत रोकनाइ

(B) कथा लुकाएनाइ

(C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(D) भाषा नष्ट केनाइ

३७७. संरक्षण-दृष्टिसँ, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(B) सकल अर्थ हटेनाइ

(C) नाम बदलिएनाइ मात्र

(D) कथा उलटेनाइ

३७८. संरक्षण-दृष्टिसँ, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(C) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(D) छन्द हटि जाइत अछि

३७९. संरक्षण-दृष्टिसँ, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(B) पाठ नष्ट करैत अछि

(C) भाषा बन्द करैत अछि

(D) लिपि मिटबैत अछि

३८०. संरक्षण-दृष्टिसँ, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(B) लोकस्मृति हटेनाइ

(C) केवल राजपत्र बनौनाइ

(D) शब्दहीन रचना

३८१. तुलनात्मक अध्ययनमे, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) गीत रोकनाइ

(B) भाषा नष्ट केनाइ

(C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(D) कथा लुकाएनाइ

३८२. तुलनात्मक अध्ययनमे, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) नाम बदलिएनाइ मात्र

(B) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(C) सकल अर्थ हटेनाइ

(D) कथा उलटेनाइ

३८३. तुलनात्मक अध्ययनमे, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(B) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(C) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(D) छन्द हटि जाइत अछि

३८४. तुलनात्मक अध्ययनमे, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(B) पाठ नष्ट करैत अछि

(C) लिपि मिटबैत अछि

(D) भाषा बन्द करैत अछि

३८५. तुलनात्मक अध्ययनमे, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) लोकस्मृति हटेनाइ

(B) केवल राजपत्र बनौनाइ

(C) शब्दहीन रचना

(D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

३८६. शोध-प्रवेशिकामे, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(B) गीत रोकनाइ

(C) कथा लुकाएनाइ

(D) भाषा नष्ट केनाइ

३८७. शोध-प्रवेशिकामे, अनुवादमे 'भावानुवाद'क अर्थ की?

(A) नाम बदलिएनाइ मात्र

(B) कथा उलटेनाइ

(C) सकल अर्थ हटेनाइ

(D) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

३८८. शोध-प्रवेशिकामे, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(B) छन्द हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(D) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

३८९. शोध-प्रवेशिकामे, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) लिपि मिटबैत अछि

(B) भाषा बन्द करैत अछि

(C) पाठ नष्ट करैत अछि

(D) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

३९०. शोध-प्रवेशिकामे, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) केवल राजपत्र बनौनाइ

(B) लोकस्मृति हटेनाइ

(C) शब्दहीन रचना

(D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

३९१. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) गीत रोकनाइ

(B) भाषा नष्ट केनाइ

(C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(D) कथा लुकाएनाइ

३९२. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, अनुवादमे ‘भावानुवाद’क अर्थ की?

(A) सकल अर्थ हटेनाइ

(B) नाम बदलिएनाइ मात्र

(C) कथा उलटेनाइ

(D) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

३९३. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(C) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

(D) छन्द हटि जाइत अछि

३९४. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) पाठ नष्ट करैत अछि

(B) लिपि मिटबैत अछि

(C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(D) भाषा बन्द करैत अछि

३९५. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) शब्दहीन रचना

(B) लोकस्मृति हटेनाइ

(C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

(D) केवल राजपत्र बनौनाइ

३९६. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मध्यकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य उद्देश्य की छल?

(A) गीत रोकनाइ

(B) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ

(C) कथा लुकाएनाइ

(D) भाषा नष्ट केनाइ

३९७. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, अनुवादमे ‘भावानुवाद’क अर्थ की?

(A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ

(B) सकल अर्थ हटेनाइ

(C) कथा उलटेनाइ

(D) नाम बदलिएनाइ मात्र

३९८. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, रामकथा वा कृष्णकथा अनुवादमे स्थानीय रंग किएक अबैत अछि?

(A) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि

(B) छन्द हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रभाव नहि होइत अछि

(D) कथा बिना पात्रक रहैत अछि

३९९. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, अनुवाद-साहित्य भाषा-विकासमे कोना सहायक?

(A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि

(B) पाठ नष्ट करैत अछि

(C) लिपि मिटबैत अछि

(D) भाषा बन्द करैत अछि

४००. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मध्यकालीन अनुवादक सांस्कृतिक महत्व की?

(A) लोकस्मृति हटेनाइ

(B) केवल राजपत्र बनौनाइ

(C) शब्दहीन रचना

(D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ

रामकथा, कृष्णकथा आ पुराणकथात्मक धारा

४०१. रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) खेल-नियम

(B) व्यापार-दर

(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(D) खगोल-सारिणी

४०२. कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) सूखा लेखा

(B) लीला, प्रेम आ भक्ति

(C) कर-व्यवस्था

(D) मौन-संधि

४०३. पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) अर्थहीन सूची

(B) मुकदमा-पत्र

(C) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(D) कृषि-करक मानचित्र

४०४. कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) पाठ अदृश्य होइत अछि

(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(C) कथा रुकि जाइत अछि

(D) भाव समाप्त होइत अछि

४०५. मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(B) केवल संख्या-द्वारा

(C) शब्द-विनाशद्वारा

(D) कथा हटाकऽ

४०६. परीक्षा-दृष्टिसँ, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(B) खगोल-सारिणी

(C) व्यापार-दर

(D) खेल-नियम

४०७. परीक्षा-दृष्टिसँ, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) कर-व्यवस्था

(B) लीला, प्रेम आ भक्ति

(C) सूखा लेखा

(D) मौन-संधि

४०८. परीक्षा-दृष्टिसँ, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) मुकदमा-पत्र

(B) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(C) अर्थहीन सूची

(D) कृषि-करक मानचित्र

४०९. परीक्षा-दृष्टिसँ, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) कथा रुकि जाइत अछि

(B) भाव समाप्त होइत अछि

(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(D) पाठ अदृश्य होइत अछि

४१०. परीक्षा-दृष्टिसँ, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) शब्द-विनाशद्वारा

(B) कथा हटाकऽ

(C) केवल संख्या-द्वारा

(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

४११. अध्ययनक समय, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(B) व्यापार-दर

(C) खगोल-सारिणी

(D) खेल-नियम

४१२. अध्ययनक समय, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) कर-व्यवस्था

(B) सूखा लेखा

(C) मौन-संधि

(D) लीला, प्रेम आ भक्ति

४१३. अध्ययनक समय, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) कृषि-करक मानचित्र

(B) मुकदमा-पत्र

(C) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(D) अर्थहीन सूची

४१४. अध्ययनक समय, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(B) भाव समाप्त होइत अछि

(C) कथा रुकि जाइत अछि

(D) पाठ अदृश्य होइत अछि

४१५. अध्ययनक समय, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) कथा हटाकऽ

(B) केवल संख्या-द्वारा

(C) शब्द-विनाशद्वारा

(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

४१६. मध्यकालीन सन्दर्भमे, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) खगोल-सारिणी

(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(C) खेल-नियम

(D) व्यापार-दर

४१७. मध्यकालीन सन्दर्भमे, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) कर-व्यवस्था

(B) मौन-संधि

(C) सूखा लेखा

(D) लीला, प्रेम आ भक्ति

४१८. मध्यकालीन सन्दर्भमे, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) मुकदमा-पत्र

(B) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(C) अर्थहीन सूची

(D) कृषि-करक मानचित्र

४१९. मध्यकालीन सन्दर्भमे, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) कथा रुकि जाइत अछि

(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(C) पाठ अदृश्य होइत अछि

(D) भाव समाप्त होइत अछि

४२०. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(B) केवल संख्या-द्वारा

(C) कथा हटाकऽ

(D) शब्द-विनाशद्वारा

४२१. साहित्यिक विश्लेषणमे, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) खेल-नियम

(B) खगोल-सारिणी

(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(D) व्यापार-दर

४२२. साहित्यिक विश्लेषणमे, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) कर-व्यवस्था

(B) मौन-संधि

(C) लीला, प्रेम आ भक्ति

(D) सूखा लेखा

४२३. साहित्यिक विश्लेषणमे, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) अर्थहीन सूची

(B) कृषि-करक मानचित्र

(C) मुकदमा-पत्र

(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

४२४. साहित्यिक विश्लेषणमे, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) कथा रुकि जाइत अछि

(B) भाव समाप्त होइत अछि

(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(D) पाठ अदृश्य होइत अछि

४२५. साहित्यिक विश्लेषणमे, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(B) शब्द-विनाशद्वारा

(C) कथा हटाकऽ

(D) केवल संख्या-द्वारा

४२६. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) खेल-नियम

(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(C) व्यापार-दर

(D) खगोल-सारिणी

४२७. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) सूखा लेखा

(B) कर-व्यवस्था

(C) मौन-संधि

(D) लीला, प्रेम आ भक्ति

४२८. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(B) अर्थहीन सूची

(C) कृषि-करक मानचित्र

(D) मुकदमा-पत्र

४२९. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) पाठ अदृश्य होइत अछि

(B) भाव समाप्त होइत अछि

(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(D) कथा रुकि जाइत अछि

४३०. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) केवल संख्या-द्वारा

(B) कथा हटाकऽ

(C) शब्द-विनाशद्वारा

(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

४३१. मैथिली पाठक लेल, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) व्यापार-दर

(B) खेल-नियम

(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(D) खगोल-सारिणी

४३२. मैथिली पाठक लेल, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) सूखा लेखा

(B) मौन-संधि

(C) लीला, प्रेम आ भक्ति

(D) कर-व्यवस्था

४३३. मैथिली पाठक लेल, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) अर्थहीन सूची

(B) मुकदमा-पत्र

(C) कृषि-करक मानचित्र

(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

४३४. मैथिली पाठक लेल, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) भाव समाप्त होइत अछि

(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(C) पाठ अदृश्य होइत अछि

(D) कथा रुकि जाइत अछि

४३५. मैथिली पाठक लेल, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) केवल संख्या-द्वारा

(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(C) कथा हटाकऽ

(D) शब्द-विनाशद्वारा

४३६. विधागत दृष्टिसँ, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) खगोल-सारिणी

(B) व्यापार-दर

(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(D) खेल-नियम

४३७. विधागत दृष्टिसँ, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) सूखा लेखा

(B) कर-व्यवस्था

(C) मौन-संधि

(D) लीला, प्रेम आ भक्ति

४३८. विधागत दृष्टिसँ, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) मुकदमा-पत्र

(B) कृषि-करक मानचित्र

(C) अर्थहीन सूची

(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

४३९. विधागत दृष्टिसँ, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) भाव समाप्त होइत अछि

(B) कथा रुकि जाइत अछि

(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(D) पाठ अदृश्य होइत अछि

४४०. विधागत दृष्टिसँ, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) शब्द-विनाशद्वारा

(B) कथा हटाकऽ

(C) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(D) केवल संख्या-द्वारा

४४१. इतिहास-बोधक आधार पर, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) व्यापार-दर

(B) खगोल-सारिणी

(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(D) खेल-नियम

४४२. इतिहास-बोधक आधार पर, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) सूखा लेखा

(B) मौन-संधि

(C) कर-व्यवस्था

(D) लीला, प्रेम आ भक्ति

४४३. इतिहास-बोधक आधार पर, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) मुकदमा-पत्र

(B) कृषि-करक मानचित्र

(C) अर्थहीन सूची

(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

४४४. इतिहास-बोधक आधार पर, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) पाठ अदृश्य होइत अछि

(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(C) कथा रुकि जाइत अछि

(D) भाव समाप्त होइत अछि

४४५. इतिहास-बोधक आधार पर, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) केवल संख्या-द्वारा

(B) शब्द-विनाशद्वारा

(C) कथा हटाकऽ

(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

४४६. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) खेल-नियम

(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(C) खगोल-सारिणी

(D) व्यापार-दर

४४७. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) मौन-संधि

(B) सूखा लेखा

(C) लीला, प्रेम आ भक्ति

(D) कर-व्यवस्था

४४८. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(B) कृषि-करक मानचित्र

(C) मुकदमा-पत्र

(D) अर्थहीन सूची

४४९. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(B) भाव समाप्त होइत अछि

(C) पाठ अदृश्य होइत अछि

(D) कथा रुकि जाइत अछि

४५०. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) केवल संख्या-द्वारा

(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(C) कथा हटाकऽ

(D) शब्द-विनाशद्वारा

४५१. समग्र मूल्यांकनमे, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) खेल-नियम

(B) खगोल-सारिणी

(C) व्यापार-दर

(D) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

४५२. समग्र मूल्यांकनमे, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) सूखा लेखा

(B) कर-व्यवस्था

(C) लीला, प्रेम आ भक्ति

(D) मौन-संधि

४५३. समग्र मूल्यांकनमे, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) अर्थहीन सूची

(B) मुकदमा-पत्र

(C) कृषि-करक मानचित्र

(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

४५४. समग्र मूल्यांकनमे, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) पाठ अदृश्य होइत अछि

(B) भाव समाप्त होइत अछि

(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(D) कथा रुकि जाइत अछि

४५५. समग्र मूल्यांकनमे, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) केवल संख्या-द्वारा

(B) कथा हटाकऽ

(C) शब्द-विनाशद्वारा

(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

४५६. लोक-परम्पराक धरातल पर, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) व्यापार-दर

(B) खगोल-सारिणी

(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(D) खेल-नियम

४५७. लोक-परम्पराक धरातल पर, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) कर-व्यवस्था

(B) मौन-संधि

(C) सूखा लेखा

(D) लीला, प्रेम आ भक्ति

४५८. लोक-परम्पराक धरातल पर, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) अर्थहीन सूची

(B) मुकदमा-पत्र

(C) कृषि-करक मानचित्र

(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

४५९. लोक-परम्पराक धरातल पर, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) भाव समाप्त होइत अछि

(B) कथा रुकि जाइत अछि

(C) पाठ अदृश्य होइत अछि

(D) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

४६०. लोक-परम्पराक धरातल पर, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) शब्द-विनाशद्वारा

(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(C) कथा हटाकऽ

(D) केवल संख्या-द्वारा

४६१. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) व्यापार-दर

(B) खेल-नियम

(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(D) खगोल-सारिणी

४६२. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) सूखा लेखा

(B) मौन-संधि

(C) लीला, प्रेम आ भक्ति

(D) कर-व्यवस्था

४६३. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) अर्थहीन सूची

(B) कृषि-करक मानचित्र

(C) मुकदमा-पत्र

(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

४६४. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) पाठ अदृश्य होइत अछि

(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(C) कथा रुकि जाइत अछि

(D) भाव समाप्त होइत अछि

४६५. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) शब्द-विनाशद्वारा

(B) कथा हटाकऽ

(C) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(D) केवल संख्या-द्वारा

४६६. रस-भावक आधार पर, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(B) खगोल-सारिणी

(C) व्यापार-दर

(D) खेल-नियम

४६७. रस-भावक आधार पर, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) मौन-संधि

(B) लीला, प्रेम आ भक्ति

(C) कर-व्यवस्था

(D) सूखा लेखा

४६८. रस-भावक आधार पर, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(B) मुकदमा-पत्र

(C) अर्थहीन सूची

(D) कृषि-करक मानचित्र

४६९. रस-भावक आधार पर, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) पाठ अदृश्य होइत अछि

(B) कथा रुकि जाइत अछि

(C) भाव समाप्त होइत अछि

(D) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

४७०. रस-भावक आधार पर, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(B) केवल संख्या-द्वारा

(C) शब्द-विनाशद्वारा

(D) कथा हटाकऽ

४७१. कथात्मक बोधमे, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) व्यापार-दर

(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(C) खगोल-सारिणी

(D) खेल-नियम

४७२. कथात्मक बोधमे, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) मौन-संधि

(B) कर-व्यवस्था

(C) लीला, प्रेम आ भक्ति

(D) सूखा लेखा

४७३. कथात्मक बोधमे, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) मुकदमा-पत्र

(B) कृषि-करक मानचित्र

(C) अर्थहीन सूची

(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

४७४. कथात्मक बोधमे, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) कथा रुकि जाइत अछि

(B) पाठ अदृश्य होइत अछि

(C) भाव समाप्त होइत अछि

(D) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

४७५. कथात्मक बोधमे, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) शब्द-विनाशद्वारा

(B) केवल संख्या-द्वारा

(C) कथा हटाकऽ

(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

४७६. संरक्षण-दृष्टिसँ, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) खेल-नियम

(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(C) खगोल-सारिणी

(D) व्यापार-दर

४७७. संरक्षण-दृष्टिसँ, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) मौन-संधि

(B) लीला, प्रेम आ भक्ति

(C) सूखा लेखा

(D) कर-व्यवस्था

४७८. संरक्षण-दृष्टिसँ, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) मुकदमा-पत्र

(B) कृषि-करक मानचित्र

(C) अर्थहीन सूची

(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

४७९. संरक्षण-दृष्टिसँ, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) भाव समाप्त होइत अछि

(B) पाठ अदृश्य होइत अछि

(C) कथा रुकि जाइत अछि

(D) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

४८०. संरक्षण-दृष्टिसँ, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(B) केवल संख्या-द्वारा

(C) कथा हटाकऽ

(D) शब्द-विनाशद्वारा

४८१. तुलनात्मक अध्ययनमे, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) व्यापार-दर

(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(C) खगोल-सारिणी

(D) खेल-नियम

४८२. तुलनात्मक अध्ययनमे, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) कर-व्यवस्था

(B) सूखा लेखा

(C) लीला, प्रेम आ भक्ति

(D) मौन-संधि

४८३. तुलनात्मक अध्ययनमे, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) अर्थहीन सूची

(B) कृषि-करक मानचित्र

(C) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(D) मुकदमा-पत्र

४८४. तुलनात्मक अध्ययनमे, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) भाव समाप्त होइत अछि

(B) पाठ अदृश्य होइत अछि

(C) कथा रुकि जाइत अछि

(D) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

४८५. तुलनात्मक अध्ययनमे, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) शब्द-विनाशद्वारा

(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(C) केवल संख्या-द्वारा

(D) कथा हटाकऽ

४८६. शोध-प्रवेशिकामे, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) खेल-नियम

(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(C) व्यापार-दर

(D) खगोल-सारिणी

४८७. शोध-प्रवेशिकामे, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) कर-व्यवस्था

(B) लीला, प्रेम आ भक्ति

(C) मौन-संधि

(D) सूखा लेखा

४८८. शोध-प्रवेशिकामे, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) मुकदमा-पत्र

(B) अर्थहीन सूची

(C) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(D) कृषि-करक मानचित्र

४८९. शोध-प्रवेशिकामे, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) पाठ अदृश्य होइत अछि

(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(C) कथा रुकि जाइत अछि

(D) भाव समाप्त होइत अछि

४९०. शोध-प्रवेशिकामे, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) केवल संख्या-द्वारा

(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(C) कथा हटाकऽ

(D) शब्द-विनाशद्वारा

४९१. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) व्यापार-दर

(B) खेल-नियम

(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(D) खगोल-सारिणी

४९२. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) लीला, प्रेम आ भक्ति

(B) कर-व्यवस्था

(C) सूखा लेखा

(D) मौन-संधि

४९३. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(B) कृषि-करक मानचित्र

(C) मुकदमा-पत्र

(D) अर्थहीन सूची

४९४. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(B) भाव समाप्त होइत अछि

(C) पाठ अदृश्य होइत अछि

(D) कथा रुकि जाइत अछि

४९५. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) केवल संख्या-द्वारा

(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(C) शब्द-विनाशद्वारा

(D) कथा हटाकऽ

४९६. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, रामकथा-आधारित रचनामे मुख्य मूल्य कोन?

(A) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य

(B) खेल-नियम

(C) खगोल-सारिणी

(D) व्यापार-दर

४९७. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, कृष्णकथा-आधारित रचनामे प्रायः कोन भाव बलवान?

(A) सूखा लेखा

(B) लीला, प्रेम आ भक्ति

(C) मौन-संधि

(D) कर-व्यवस्था

४९८. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, पुराणकथाक साहित्यिक उपयोग की?

(A) मुकदमा-पत्र

(B) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान

(C) अर्थहीन सूची

(D) कृषि-करक मानचित्र

४९९. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, कथात्मक काव्यमे पात्र-संवाद किएक महत्त्वपूर्ण?

(A) भाव समाप्त होइत अछि

(B) पाठ अदृश्य होइत अछि

(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि

(D) कथा रुकि जाइत अछि

५००. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मिथिला-परिवेश कथामे कोना प्रवेश करैत अछि?

(A) केवल संख्या-द्वारा

(B) शब्द-विनाशद्वारा

(C) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा

(D) कथा हटाकऽ

उत्तरमाला — अध्याय ३ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. **(B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना** — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

२. **(D) विनय आ समर्पण** — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

३. **(A) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल** — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

४. **(C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल** — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

५. **(B) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि** — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

६. **(D) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना** — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

७. **(D) विनय आ समर्पण** — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

८. **(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल** — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

९. **(C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल** — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

१०. **(D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि** — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

११. **(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना** — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

१२. **(D) विनय आ समर्पण** — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

१३. **(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल** — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

१४. (C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

१५. (D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

१६. (B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

१७. (A) विनय आ समर्पण — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

१८. (C) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

१९. (B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

२०. (D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

२१. (C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

२२. (B) विनय आ समर्पण — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

२३. (B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

२४. (B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

२५. (B) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

२६. (B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

२७. (A) विनय आ समर्पण — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

२८. (B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

२९. (D) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

३०. (B) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

३१. (B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

३२. (A) विनय आ समर्पण — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

३३. (B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

३४. (C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

३५. (C) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

३६. (A) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

३७. (A) विनय आ समर्पण — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

३८. (B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

३९. (A) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

४०. (A) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

४१. (C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

४२. (C) विनय आ समर्पण — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

४३. (D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

४४. (C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

४५. (A) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

४६. (B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

४७. (A) विनय आ समर्पण — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

४८. (D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

४९. (A) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

५०. **(A) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि** — राग-लय कवितासँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

५१. **(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना** — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

५२. **(D) विनय आ समर्पण** — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

५३. **(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल** — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

५४. **(D) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल** — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

५५. **(D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि** — राग-लय कवितासँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

५६. **(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना** — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

५७. **(D) विनय आ समर्पण** — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

५८. **(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल** — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

५९. **(A) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल** — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

६०. **(C) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि** — राग-लय कवितासँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

६१. **(C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना** — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

६२. **(B) विनय आ समर्पण** — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

६३. **(D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल** — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

६४. **(B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल** — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

६५. **(D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि** — राग-लय कवितासँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

६६. **(D) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना** — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

६७. **(B) विनय आ समर्पण** — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

६८. **(B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल** — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

६९. **(B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल** — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

७०. **(B) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि** — राग-लय कवितासँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

७१. **(D) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना** — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

७२. **(C) विनय आ समर्पण** — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

७३. **(A) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल** — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

७४. **(D) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल** — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

७५. **(C) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि** — राग-लय कवितासँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

७६. **(B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना** — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

७७. **(C) विनय आ समर्पण** — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

७८. **(B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल** — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

७९. **(B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल** — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

८०. **(B) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि** — राग-लय कवितासँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

८१. **(B) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना** — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

८२. **(D) विनय आ समर्पण** — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

८३. **(A) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल** — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

८४. **(C) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल** — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

८५. **(C) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि** — राग-लय कवितासँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

८६. (C) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

८७. (C) विनय आ समर्पण — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

८८. (B) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

८९. (A) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

९०. (C) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

९१. (A) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

९२. (B) विनय आ समर्पण — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

९३. (D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

९४. (B) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

९५. (A) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

९६. (D) ईश्वर-प्रेम आ लोक-भावना — भक्ति कविता धर्म, प्रेम, लोकविश्वास आ आत्मसमर्पणक संग साहित्यिक अनुभूतिकेँ जोड़ैत अछि।

९७. (A) विनय आ समर्पण — भक्त कवि अपनाकेँ दास, सेवक वा प्रेमी रूपमे राखि दिव्य सत्तासँ संवाद करैत अछि।

९८. (D) ई लोकभाषा आ गीतिकता सँ जुड़ल छल — लोकभाषा, गेयता आ सामूहिक गायन भक्ति साहित्यकेँ जनजीवन धरि पहुँचौलनि।

९९. (D) साधारण लोकक अनुभव साहित्यक केन्द्रमे आयल — भक्तिकाव्य लोकजीवन, स्त्री-स्वर, श्रम, पर्व आ भावनाकेँ साहित्यिक गरिमा दैत अछि।

१००. (D) गीत रूपेँ पाठ आ स्मरण आसान होइत अछि — राग-लय कविताकेँ गेय बनबैत अछि, जाहिसँ लोकस्मृति आ सामूहिक गायन मजबूत होइत अछि।

१०१. (D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१०२. (C) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१०३. (D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१०४. (C) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१०५. (D) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१०६. (B) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१०७. (A) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१०८. (A) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१०९. (A) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

११०. (B) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१११. (B) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

११२. (C) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

११३. (B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

११४. (A) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

११५. (D) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

११६. (D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

११७. (A) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

११८. (B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

११९. (C) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१२०. (A) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१२१. (D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१२२. (B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१२३. (D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१२४. (B) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१२५. (A) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१२६. (A) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१२७. (B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१२८. (C) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१२९. (C) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१३०. (B) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१३१. (B) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१३२. (C) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१३३. (B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१३४. (C) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१३५. (C) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१३६. (C) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१३७. (B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१३८. (B) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१३९. (D) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१४०. (D) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१४१. (A) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१४२. (B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१४३. (A) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१४४. (A) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१४५. (D) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१४६. (A) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१४७. (B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१४८. (D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१४९. (A) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१५०. (B) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१५१. (D) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१५२. (D) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१५३. (D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१५४. (D) प्रिय-वियोगक पीड़ा — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१५५. (C) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१५६. (B) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१५७. (A) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१५८. (C) **रूषल प्रेमिकाक अवस्था** — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१५९. (C) **प्रिय-वियोगक पीड़ा** — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१६०. (C) **प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन** — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१६१. (C) **मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत** — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१६२. (D) **मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण** — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१६३. (B) **रूषल प्रेमिकाक अवस्था** — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१६४. (D) **प्रिय-वियोगक पीड़ा** — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१६५. (D) **प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन** — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१६६. (D) **मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत** — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१६७. (C) **मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण** — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१६८. (B) **रूषल प्रेमिकाक अवस्था** — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१६९. (C) **प्रिय-वियोगक पीड़ा** — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१७०. (B) **प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन** — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१७१. (A) **मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत** — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१७२. (C) **मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण** — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१७३. (B) **रूषल प्रेमिकाक अवस्था** — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१७४. (D) **प्रिय-वियोगक पीड़ा** — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१७५. (B) **प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन** — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१७६. (D) **मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत** — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१७७. (B) **मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण** — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१७८. (D) **रूषल प्रेमिकाक अवस्था** — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१७९. (D) **प्रिय-वियोगक पीड़ा** — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१८०. (A) **प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन** — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१८१. (C) **मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत** — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१८२. (A) **मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण** — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१८३. (B) **रूषल प्रेमिकाक अवस्था** — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१८४. (C) **प्रिय-वियोगक पीड़ा** — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१८५. (A) **प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन** — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१८६. (C) **मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत** — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१८७. (B) **मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण** — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१८८. (D) **रूषल प्रेमिकाक अवस्था** — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१८९. (D) **प्रिय-वियोगक पीड़ा** — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१९०. (A) **प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन** — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१९१. (D) **मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत** — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१९२. (C) **मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण** — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१९३. (D) **रूषल प्रेमिकाक अवस्था** — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१९४. **(A) प्रिय-वियोगक पीड़ा** — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

१९५. **(A) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन** — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

१९६. **(A) मानवीय प्रेमसँ आध्यात्मिक संकेत** — राधा-कृष्ण प्रेम लौकिक रूपमे प्रकट भेलो आध्यात्मिक मिलन-विरहक संकेत दैत अछि।

१९७. **(B) मिलनसँ पहिने जागल आकर्षण** — पूर्वरागमे पात्रसभ एक-दोसराक गुण सुनि वा देखि मनहि-मन अनुरक्त होइत छथि।

१९८. **(D) रूषल प्रेमिकाक अवस्था** — मान प्रेमक रूठल रूप अछि; एहि सँ प्रेमक सूक्ष्म मनोविज्ञान खुलैत अछि।

१९९. **(D) प्रिय-वियोगक पीड़ा** — विरहमे स्मृति, प्रतीक्षा, अश्रु आ आध्यात्मिक उत्कंठा एक संग व्यक्त होइत अछि।

२००. **(B) प्रेम-संदेश आ भाव-संयोजन** — सखी नायक-नायिकाक भावक सेतु बनैत छथि आ संवादकेँ गति दैत छथि।

२०१. **(C) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२०२. **(A) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२०३. **(C) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२०४. **(D) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२०५. **(A) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२०६. **(C) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२०७. **(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२०८. **(B) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२०९. **(A) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२१०. **(C) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२११. **(D) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२१२. **(C) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२१३. **(D) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२१४. **(B) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२१५. **(B) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२१६. **(A) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२१७. **(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२१८. **(D) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२१९. **(C) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२२०. **(A) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२२१. **(A) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२२२. **(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२२३. **(B) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२२४. **(D) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२२५. **(B) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२२६. **(B) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२२७. **(C) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२२८. **(A) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२२९. **(A) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२३०. **(B) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२३१. **(A) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२३२. **(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२३३. **(D) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२३४. **(A) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२३५. **(B) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२३६. **(C) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२३७. **(B) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२३८. **(C) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२३९. **(B) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२४०. **(D) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२४१. **(B) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२४२. **(A) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२४३. **(D) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२४४. **(C) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२४५. **(D) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२४६. **(A) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२४७. **(B) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२४८. **(C) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२४९. **(A) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२५०. **(D) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२५१. **(B) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२५२. **(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२५३. **(B) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२५४. **(C) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२५५. **(D) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२५६. **(D) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२५७. **(A) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२५८. **(B) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२५९. **(D) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२६०. **(A) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२६१. **(B) शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२६२. **(D) मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२६३. **(A) शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२६४. **(B) ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२६५. **(C) देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२६६. (C) **शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२६७. (A) **मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२६८. (D) **शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२६९. (B) **ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२७०. (C) **देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२७१. (A) **शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२७२. (C) **मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२७३. (D) **शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२७४. (B) **ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२७५. (B) **देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२७६. (B) **शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२७७. (B) **मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२७८. (A) **शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२७९. (D) **ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२८०. (C) **देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२८१. (D) **शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२८२. (C) **मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२८३. (A) **शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२८४. (B) **ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२८५. (D) **देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२८६. (C) **शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२८७. (D) **मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२८८. (A) **शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२८९. (C) **ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२९०. (D) **देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२९१. (B) **शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२९२. (A) **मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२९३. (B) **शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२९४. (D) **ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

२९५. (A) **देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

२९६. (A) **शिव** — शैव भक्ति शिवक करुणा, वैराग्य, लोक-देवता रूप आ पारिवारिक छविकेँ अपनबैत अछि।

२९७. (C) **मातृशक्ति आ रक्षा-सामर्थ्य** — शाक्त परम्परामे देवी जीवन-रक्षा, शक्ति, करुणा आ लोकमंगलक स्रोत छथि।

२९८. (A) **शिव-भक्ति आ लोकगीत** — नचारी आ महेशवाणी मिथिलाक शिव-सम्बद्ध गीत-परम्परासँ जुड़ल अछि।

२९९. (D) **ई पर्व, व्रत, विवाह आ अनुष्ठानमे गाओल जाइत छल** — धार्मिक गीत दैनिक संस्कार आ सामुदायिक अवसरक अंग छल।

३००. (C) **देवता, व्रत, कथा आ गीतक मिलनमे** — लोक-धर्म शास्त्रीय धारा संग लोकविश्वासक संगम बनबैत अछि।

३०१. (C) **लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ** — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३०२. (A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३०३. (B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३०४. (A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३०५. (B) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३०६. (D) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३०७. (D) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३०८. (A) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३०९. (C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३१०. (C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३११. (B) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३१२. (A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३१३. (B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३१४. (B) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३१५. (B) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३१६. (D) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३१७. (B) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३१८. (D) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३१९. (C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३२०. (A) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३२१. (C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३२२. (B) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३२३. (D) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३२४. (A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३२५. (A) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३२६. (B) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३२७. (C) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३२८. (B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३२९. (C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३३०. (C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३३१. (D) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३३२. (D) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३३३. (C) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३३४. (C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३३५. (C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३३६. (B) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३३७. (D) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३३८. (A) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३३९. (D) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३४०. (C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३४१. (C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३४२. (B) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३४३. (C) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३४४. (A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३४५. (A) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३४६. (D) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३४७. (A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३४८. (D) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३४९. (B) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३५०. (D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३५१. (A) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३५२. (A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३५३. (C) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३५४. (A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३५५. (D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३५६. (A) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३५७. (C) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३५८. (B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३५९. (D) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३६०. (C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३६१. (D) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३६२. (C) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३६३. (C) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३६४. (C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३६५. (D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३६६. (C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३६७. (C) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३६८. (C) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३६९. (D) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३७०. (A) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३७१. (B) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३७२. (C) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३७३. (A) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३७४. (D) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३७५. (C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३७६. (C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३७७. (A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३७८. (B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३७९. (A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३८०. (A) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३८१. (C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३८२. (B) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३८३. (A) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३८४. (A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३८५. (D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३८६. (A) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३८७. (D) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३८८. (D) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३८९. (D) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३९०. (D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३९१. (C) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३९२. (D) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३९३. (B) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३९४. (C) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

३९५. (C) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

३९६. (B) लोकभाषामे कथा आ ज्ञान पहुँचेनाइ — अनुवादक मूल प्रयोजन लोकसमाजकेँ उपलब्ध कथा, धर्म, नीति आ भावसँ जोड़नाइ छल।

३९७. (A) मूल भाव राखि भाषिक रूप बदलनाइ — भावानुवाद शब्दक कठोर नकल नहि, मूल अर्थ आ रसक नव भाषा मे रूपान्तरण अछि।

३९८. (A) कवि अपन समाजक भाषा-बिम्ब जोड़ैत छथि — स्थानीय शब्द, रीति, सम्बोधन आ लोकबिम्ब अनुवादकेँ मिथिला-स्वर दैत अछि।

३९९. (A) नव शब्द, शैली आ वाक्यरूप विकसित करैत अछि — अनुवादसँ भाषा कठिन विषय व्यक्त करबाक सामर्थ्य पबैत अछि।

४००. (D) भारतीय आख्यानकेँ स्थानीय लोकस्मृति मे बसओनाइ — अनुवाद महाकथा केँ अपन भाषा, राग आ रीति मे आत्मसात करैत अछि।

४०१. (C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४०२. (B) लीला, प्रेम आ भक्ति — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४०३. (C) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४०४. (B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४०५. (A) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४०६. (A) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४०७. (B) लीला, प्रेम आ भक्ति — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४०८. (B) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४०९. (C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४१०. **(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४११. **(A) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४१२. **(D) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४१३. **(C) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४१४. **(A) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४१५. **(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४१६. **(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४१७. **(D) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४१८. **(B) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४१९. **(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४२०. **(A) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४२१. **(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४२२. **(C) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४२३. **(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४२४. **(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४२५. **(A) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४२६. **(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४२७. **(D) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४२८. **(A) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४२९. **(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४३०. **(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४३१. **(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४३२. **(C) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४३३. **(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४३४. **(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४३५. **(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४३६. **(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४३७. **(D) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४३८. **(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४३९. **(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४४०. **(C) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४४१. **(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४४२. **(D) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४४३. **(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४४४. **(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४४५. **(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४४६. **(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४४७. **(C) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४४८. **(A) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४४९. **(A) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४५०. **(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४५१. **(D) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४५२. **(C) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४५३. **(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४५४. **(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४५५. **(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४५६. **(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४५७. **(D) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४५८. **(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४५९. **(D) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४६०. **(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४६१. **(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४६२. **(C) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४६३. **(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४६४. **(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४६५. **(C) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४६६. **(A) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४६७. **(B) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४६८. **(A) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४६९. **(D) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४७०. **(A) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४७१. **(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४७२. **(C) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४७३. **(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४७४. **(D) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४७५. **(D) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४७६. **(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४७७. **(B) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४७८. **(D) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४७९. **(D) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४८०. **(A) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४८१. **(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४८२. **(C) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४८३. **(C) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४८४. **(D) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४८५. **(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४८६. **(B) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४८७. **(B) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४८८. **(C) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४८९. **(B) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४९०. **(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४९१. **(C) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४९२. **(A) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४९३. **(A) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४९४. **(A) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

४९५. **(B) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।

४९६. **(A) धर्म, मर्यादा आ कर्तव्य** — रामकथा मर्यादा, परिवार, लोकनीति आ धर्मक प्रश्नकेँ साहित्यिक रूप दैत अछि।

४९७. **(B) लीला, प्रेम आ भक्ति** — कृष्णकथा गीत, नृत्य, रास, बाल-लीला आ भक्तिक भावसँ भरल रहैत अछि।

४९८. **(B) नीति, भक्ति आ आदर्शक आख्यान** — पुराणकथा समाजकेँ नैतिक, धार्मिक आ सांस्कृतिक उदाहरण दैत अछि।

४९९. **(C) कथा आ भाव दुनू आगाँ बढ़ैत अछि** — संवाद पात्रक मनोभाव खोलैत अछि आ कथाक गति बनबैत अछि।

५००. **(C) भाषा, रीति, सम्बन्ध आ लोक-बिम्बद्वारा** — स्थानीय रंग कथाकेँ मैथिली समाजक अपन रचना बनबैत अछि।